राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

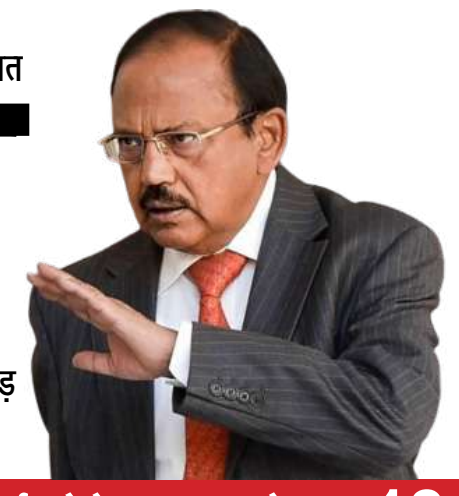

10 अडाणी पर हिंडनबर्ग ने कहा धोखाधड़ी को राष्ट्रवाद से ढका नहीं जा सकता

अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व से अहम वार्ता करेंगे एनएसए डोभाल 12

वर्ष : 13 | अंक : 258 | नई दिल्ली, मंगलवार, 31 जनवरी, 2023 | पौष शुक्ल एकादशी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

विज्ञान और नवाचार से भारत का तेजी से हो रहा है विकास : नरेंद्र तोमर

चंडीगढ़/नई दिल्ली,एजेंसी

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि विज्ञान एवं नवाचार से भारत का विकास तेजी से हो रहा है, ये दोनों देश के भविष्य के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। श्री तोमर और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने भारत की अध्यक्षता में जी-20 के पहले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना कार्य समूह की दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन चंडीगढ़ में किया। श्री तोमर ने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल में वित्तीय समावेशन, धारणीय ऊर्जा की ओर गमन में हमारा उल्लेखनीय योगदान रहा है और विकास की जन-केंद्रितता हमारी राष्ट्रीय रणनीति का आधार है। यह वही दर्शन है, जो हमारी जी-20 की अध्यक्षता का विषय 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' को भी रेखांकित करता है। कृषि मंत्री ने कहा कि भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता करना सभी नागरिकों के लिए

गर्व का क्षण है, साथ ही इस ऐतिहासिक अवसर के साथ आने वाली जिम्मेदारियों से हम भली-भांति परिचित हैं। आज दुनिया अनेक जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है, जो गहराई से एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं की जाती हैं। उन्होंने कहा कि जिन चुनौतियों का सामना किया जा रहा है, वे वैश्विक प्रकृति की हैं और इनके लिए वैश्विक समाधान की ही आवश्यकता है, इसलिए विश्व समुदाय को आज वैश्विक रूप से समन्वित नीतियों और कार्यों की ओर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। बहुपक्षवाद में नए सिरे से विश्वास करने की भी आवश्यकता है। लोकतंत्र एवं बहुपक्षवाद के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हमारा राष्ट्र न केवल बहुआयामी विकास को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है बल्कि सार्वभौमिक रूप से मान्य शक्ति भी प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि हाल ही में आयोजित विश्व आर्थिक मंच में, भारत को नाजुक दुनिया में एक उज्ज्वल रोशनी के रूप में वर्णित किया गया और जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और कोविड बाद विकास पथ पर लौटने की सभी ने सराहना की है। श्री तोमर ने कहा, भारत उसे दी गई जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं। हमें अपने सफल विकास मॉडल के टेम्प्लेट साझा करने में खुशी होगी, उसी प्रकार सभी से सीखने के लिए भी हम तत्पर हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 15.0°C

न्यूनतम तापमान 06.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,300
सेंसेक्स	54,306
निफ्टी	22,503

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल में हिमपात और आंधी से जनजीवन अस्त-व्यस्त

शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में रात भर जारी हिमपात, तेज हवाओं और हल्की बारिश से यातायात प्रभावित हुआ और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति ठप हो गयी। खराब मौसम के कारण राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यहां मिली रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई है और कुल्लू, शिमला और किन्नौर की ऊंची चोटियों पर कल रात ताजा हिमपात हुआ। फिसलन की स्थिति के कारण कई सड़कें बंद हो गई हैं। लाहौल स्पीति, चंबा के पांगी, भरमौर और ऊपरी शिमला में हिमपात के कारण इनका जिला मुख्यालय के साथ सम्पर्क टूट गया।

महात्मा गांधी और अमर बलिदानियों की स्मृतियों को नमन

धर्मशाला। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर सोमवार (30 जनवरी) को कांगड़ा जिले में तमाम सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर बापू और देश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों व अमर बलिदानियों की स्मृतियों को नमन किया। इस मौके धर्मशाला में उपायुक्त कार्यालय परिसर में अतिरिक्त उपायुक्त सौरभ जस्सल ने प्रातः 11 बजे महात्मा गांधी और बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाली महान विभूतियों को सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य है।

प्रमुख संस्थानों में अध्यक्ष न होने पर खड़गे का सरकार पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने देश के 50 महत्वपूर्ण संस्थानों में अध्यक्ष के पद खाली होने को लेकर मोदी सरकार पर आज कड़ा हमला किया और कहा कि विश्व स्तर की शिक्षा व्यवस्था कायम करने की बात करते हैं लेकिन बुनियादी बात पर ध्यान नहीं देते हैं। श्री खड़गे ने ट्वीट किया राष्ट्रीय महत्व के 50 संस्थान बिना अध्यक्ष के हैं। आपकी सरकार के सत्ता में आने के साल से 10 पद खाली हैं। कई संस्थानों ने सरकार को लिखा है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आप विश्व स्तरीय भविष्यवादी शिक्षा के बारे में बोलते हैं लेकिन मूल बातें भूल जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक चार्ट भी दिया है जिसमें बिना पूर्णकालिक अध्यक्ष वाले संस्थानों का विवरण देते हुए कहा है कि देश के सात आईआईटी, 22 एनआईटी तथा 20 आईआईआईटी में पूर्ण कालिक अध्यक्ष नहीं हैं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित विभिन्न नेताओं ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विभिन्न नेताओं ने सोमवार को राजघाट स्थित महात्मा गांधी के स्मारक पर राष्ट्रपिता को उनकी 75वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति भवन ने चित्र के साथ अपने ट्वीट में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और राजघाट पर सर्व धर्म प्रार्थना में शामिल हुईं। राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, मैं बापू को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूं और उनके गहन विचारों को याद करता हूं। मैं उन सभी को भी श्रद्धांजलि देता हूं जो हमारे राष्ट्र की सेवा में शहीद हुए हैं। मोदी ने

श्रद्धांजलि

- महात्मा गांधी के स्मारक पर राष्ट्रपिता को उनकी 75वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की
- मैं बापू को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूं और उनके गहन विचारों को याद करता हूं। मैं उन सभी को भी श्रद्धांजलि देता हूं जो हमारे राष्ट्र की सेवा में शहीद हुए हैं: प्रधानमंत्री मोदी
- पूज्य बापू की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें नमन करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। विश्व शांति और भारत की प्रगति का जो मार्ग उन्होंने दिखाया वह आज भी बहुत प्रासंगिक है: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

कहा, उनके (महात्मा गांधी तथा अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के) बलिदानों को कभी नहीं भुलाया जाएगा और यह, एक विकसित भारत के लिए काम करने के हमारे संकल्प को मजबूत करता रहेगा। वहीं, उपराष्ट्रपति कार्यालय ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हवाले से ट्वीट किया, महात्मा गांधी की पुण्यतिथि- शहीद दिवस पर उनके जीवन और उनकी विरासत का पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर हम असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान भी याद करें और एक मजबूत और एकजुट भारत के निर्माण का संकल्प लें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। बापू के विचारों ने सर्वोदय की भावना को सशक्त किया। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बिरला ने कहा, उनके दर्शन में सबकी भलाई निहित थी, जिससे वैश्विक स्तर पर मानवतावाद को नई दिशा मिली। उनके सिद्धांत सदा हमारा पथ प्रदर्शित करते रहेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, पूज्य बापू की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें नमन करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। विश्व शांति और भारत की प्रगति का जो मार्ग उन्होंने दिखाया वह आज भी बहुत प्रासंगिक है। उनकी प्रेरणा से ही आज एक नए और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण प्रगति पर है।

मर जाना कबूल है लेकिन भाजपा के साथ अब नहीं जाएंगे : नीतीश

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक बार फिर कहा कि वह मर जाएंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नहीं जाएंगे। श्री कुमार ने यहां सोमवार को गांधी घाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा,₹मर जाना कबूल है लेकिन उनके (भाजपा) साथ जाना हमको कभी कबूल नहीं है। यह अच्छी तरह से आप लोग जान लीजिए। यह सब बोगस बात है।₹ दरअसल पत्रकारों ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की रविवार को हुई बैठक में पारित प्रस्ताव के संबंध में सवाल किया था जिसमें संकल्प लिया गया है कि श्री नीतीश कुमार और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से भाजपा अब कभी गठबंधन नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा के लोगों ने हमारे साथ रहते हुए बिना मतलब का इनके पिताजी (लालू प्रसाद यादव) और अन्य लोगों को केस में फंसा दिया। हम लोग जब किसी तरह से इसे खत्म किए और अब जब हम साथ हैं तब इन्हें दूर करने के लिए एक बार फिर से केस में फंसाने की कोशिश हो रही है। श्री कुमार ने कहा कि भाजपा अब वह पुरानी भाजपा नहीं रही है। अब नई भाजपा बन चुकी है। उनके पुराने नेताओं से पूछेंगे तो वह भी यही कहेंगे। उन्होंने कहा,₹ हम लोग अटल जी को मानने वाले लोग थे। उनके साथ थे तो कितना अच्छा था। हम तो अटल-आडवाणी के पक्ष में थे, लेकिन जब ये लोग आ गए तब इनकी नई पार्टी हो गई है। अब ये लोग सब कुछ बदल रहे हैं। देश का एक एक चीज को बदलना चाह रहे हैं। क्या नया नया नामकरण कर रहे हैं। क्या मतलब है इन चीजों का। इन लोगों का आजादी की लड़ाई के समय जन्म भी हुआ था क्या। आजादी की लड़ाई में जिनका योगदान है क्या उनको भूल कर के कोई बात हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा, 2005 में जब हमारी सरकार बनी तब हम लोगों ने हिंदू मुस्लिम सब के हित में अच्छे से काम किया। इसके कारण अल्पसंख्यकों का एक अच्छा हिस्सा हम लोगों को वोट करने लगा। भाजपा के लोगों को भी पता था कि अल्पसंख्यकों का वोट उन्हें मिल रहा है लेकिन जब 2015 में हम लोग अलग हुए तब वे कितनी सीट जीते थे। इस बार हम ही को हराकर और हमारी वोट से जीत गए।₹ श्री कुमार ने भाजपा नेता सुशील मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जिसको कुछ नहीं बनाया है वही हम पर ज्यादा बोल रहा है। उन्होंने कहा, आज कल यह चलाया जा रहा है कि हम दावेदार हैं लेकिन हम किसी पद के दावेदार नहीं हैं। हम सिर्फ विपक्षी दलों की एकता चाहते हैं। मुझे व्यक्तिगत कुछ नहीं चाहिए। मेरा कोई निजी स्वार्थ नहीं है।मुझे कुछ भी नहीं बनना है।

बापू की शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करती हैं: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। योगी ने सोमवार को ट्वीट किया, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। बापू के समग्र चिंतन में मनुष्यता, स्वतंत्रता एवं समरसता का आह्वान है। उनकी शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति की संकल्पना की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इससे पहले योगी ने लखनऊ में जीपीओ पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ट्वीट किया, सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

लोग उच्चतम न्यायालय का कीमती वक्त बर्बाद करते हैं : रीजीजू

नई दिल्ली, एजेंसी। विधि मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को 2002 के गुजरात दंगों पर बीबीसी के एक वृत्तचित्र पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र सरकार के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह वे शीर्ष अदालत के कीमती वक्त को बर्बाद करते हैं। रीजीजू ने वरिष्ठ पत्रकार एन राम, वकील प्रशांत भूषण और अन्य द्वारा वृत्तचित्र इंडियाः द मोदी क्वेश्चशन पर पाबंदी लगाने के केंद्र के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने पर ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इस तरह वे माननीय उच्चतम न्यायालय का कीमती वक्त बर्बाद करते हैं, जहां हजारों आम नागरिक न्याय का इंतजार कर रहे हैं और तारीखें मांग रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने वकील एम एल शर्मा और एन राम तथा भूषण की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सी यू सिंह की दलीलों पर गौर किया। दोनों वकीलों ने इस मुद्दे पर अपनी अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था।

जोशीमठ आपदा पर उत्तराखंड का माहौल खराब कर रही हैं माओवादी ताकतें : महेंद्र प्रसाद भट्ट

- प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन मीडिया से बोले भट्ट, विश्वविख्यात बद्रीनाथ धाम यात्रा को धरना-प्रदर्शन कर करना चाह रहीं प्रभावित
- माओवादी स्थानीय लोगों को गुमराह कर धार्मिक और सामरिक दृष्टि से जोशीमठ को पहुंचा रहें नुकसान
- आपदा प्रभावितों के विस्थापन और पुनर्वास को लेकर राज्य सरकार है गंभीर, श्रेष्ठ राज्य है बनाना

ऋषिकेश, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सीमावर्ती जोशीमठ क्षेत्र में आई आपदा को प्रदेश में सक्रिय देश विरोधी माओवादी जैसे संगठन मुद्दा बनाकर हमारी विश्वविख्यात बद्रीनाथ धाम यात्रा को प्रभावित करने का कार्य कर रहे हैं लेकिन सरकार जोशीमठ आपदा के मुद्दे को लेकर पूरी तरह से गंभीर है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि आपदा प्रभावितों के विस्थापन और पुनर्वास को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। मगर, विकास विरोधी सोच रखने वाले लोग स्थानीय नागरिकों को गुमराह कर जोशीमठ के पर्यटन और तीर्थाटन को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह आरोप माओवादी संगठनों पर प्रदेश कार्यसमिति के प्रथम सत्र के पश्चात मीडिया से बातचीत में लगाए। भट्ट ने प्रथम सत्र में हुई चर्चा और आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के मुताबिक उत्तराखंड को देश का आदर्श राज्य स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे कार्यों को लेकर सरकार का आभार व्यक्त किया गया।

मकसद देश के उदार और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के हमले का सामना कर पड़ रहा है...

भारत जोड़ो यात्रा का मकसद भारत के उदार, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बचाना : राहुल गांधी

श्रीनगर, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि उनकी भारत जोड़ो यात्रा का मकसद भारत के उदार और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बचाना है। उन्होंने दावा किया कि देश के उदार और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के हमले का सामना कर पड़ रहा है। उन्होंने 136 दिन लंबी अपनी यात्रा के समापन पर यहां एक रैली में कहा, मैंने यह यात्रा अपने लिए या कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि देश के लोगों के लिए की है। हमारा मकसद उस विचारधारा के खिलाफ खड़ा होना है जो इस देश की नींव को ही नष्ट करना चाहती है। उनकी यह रैली शहर में भारी हिमपात के बावजूद आयोजित की गई। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस हिंसा भड़का कर देश के उदार एवं धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने उन पलों को याद किया जब उन्हें फोन पर उनकी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी की हत्या की

सूचना मिली थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हिंसा भड़काने वाले कभी भी उस दर्द को नहीं समझ पाएंगे।

उन्होंने कहा, जो लोग हिंसा भड़काते हैं झ जैसे मोदीजी, अमित शाहजी, भाजपा और आरएसएस वे इस दर्द को कभी नहीं समझेंगे। सेना के किसी जवान का परिवार यह समझेगा, पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों का परिवार यह समझेगा, कश्मीर के लोग समझेंगे कि वह दर्द क्या होता है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद अपने प्रियजनों की मौत की खबर देने वाले फोन कॉल को समाप्त करना है चाहे वह कोई सैनिक हो, सीआरपीएफ का जवान हो या कोई कश्मीरी हो। कांग्रेस नेता ने भाजपा के शीर्ष नेताओं को उनकी तरह जम्मू-कश्मीर में यात्रा करने की चुनौती देते हुए कहा कि वे लोग कभी भी ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि वे भयभीत हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको गारंटी दे सकता हूं कि भाजपा का कोई भी नेता जम्मू-कश्मीर में इस तरह पैदल नहीं चल सकता। वे ऐसा नहीं करेंगे, इसलिए नहीं कि उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी, बल्कि इसलिए कि वे भयभीत हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें जम्मू-कश्मीर की धरती पर पैदल नहीं चलने की सलाह दी गई थी क्योंकि उन पर हमला हो सकता है।

उन्होंने कहा, मैंने इस पर विचार किया और फिर फैसला किया कि मैं अपने घर और अपने लोगों (जम्मू-कश्मीर में) के साथ चलूंगा। क्यों नहीं उन्हें (उनके दुश्मनों को) मेरी शर्ट का रंग बदलने का मौका दिया जाना चाहिए, उन्हें इसे लाल करने दें।उन्होंने कहा, कश्मीर के लोगों ने मुझे हथगोले नहीं दिए, सिर्फ प्यार भरा दिल दिया।

राहुल गांधी ने कश्मीर की हाड़ कंपा देने वाली ठंड में फेरन पहना

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कड़ाके की ठंड में टी-शर्ट पहनकर पदयात्रा करके देशभर में बहस छेड़ने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कश्मीर की हाड़ कंपा देने वाली ठंड में फेरन पहना। भारी हिमपात के बीच पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को सुबह अपनी ट्रेडमार्क सफेद रंग की टी-शर्ट पर बिना बाजू की जैकेट पहने हुए देखा गया। इसके बाद वह फेरन पहने नजर आए। फेरन पारंपरिक रूप से कश्मीरियों द्वारा पहने जाने वाला, गले से पैर तक लंबा परिधान होता है। यहां मौलाना आजाद रोड पर प्रदेश कांग्रेस समिति के मुख्यालय में एक कार्यक्रम में भाग लेने के तुरंत बाद गांधी को शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम जाते वक्त ग्रे रंग का फेरन पहने हुए देखा गया। गांधी की सफेद रंग की टी-शर्ट उस वक्त चर्चा में आयी थी जब यात्रा ने कड़ाके की ठंड में दिल्ली में प्रवेश किया था। उनके समर्थकों ने उनके संयम की तारीफ की थी जबकि विरोधियों ने आलोचना की थी। वहीं, गांधी ने कहा था कि उन्होंने मध्य प्रदेश में फटे हुए कपड़ों में ठिठुरतीतीन लड़कियों से मिलने के बाद पदयात्रा के दौरान केवल टी-शर्ट पहनने का फैसला किया। कांग्रेस नेता ने कहा था कि तभी उन्होंने फैसला कर लिया था कि वह तब तक स्वेटर नहीं पहनेंगे जब तक कि उन्हें ठिठुरन नहीं होती। बनिहाल से काजीगुंड तक राहुल गांधी के साथ पदयात्रा करने वाले जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भी ऐसी ही टी-शर्ट पहने हुए देखा गया जबकि उनके आसपास मौजूद हर व्यक्ति स्वेटर-जैकेट पहने हुए था।

जब नहीं सुनता सिस्टम और मौन होती है सरकार, तो अब युवाओं का कहना है चलो गोलू दरबार

प्रात: किरण, संवाददाता

हल्द्वानी स्थित एक निजी प्रतिष्ठान ने उत्तराखंड युवा एकता मंच द्वारा आज 31 जनवरी को प्रातः 9.00 बजे बुध पार्क से घोड़ाखाल गोल्ज्यू मन्दिर तक हो रही गोलजू न्याय यात्रा के संदर्भ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया गया कि प्रदेश में आज युवाओं,महिलाओं, दिव्यांगों,मजदूरों सहित तमाम वर्गों पर हो रहे अन्याय पर युवाओं दिव्यांगों सभी वर्गों में आक्रोश व्याप्त है । क्योंकि पौराणिक मान्यताओं में कहा गया है कि जिसका कोई न्याय नहीं करता उसका कुमाऊं के इष्ट देवता गोल्ज्यू न्याय करते हैं ,तो उत्तराखंड युवा एकता मंच द्वारा गोल्ज्यू के दरबार में पूरे प्रदेश में व्याप्त हो चुके अन्याय व दुराचार के खिलाफ न्याय की अर्जी गोलजू दरबार में लगाई जाएगी। साथ ही पत्रकारों ने जब अनुमानित संख्या के बारे में सवाल किया तो उत्तराखंड युवा एकता मंच के संयोजक पीयूष जोशी ने कहा कि ह्लकर्म युद्ध में निमंत्रण नहीं भेजे जाते और जिनका जमीर जिंदा होता है वह युद्ध में खुद चलकर आते हैंह्व उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश के विभिन्न सामाजिक राजनीतिक, गैर राजनीतिक संगठनों तथा प्रदेश की मातृशक्ति,युवा शक्ति,दिव्यांगजन सभी से खुला आवाहन किया है कि अगर आपके साथ किसी भी स्तर पर अन्याय हुआ है ।तो उस अन्याय के विरुद्ध गोल्ज्यू दरबार में अर्जी लगाने के लिए न्याय यात्रा के भागी बने ।जो लोग यात्रा के भागी नहीं बन सकते वह गोल्ज्यू दरबार के लिये अपने अर्जियां प्रातः 9:00 बजे बुधवार को पहुंचकर उत्तराखंड युवा एकता मंच के सदस्यों को दे सकते हैं । उनकी अर्जी गोल्ज्यू दरबार तक ले जाने की जिम्मेदारी मंच के संयोजक व सदस्यों की होगी। विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में धांधली व पेपर लीक के मामले आज प्रदेश में चरम पर है ,खबरें तो यह भी है कि 13 से 16 फरवरी तक आयोजित होने वाली अपर पीसीएस के प्रिलिम्स के पेपर भी लीक हुए हैं, हमारी सरकार से एक ही मांग है सभी भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच हो व जल्द सख्त नकलविरोधी कानून लाया जाए। उत्तराखंड में महिलाओं पर हो रहा अन्याय आज चरम पर है ।अंकिता भंडारी प्रकरण में वीआईपी कौन था इसका खुलासा सरकार अभी तक नहीं कर पाई ,इसके अलावा प्रदेश की महिलाएं आज भी न्याय की गुहार लगा रही है हम प्रदेश की मातृशक्ति से आह्वान करते हैं कि जब सिस्टम में उनकी सुनी नहीं जा रही तो आज हमारे साथ न्याय के देवता ह्लगोल्ज्यू दरबारह्व में अर्जी लगाने चले। स्थानीय युवाओं को रोजगार देना एक बड़ा मुद्दा था परंतु सरकार द्वारा पूर्वर्ती उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी 70% युवाओं को रोजगार देने की बात तो दूर आज प्राइवेट कंपनियों में चाहे सेंचुरी हो या अन्य कंपनियां 8000 में 8 से 10 घंटे खड़ा रखकर नौकरी कराई जाती है ।युवाओ के शोषण व अन्याय पर सरकार को रोक लगाते हुए सशक्त श्रम कानून बनाना चाहिए। प्रदेश सरकार भर्ती घोटालों पर अंकुश लगाने में असमर्थ है आज सिस्टम पैरालिसिस की ओर है जब युवाओं का भरोसा ही पूरी व्यवस्था से उठ गया है ऐसे में अंतिम न्याय की अवधि गोलजू दरबार में लगा रहे हैं ।जो आंदोलन का अंत नहीं आगाज है प्रदेश सरकार समझे की अगर चीजें सही नहीं होती तो व्यापक जनांदोलन खड़ा किया जाएगा। जोशीमठ पर सरकार का रुख कुछ खास नहीं है मैं खुद जोशीमठ में रहता वालंटियर की तरह कार्य कर चुका हूं।

वहां के स्थानीय लोगों को सरकार को न्याय देना चाहिए मैं उनकी अर्जी लेकर गोल्ज्यू दरबार जा रहा हूं। आज राज्य सरकार द्वारा भर्ती घोटालों की जांच एसटीएफ से हटाकर एसआईटी को सौंपी गई है। परंतु मेरा सवाल केवल एक है कि जब एलआईयू की निगरानी में परीक्षाएं कराती है जाने के लिए आयोग द्वारा पत्र लिखा गया था तो उस पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई और दरोगा भर्ती घोटाले सामने आने के बाद जांच करने वाली पुलिस की जब सवालों के घेरे में है। ऐसे में सीबीआई जांच कराकर युवाओं के आक्रोश को शांत क्यों नहीं करती । **सरकार को दिए युवाओं ने यह सुझावः** 1. उत्तराखंड लोक सेवा आयोग का भी अधिनस्थ चयन सेवा आयोग की तरह भंग करते हुए आयोग में स्ट्रक्चरल रिफॉर्म लाते हुए आयोग का पुनर्गठन किया जाना चाहिए ।2.सरकार को पहले एक सख्त नकल विरोधी कानून लाना चाहिए उसके बाद परीक्षा करानी चाहिए । 3.अंकिता भंडारी सहित तमाम लंबित मामलों को सीबीआई जाँच के लिए भेजना चाहिए। 4. प्रदेश में प्राइवेट कंपनियों के शोषण पर रोक लगाने हेतु श्रम कानून बनाए जाने चाहिए व पूर्वर्ती उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी 70% स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का जिओ तत्काल लागू किया जाना चाहिए। 5. जोशीमठ में प्रभावितों को तत्काल विस्थापित कर उनके पुनर्वास हेतु नई योजना लाई जानी चाहिए। **यह रहेगा यात्रा का रूट यात्रा :** हल्द्वानी बुद्ध पार्क से प्रातः 9:00 चालू होकर पदयात्रा निकालते हुए काठगोदाम तक जाएगी। जहां से अपनी-अपनी गाड़ियों में युवा भीमताल प्रस्थान करेंगे ।भीमताल में फिर मुख्य बाजार में पदयात्रा निकालकर युवाओं को एक संदेश देंगे। उसके बाद भवाली मुख्य बाजार से घोड़ाखाल तक पदयात्रा कर गोल्ज्यू दरबार में न्याय की अर्जी लगाएंगे। **इन संगठनों ने किया खुले समर्थन का ऐलान :** यात्रा में अभी तक उत्तराखंड क्रांति दल, उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी, आम आदमी पार्टी, सुराज सेवादल ,देवसेना संगठन, युवा कांग्रेस सहित तमाम राजनीतिक गैर राजनीतिक संगठनों ने अपने समर्थन का ऐलान कर दिया है। वही हल्दुचौड हल्द्वानी सहित तमाम जगह के छात्र भी इस रैली को खुला समर्थन देते नजर आ रहे हैं। उक्त न्याय यात्रा में पूरे प्रदेश के अन्याय से पीड़ित युवा जुटने की उम्मीद नजर आ रही है।

संक्षिप्त खबरें

गांधी जी के विचार विश्व के लिए

बाजपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना बरहैनी इकाई द्वारा शहीदी दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश कुमार व कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा ने संयुक्त रुप से गांधीजी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रधानाचार्य महेश कुमार ने कहा कि मोहनदास करमचंद गांधी, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सैनानियों में से एक थे। 30 जनवरी, 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की बिड़ला हाउस में हत्या कर दी गई थी। कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा ने कहा कि गांधीजी के विचार भारत के लिए ही नहीं पूरे विश्व के लिए हैं इसीलिए उन्हें पूरा विश्व याद करता है। इस मौके पर शिक्षक लीलाधर पलड़िया ने स्वयंसेवकों के साथ गांधी जी का प्रिय भजन ह्यवैष्णव जन तो---ह्न गा कर मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर 1 मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महेश कुमार कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा लीलाधर पलड़िया, मुकेश शर्मा, विशाल कुमार, अमित अग्रवाल, बी डी राजपूत, हरप्रसाद, सुनील, सोनी, अभिषेक सागर, नितिन चंद्रा, पालविंद, किरन कौर, आरती तिवारी आदि थे।

विक्रमपुर गन्ने के खेत में तेंदुआ दिखा मचा हड़कंप वन विभाग को दी सूचना

बाजपुर ।वन्नाखेड़ा विक्रमपुर में गन्ने के खेत के पास तेंदुए ने रिमझिम बारिश का आनंद लिया ।काफी देर तक गन्ने के खेत के किनारे तेंदुआ बैठा रहा उसके बाद चला गया तेंदुए को देखते ही विक्रमपुर क्षेत्र में हड़कंप मच गया और दहशत का माहौल बना हुआ है ।ग्राम विक्रमपुर राणा इंद्रपाल सिंह पिंटू राणा के फार्म हाउस के समीप तेंदुआ देखा गया है जिसकी सूचना वन्नाखेड़ा बन रहेंगे एलएस मर्तोलिया को दे दी गई है।

अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर लगभग 5 लाख की चोरी कर फरार

प्रात: किरण, संवाददाता

बाजपुर। ग्राम मुड़िया कला खेड़ा में घर के मेन गेट पर लगे था घर की छोटी खिड़की से अंदर घुसकर सीढ़ी लगाकर अज्ञात चोर घर से सोने चांदी के आभूषण एवं 2 लाख10 हजार की नकदी लगभग 5 लाख की चोरी अज्ञात चोर करके फरार हो गए। कोतवाल प्रवीण सिंह कोश्यारी ने बताया अज्ञात चोरों की तलाश में पुलिस टीम लगा दी गई है सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं शीघ्र ही चोरी की घटना से पदार्फाश किया जाएगा। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर माल बरामद करते अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है ।ग्राम मुंडिया कला खेड़ा निवासी नाजिम पुत्र रफीक ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाते हुए बताया 29 जनवरी को घर पर कोई नहीं था सब लोग दादी के दफन में गए हुए थे। जब घर आकर देखा तो सारा सामान बिखरा पड़ा था ताले टूटे पड़े थे छोटी खिड़की से घर के अंदर घुसकर सीढ़ी लगाकर चोरो जिसमें 5 तोले सोना लगभग ढाई लाख रुपए कीमत का तथा 60 तोले चांदी 2 लाख 10 हजार की नगदी सहित जमीन की रजिस्ट्री व अन्य सामान लेकर फरार हो गए।

पुलभट्टा थाना पुलिस टीम ने चार जुआरी किए गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

थानाध्यक्ष पुलभट्टा की टीम ने जुआ, सट्टा खेलने वाले लोगो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए नौली पुलिया तिराहे के पास खेती मेड्ढ कुछ लोगोड्ढ को ता-रु39या के पत्तो से जुआ खेलते धर ल्लबोचा। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पुलिस अधीक्षक नगर रूद्रपुर व क्षेत्राधिकारी सितारड्ढगज महोल्लयि के पर्वेक्षण मे थानाध्यक्ष पुलभट्टा द्वारा अपनी टीम के साथ नौली पुलिया तिराहे के पास खेतो मे छापामारी की तो मौके पर 4 लोगो को गिरफ्तार किया गया जबकि 3 व्यटि)ि नाला को पार कर भागने मेड्ढ सफल रहे।

पकडे गए आरोपियोड्ढ मेड्ढ कि-रु39यान पुत्र रतनलाल निवासी ग्राम बरा, नन्ल्लि कि-रु39योर पुत्र चन्द्रसेन निवासी ग्राम बरा, सुनील कुमार पुत्र मेवाराम निवासी ग्राम बरा व जी-रु39याान पुत्र वली अहमल्ल्ि निवासी बलीनगर सितारगड्ढज शामिल थे जबकि रामनारायम पुत्र तुलाराम निवासी ग्राम, बब्लू पुत्र नामालूम निवासी ग्राम नौली जमुना प्रसाल्ल्ि पुत्र रो-रु39यानलाल निवासी ग्राम सतुइया मौके से फरार होने मेड्ढ कामयाब हो गए।

मौके पर कुल 6 वाहन जिसमे 5 मो0 सा0 व एक स्कूटी, ता-रु39या के पत्ते व नगल्ल्ि 3600 रुपए बरामल्ल्ि किये गये।

पुलिस टीम मेड्ढ थानाध्यक्ष कमले-रु39या भट्ट, उ0नि0 कीर्ति भट्ट, हैका0 आल्ल्ि-रु39र्या कुमार, का0 महेन्द्र सिड्ढह, का0 ललित कुमार, का0 इन्द्र प्रका-रु39या, का0 हेमन्त कुमार, का0 अनिलकुमार व का फिरोज खान शामिल थे।

पकडे गए आरोपियोड्ढ के विरूद्ध मामला पड्ढजीकृत कर कार्यवाई की गई है। फोटोः-ड्ढउचय30 एचएलडीएसयूआर 111। जुआ व सट्टा खेलते पकडे गए आरोपी व पुलिस टीम।

देहरादून से आई खनन विभाग की टीम ने की कार्रवाई 18 स्टोन क्रेशर सीज

लक्ष्मण बिष्ट

किच्छा , खनन विभाग की टीम ने उधम सिंह नगर एवं नैनीताल जिलों में अवैध खनन भंडारण और परिवहन की शिकायतें मिलने पर शासन के निर्देश पर निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म एस एल पैट्रिक एवं अपर निदेशक राजपाल लेखा भूतत्व खनिकर्म विभाग देहरादून की संयुक्त अगुवाई में जनपद उधम सिंह नगर के बाजपुर काशीपुर क्षेत्र में 16 एवं जनपद नैनीताल के रामनगर तहसील के 2 स्टोन क्रेशर की जांच करने पर टीम ने पाया की इन प्लांटों के द्वारा रात्रि एवं दिन में अवैध रूप से खनिज खरीदा जा रहा था सीसीटीवी कैमरा एवं मौके की जांच करने पर इन में अनियमितता पाई गई उनकी इन कमियों को देखते हुए उक्त अट्ठारह क्रेशर ओ को सीज कर उनके ई रावन्ना पोर्टल को बंद कर दिया गया है ताकि वह खनिजों का क्रय विक्रय न किया जा सके खनन विभाग द्वारा इन सभी प्लाटों के भंडारित उप खनिज की पैमाइश भी की गई जी न क्रेशर के ऊपर कार्यवाही की गई मॉडर्न स्टोन क्रेशर गोविंद स्टोन क्रेशर कोसी मिनरल्स जय स्टोन क्रेशर मां शारदा अमृत गणपति स्टोन क्रेशर तथा छह अन्य काशी विश्वनाथ महाराजा स्टोन क्रेशर नेशनल स्टोन क्रेशर तराई स्टोन क्रेशर बीबीएसबी आनंद स्टोन क्रेशर की भी जांच की गई तथा 8 वाहनों का अवैध खनन परिवहन में प्रयोग होने पर किया गया। लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए शासन के निर्देश पर खनन विभाग की देहरादून टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई खनन विभाग के प्रवर्तन दल के स्तर से की गई इस कार्यवाही में विभाग के जिला खान अधिकारी देहरादून एस शाह माइन इंस्पेक्टर सुष्मिता पंत, जिगासा बिष्ट ,नवीन सिंह ,काजिम रजा ,अनिल मुहाल ,मयंक आर्य, राहुल रावत खनिज मुहर्रिर जयप्रकाश, विक्रम रौतेला ,सर्वेयर विनोद, सबीना नाज सहित खनन विभाग के कर्मचारी मौजूद थे अपर निदेशक भूतत्व खनिकर्म राज्पल लेगा द्वारा बताया गया की नैनीताल एवं जनपद उधम सिंह नगर में 3 दिनों में कुल 18 स्टोन क्रेशर ओ को अवैध खनन एवं भंडारण से संबंधित अनियमितता मिलने पर सीज किया गया है तथा 8 वाहनों को भी सीज किया गया है ।फोटोः-30 जनवरी । देहरादून से आई खनन विभाग की टीम।

बीएमडब्ल्यू पुराने मॉडल की तुलना में भीतर (इंटीरियर) की प्रगतिशील डिजाइन और परिष्कृत परिवेश तथा मानक उपकर-

महात्मा गाँधी जी कि पुण्यतिथि पर कांग्रेजनों ने किया नमन

प्रात: किरण, संवाददाता

किच्छा,विधायक तिलक राज बेहड के कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र में पुष्प अर्पित कर नमन किया इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली वा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि महात्मा गांधी के देश के प्रति बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश के लिए अर्पित कर दिया तथा उन्होंने देश को अहिंसा का मार्ग बताया. उन्होंने असहयोग आंदोलन, दांडी यात्रा तथा भारत छोड़ो आंदोलन चलाए, उनके प्रयासों का हमें स्वतंत्रता दिलाने में बहुत बड़ा योगदान है, सभी ने उन्हें याद किया और उनके पदचिन्हो पर चलने का प्रण लिया इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष गुड्डू तिवारी, सुनीता कश्यप, ओमप्रकाश दुआ, अशोक मित्रा, अक्षय बाबा, धर्मेंद्र सिंधी, तस्लीम रजा, नितिन शर्मा, राजू कश्यप,बाबू कोली, विक्की खान,अर्जुन कोली आदि लोग उपस्थित रहे। महत्मा गाँधी के चित्र पर पूपुष्प अर्पित करते कांग्रेस जन।

हल्द्वानी में बन रहें अवैध भवनो पर कमिश्नर दीपक रावत की कार्यवाही

प्रात: किरण, संवाददाता

हल्द्वानी। आयुक्त दीपक रावत ने लाईन नम्बर- 8 व 12 वनभूलपुरा में अवैध भवन निर्माण के ध्वस्तीकरण के मौके पर दिये निर्देश। सोमवार सायं आयुक्त दीपक रावत एवं आईजी नीलेश आनन्द भरणे ने बनभूलपुरा लाईन नम्बर 8 व 12 में अवैध रूप से बनाये जा रहे भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया। रावत ने बिना नक्शे पास कराये बनाये जा रहे दो भवनों को मौके पर ही ध्वस्तीकरण के आदेश दिये। आयुक्त ने नगर निगम तथा प्राधिकरण के अधिकारियों के स्पष्टीकरण के आदेश भी मौके पर दिये। उन्होंने कहा नगर निगम एवं प्राधिकरण के अधिकारियों की संलिप्तता पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सरकारी भूमि पर कब्जे तथा बेसमेंट से निकले खनिज की चोरी पर अवैध रूप से बन रहे भवन स्वामियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश भी दिये। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, उपजिलाधिकार मनीष कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी मनोज काण्डपाल के साथ ही विद्युत, पुलिस महकमे के अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों ने गन्ने के भुगतान को लेकर गन्ना सचिव के ऑफिस में तालाबंदी कर धरने पर बैठे

बाजपुर।भाकियू के दर्जनों आक्रोशित किसानों ने गन्ने के भुगतान को लेकर गन्ना समिति सचिव के ऑफिस मैं तालाबंदी कर धरने पर ही बैठ गए जमकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी और हंगामा किया।भाकियू किसान नेता अजीत प्रताप रंधावा ने बताया किसानों के गन्ना भुगतान भुगतान को लेकर सचिव से वार्ता की गई जिस पर अभी तक किसानों का गन्ने का भुगतान नहीं किया गया है जबकि प्रधान प्रबंधक हरवीर सिंह द्वारा कहा गया था कि किसानों का भुगतान शीघ्र ही किया जाएगा पैसा आ गया है और सभी के खाते में ट्रांसफर किया।गन्ना सचिव द्वारा किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं किया गया जिसको लेकर गन्ना समिति सचिव के कक्ष में तालाबंदी कर धरने पर बैठ गए। शुगर फैक्ट्री के प्रधान प्रबंधक हरवीर सिंह ने आकर किसानों से वार्ता कर मामले को शांत कराया किसानों को आश्वासन दिया कि सभी के खातों में पैसा ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने विकास भवन के पास ईवीएम वीवी पैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण और व्यवस्थाओं का जायजा

रूद्रपुर आज जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने विकास भवन के पास स्थापित ईवीएम वीवी पैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान सुरक्षात्मक दृष्टि से लगाए गए अग्निशमन यंत्रो, अलार्म व सीसी टीवी कैमरों को भी चैक किया गया। उन्होने निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी को स्ट्रांग रूम की प्रकाश व्यवस्था और बढ़ाने के निर्देश दिये। जिससे कि सुरक्षा एवं निगरानी की दृष्टि से वेयर हाउस में लगे कैमरों व उपकरणों के संचालन में समस्या ना हो। उन्होने स्ट्रांग रूम में रखी मशीनों की नमी एवं सीलन से बचाव, आग से सुरक्षा हेतु की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उपजिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, नायाब तहसीलदार भरत लाल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी धीरेन्द्र चन्द्र सती, जिला कार्यालय मंत्री बीजेपी. गजेन्द्र प्रजापति, अनुसेवक हिमांशु आर्या एएसआई से श्री किशन राम, पीसी श्री पुष्कर सिंह लसपाल व एचसी अनिल कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकताओं ने गांधी जी पुण्य तिथि पर किया भावपूर्ण स्मरण

रानीखेत। कांग्रेस कार्यकताओं ने रानीखेत के गांधी पार्क में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनका भावपूर्ण स्मरण किया। स्वदेशी और स्वावलंबन के मार्ग पर चलकर देश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा देने वाले महात्मा गांधी जी की 75वीं पुण्यतिथि पर रानीखेत के गांधी चौक में कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका भावपूर्ण स्मरण किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने गांधी पार्क पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके बताए अहिंसा के मार्ग पर चलने का प्रण लिया। वक्ताओं ने कहा कि बापू के सत्य, अहिंसा और सद्भावना जैसे शाश्वत विचार आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख हीरा सिंह रावत, जिलाअध्यक्ष महेश आर्या, नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट, विश्व विजय सिंह माहरा, नगर उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, नंदन कुमार आदि रहे।

कोटाबाग में मिल सकेगी डिजिटल एक्सरे की स्विधा

कालाढूंगी। डिजिटल मशीन का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटाबाग में डिजिटल एक्सरे मशीन का शुभारंभ हो गया। अब यहां डिजिटल एक्सरे की सुविधा में जरूरतमंद लोगों को मिल सकेगी। सोमवार को कोटाबाग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इस डिजिटल एक्सरे मशीन का शुभारंभ कनिष्ठ ब्लाक प्रमुख कुलदीप तड़ियाल द्वारा किया गया।
इस दौरान प्रभारी चित्साधिकारी डा, ऐश्वर्या कांडपाल ने बताया कि क्षेत्र के मरीजों को अब डिजिटल एक्सरे की सुविधा भी मिल सकेगी। इसके लिए अब जरूरतमंदों को हल्द्वानी या अन्य शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। शुभारंभ अवसर के दौरान डा, गौरव, डा, सलीम अंसारी, डा, अंजलि, भूपेंद्र सिंह बिष्ट, राधाकांत, सुंदर, भावना, अंजू, पूनम, राजू, लक्ष्मीकांत, शशि, नीतू, तिवारी आदि मौजूद रहे।
फोटो। डिजिटल एक्सरे मशीन का शुभारंभ करते तड़ियाल।।

कालाढूंगी पुलिस ने पकड़े नशे के सौदागर

कालाढूंगी। 211 पाउच कच्ची शराब के साथ दो पकड़े कालाढूंगी पुलिस ने नशे के विरुद्ध अभियान चलाते दो शराब तस्करों को दबोच लिया। पुलिस के द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट के निर्देशन एवं थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने बिट्टू पुत्र बुद्ध सिंह निवासी केलाखेड़ा मोहली जंगल को कालाढूंगी के झलुवाझाला खाम से 103 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि मोहली जंगल केलाखेड़ा निवासी बबलू पुत्र सावन सिंह को कालाढूंगी के विजयपुर चकलुवा से 108 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत ने बताया दोनो अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कालाढूंगी में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में एएसआई जगदीश प्रसाद, कांस्टेबल अखिलेश तिवारी, स्वरुप सिंह, देशराज सिंह, राजकुमार कम्बोज, रविंद्र सिंह, अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

विफल रही कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा : भारतीय जनता पार्टी

● यात्रा के माध्यम से कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्ष के सबसे मजबूत नेता के रूप में पेश करने का प्रयास कर रही थी लेकिन इस यात्रा को विपक्षी दलों का न तो सहयोग मिला न ही समर्थन मिल पाया।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा को पूरी तरह विफल बताया है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में भारत तोड़ो की सोच रखने वाले शामिल रहे हैं। इस यात्रा को विपक्षी नेताओं का भी साथ नहीं मिला है। इस लिए यह यात्रा पूरी तरह फेल रही है।

त्रिवेदी ने कहा कि यह यात्रा पूरी तरह राजनीतिक यात्रा थी। यात्रा के माध्यम से कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्ष के सबसे मजबूत नेता के रूप में पेश करने का प्रयास कर रही थी लेकिन इस यात्रा को विपक्षी दलों का न तो सहयोग मिला न ही समर्थन मिल पाया। यात्रा के शुरूआत से ही ऐसे लोग जुड़े हैं जो भारत को टुकड़े-टुकड़े करने की बात कह चुके हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने विवादित कैथलिक पादरी जार्ज पोनैय्या से तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में मुलाकात की। ये वही पादरी थे जिन्होंने हिन्दू धर्म को अपमानित किया था। राहुल ने यात्रा के दौरान एसपी उदय कुमार से मुलाकात की जिन्होंने तमिल पृथकता का बयान दिया था। राहुल गांधी यात्रा के दौरान कन्हैया कुमार जैसे व्यक्ति को साथ लेकर चले जिन्होंने भारत के टुकड़े-टुकड़े की बात की थी।

त्रिवेदी ने कहा कि अगर राहुल गांधी आज कश्मीर में झंडा फहराने में सफल हो रहे हैं तो सिर्फ इसलिए क्योंकि देश के प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2019 में कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया था। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने देश की सेना के शौर्य पर सवाल उठाए। इससे पता चलता है कि कांग्रेस की असल सोच कैसी है। उल्लेखनीय है कि आज भारत जोड़ो यात्रा जम्मू-कश्मीर में समाप्त हुई। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने यहां झंडा फहराया और एक जनसभा को संबोधित किया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने बिक्रम मजीठिया को जमानत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में पूर्व मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पंजाब सरकार की एक अपील पर सुनवाई से सोमवार को खुद को अलग कर लिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी की पीठ ने जैसे ही पंजाब सरकार की अपील को सुनवाई शुरू की, न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि वह उच्च न्यायालय की उस पीठ का हिस्सा थे, जिसने मामले की जांच के लिए एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) गठित करने का निर्देश दिया था।

शीर्ष न्यायालय ने आदेश दिया, मामले को एक ऐसी पीठ के समक्ष रखा जाए, जिसमें हममें से एक (न्यायमूर्ति सूर्य कांत) सदस्य नहीं हों।

पंजाब सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान पेश हुए। राज्य सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के 10 अगस्त 2022 के आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मजीठिया 10 अगस्त 2022 को पटियाला जेल से बाहर आये थे। उन्होंने कहा था कि यह यकीन करने के लिए तार्किक आधार है कि वह दोषी नहीं हैं। हालांकि, उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह अवलोकन सिर्फ उनकी जमानत अर्जी पर निर्णय देने से संबंधित है। मजीठिया को मादक पदार्थ से जुड़े मामले में पटियाला जेल में पांच महीने से अधिक समय बिताने के बाद रिहा कर दिया गया था।

मजीठिया, शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के साले और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के भाई हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक गिरोह पर मादक पदार्थ रोधी एसटीएफ की 2018 की एक रिपोर्ट के आधार पर मजीठिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

प्रदूषण के खिलाफ एक्शन में केजरीवाल, पहली सुपरसाइट और मोबाइल वैन की लॉन्च

● मोबाइल वैन एक विशेष स्थान पर जाएगी और एकत्र किए गए डेटा का सुपरसाइट पर विश्लेषण किया जाएगा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार अब रियल-टाइम रियल-टाइम सोर्स अपोशर्मेंट स्टडी और सुपरसाइट की शुरूआत के साथ अधिक सटीक तरीके से प्रदूषण से जंग में सक्षम होगी। यह बात उन्होंने राउज एवेन्यू में दिल्ली की पहली सुपरसाइट और एक मोबाइल वैन का उद्घाटन करते हुए कही। आगे लॉन्च होगी मोबाइल वैन

केजरीवाल ने कहा कि वास्तविक समय स्रोत विभाजन सुपरसाइट एक घंटे के आधार पर प्रदूषण के स्रोतों का विवरण साझा करेगी। मोबाइल वैन एक विशेष स्थान पर जाएगी और एकत्र किए गए डेटा का सुपरसाइट पर विश्लेषण किया जाएगा। अभी, हम एक मोबाइल वैन लांच कर रहे हैं लेकिन जल्द ही और लांच करेंगे। पहले पुराने आंकड़ों पर रहते थे निर्भर

मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तविक समय के प्रदूषण स्रोतों के बारे में जानकारी प्राप्त करने से सरकार अधिक सटीक तरीके से समस्या से निपटने में सक्षम होगी। केजरीवाल ने कहा कि पहले सरकार को प्रदूषण के पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ता था।

संक्षिप्त खबरें

जनप्रतिनिधि की सजा पर हाईकोर्ट के रोक के बाद, लक्षद्वीप लोकसभा सीट का उपचुनाव स्थगित

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने लक्षद्वीप लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति) के निर्वाचित सदस्य मोहम्मद फैजल पडिप्पुरा को दोषी करार दिए जाने के फैसले और उनकी सजा को केरल उच्च न्यायालय द्वारा निलंबित किए जाने के मद्देनजर वहां उपचुनाव कराने का निर्णय रोक लिया है। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि केरल उच्च न्यायालय, एनार्कुलम के 25 जनवरी के फैसले को दृष्टिगत रखते हुए आयोग ने वहां उपचुनाव रोकने और उसके लिए अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया को स्थगित करने का फैसला किया है। आयोग ने 18 जनवरी को जारी प्रेस नोट में अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव के साथ केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप की एक मात्र संसदीय सीट के लिए 27 फरवरी को उपचुनाव कराने की घोषणा की थी, जिसकी मतगणना दो मार्च को करायी जानी थी।

लक्षद्वीप सीट का जनप्रतिनिधत्व कर रहे सदस्य फैजल पडिप्पुरा को कवारत्ति सत्र न्यायालय द्वारा 2017 के एक मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद वहां उपचुनाव कराने का फैसला किया गया। सत्र न्यायालय ने 11 जनवरी को फैसला सुनाया था। श्री फैजल ने उस फैसले को केरल उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने 25 जनवरी को सत्र न्यायालय के फैसले और उसके द्वारा श्री फैजल को सुनायी गयी सजा को निलंबित कर दिया था।

दयालपुर में घर में अकेले रह रही थी 88 साल की महिला, बदमाशों ने लूटपाट कर मार डाला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दयालपुर इलाके में बदमाशों ने घर में घुसकर लूटपाट के लिए एकांत रह रही 88 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी। बुजुर्ग विरोध न कर पाए, उसके लिए बदमाशों ने उनके मुंह, हाथ व पैरों को कपड़ें से बांधा हुआ था। मृतक की पहचान शांति देवी के रूप में हुई है। शुरूआती जांच में गला घुटने को मौत का कारण बताया जा रहा है। हत्या और लूट की धाराओं में केस दर्ज पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। दयालपुर थाना पुलिस ने हत्या और लूट की धारा में प्राथमिकी पंजीकृत की है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। शांति देवी करावल नगर में अपने तीन सौ गज के मकान में अकेली रहती थी। वर्ष 2018 में उनके पति ओपी शर्मा की मौत हो गई थी, वह कस्टम विभाग से सेवानिवृत्त थे।

बुजुर्ग महिला के तीन बेटे हैं। बड़े बेटे दीपक शर्मा लोक नायक अस्पताल से सेवानिवृत्त हैं और परिवार के साथ फरीदाबाद में रहते हैं। दूसरे बेटे दिनेश शर्मा परिवार के साथ मुखर्जी नगर में रहते हैं और शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हैं। सबसे छोटे बेटे नीरज अपने परिवार के साथ पुरानी दिल्ली में रहते हैं, वह सरकारी बैंक से सेवानिवृत्त हैं। ठीक से नहीं चल पाती थी बुजुर्ग उम्र अधिक होने की वजह से बुजुर्ग ठीक तरह से चल नहीं पाती थीं। बुजुर्ग ने घर के काम के लिए डेढ़ महीने पहले ही महिला सहायक रखी थी। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे पड़ोसियों ने बुजुर्ग के बेटे नीरज को फोन करके सूचना दी कि उनके घर का दरवाजा खुला हुआ है, गेट के पास फर्श पर जूतों के निशान भी हैं। बेटे ने उन्हें अंदर जाकर मां को देखने को कहा। पड़ोसी अंदर गए तो उनके होश उड़ गए, बुजुर्ग अपने कमरे में बेड पर पड़ी हुई थी। उनका मुंह, हाथ व पैर कपड़े से बंधे हुए थे। बुजुर्ग के शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। अलमारी खुली पड़ी थी, सामान बिखरा हुआ था। बुजुर्ग ने जो गहने पहने हुए थे, वह भी गायब थे। रेकी करके दिया गया है वारदात को अंजाम बुजुर्ग के बेटों का कहना है कि सभी को पता था कि उनकी मां घर में अकेली रहती है। पड़ोसी भी उनका अच्छे से ख्याल रखते थे। उन्होंने आशंका जताई कि जिसने भी वारदात को अंजाम दिया है उसने पहले घर की रेकी की है। उत्तर पूर्वी जिला के पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन ने कहा कि हत्या व लूट की धारा में प्राथमिकी पंजीकृत कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। एफएसएल की टीम ने घर से नमूने जमा किए हैं। कई टीम को मामले की जांच में लगाया गया है।

विश्व शांति और प्रगति का मार्ग एशिया से होकर गुजरता है : इन्द्रेश कुमार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हिमालय हिन्द राष्ट्र समूह, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच और स्कूल ऑफ लैंगवेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भारत और मध्य एशिया ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सम्पर्क विषय पर सोमवार से विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर में द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें भारत तथा मध्य एशियाई देशों के मध्य संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर जोर दिया गया तथा आपसी बातचीत बढ़ाने संबंधी विचार व्यक्त किये गये। सेमिनार के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सभी लोगों को आपस में मिल जुलकर वातार्लाप करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति स्थापित हो सके। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकारिणी सदस्य इंन्द्रेश कुमार ने कहा कि विश्व शांति एवं प्रगति का मार्ग एशिया से होकर गुजरता है। भारत के बिना विश्व में शांति एवं सद्भाव स्थापित नहीं किया जा सकता है। भारत ने कोरोना दौर में कई देशों को दवाइयां पहुंचा कर यह सिद्ध किया है कि हमारी वसुधैव कुटुंबकम् की संकल्पना सभी को परिवार मानकर चलने की है। उन्होंने कहा कि भारत विविधता से भरा हुआ देश है और विविधताओं को भिन्नता बताएंगे, तो विवादों को जन्म मिलेगा। उन्होंने कश्मीर को भारत का स्वर्ग तथा भारत को विश्व की जन्नत बताया। उन्होंने भारत की प्राचीन पूजा पद्धतियों के विषय में खुलकर बात की तथा उनको मध्य एशियाई पद्धतियों से जोड़ा। साथ ही सभी धर्मों के मध्य सद्भावना पर जोर दिया। उन्होंने सभी धर्मों के मानने वालों को आपस में एक दूसरे के धर्म का आदर करने तथा सद्भाव से रहने का आह्वान किया। उन्होंने अपने भाषण का अंत जय भारत, जय एशिया, जय जगत के उद्घोष के साथ किया। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के संगठन महामंत्री गोलोक बिहारी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच का ध्येय है कि 54 देश हिमालय हिंद महासागर का ही विस्तार हैं जो एशिया में स्थित हैं। इस क्षेत्र में संपूर्ण विश्व की 41 प्रतिशत आबादी रहती है तथा यह क्षेत्र संयुक्त रूप से सभी चुनौतियों का सामना कर सकता है। उन्होंने कहा कि ह्यहिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूहह्न कि स्थापना भारत की ह्यवसुधैव कुटुंबकम्ह्न की भावना का ही मूर्तरुप है। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से भारत तथा मध्य एशियाई देशों के मध्य संबंधों का विवरण प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम मंगलवार तक लगभग सात सत्रों में संचालित होगा जिसमें भारत और मध्य एशिया के बीच संबंध स्थापित करने के लिए आपस में चर्चा, संवाद द्वारा एकजुटता पर बल दिया गया। सोमवार को उद्घाटन के दौरान तजाकिस्तान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान आर्मेनिया, उज्बेकिस्तान, किर्गिसतान, कजाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मंगलवार को समापन सत्र में इन सभी देशों के राजदूत इसमें शामिल होंगे।

लोग उच्चतम न्यायालय का कीमती वक्त बर्बाद करते हैं : रीजीजू

नई दिल्ली। विधि मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को 2002 के गुजरात दंगों पर बीबीसी के एक वृत्तचित्र पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र सरकार के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह वे शीर्ष अदालत के कीमती वक्त को बर्बाद करते हैं।

रीजीजू ने वरिष्ठ पत्रकार एन राम, वकील प्रशांत भूषण और अन्य द्वारा वृत्तचित्र इंडियाः द मोदी क्वेश्चशन पर पाबंदी लगाने के केंद्र के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने पर ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इस तरह वे माननीय उच्चतम न्यायालय का कीमती वक्त बर्बाद करते हैं, जहां हजारों आम नागरिक न्याय का इंतजार कर रहे हैं और तारीखें मांग रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने वकील एम एल शर्मा और एन राम तथा भूषण की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सी यू सिंह की दलीलों पर गौर किया। दोनों वकीलों ने इस मुद्दे पर अपनी अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 21 जनवरी को ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के विवादास्पद वृत्तचित्र इंडिया : द मोदी क्वेश्चन के लिंक साझा करने वाले कई यू ट्यूब वीडियो और ट्विटर पोस्ट को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किए थे।

गोधरा ट्रेन अग्निकांडः न्यायालय ने कुछ दोषियों की जमानत याचिकाओं पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड के मामले में आजीवन कारावास की सजा पाये कुछ दोषियों की जमानत याचिकाओं पर गुजरात सरकार से सोमवार को जवाब मांगा।

गुजरात सरकार की ओर से इस मामले में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि यह केवल पथराव का मामला नहीं था, क्योंकि दोषियों ने साबरमती एक्सप्रेस की एक बोगी को बंद कर दिया था, जिससे ट्रेन में सवार कई यात्रियों की मौत हो गई।

पीठ में न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला भी थे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, कुछ दोषी कह रहे हैं कि उनका रोल सिर्फ पथराव का था। लेकिन जब आप किसी बोगी को बाहर से बंद करते हैं, उसमें आग लगाते हैं और फिर पथराव करते हैं, यह सिर्फ पथराव नहीं है।

पीठ ने मेहता से कहा, ठीक है, आप इसकी जांच करें। हम (जमानत याचिकाओं) को दो हफ्ते बाद सूचीबद्ध करेंगे।

दोषियों की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि राज्य सरकार ने कुछ दोषियों के मामलों में अपील दायर की है जिनकी मौत की सजा को गुजरात उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास में बदल दिया था।

इसके बाद अदालत ने अब्दुल रहमान धंतिया उर्फ कनकत्तो, अब्दुल सत्तार इब्राहिम गद्दी असला और अन्य की जमानत याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने 15 दिसंबर को 2002 के गोधरा ट्रेन में आग लगाने के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे फारुक को यह कहते हुए जमानत दे दी थी कि वह 17 साल से जेल में है।

सॉलिसिटर जनरल ने अपराध को सबसे जघन्य बताते हुए याचिका का विरोध किया था जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 59 लोगों की जलकर मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, दमकल गाड़ियों पर भी पत्थर फेंके गए। मेहता ने जमानत याचिकाओं के बजाय दोषियों की अपीलों पर जल्द से जल्द सुनवाई की का अनुरोध किया। कई दोषियों की सजा के खिलाफ अपील उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं। फारुक समेत कई अन्य को साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे पर पथराव करने का दोषी ठहराया गया था।

गुजरात के गोधरा में 27 फरवरी, 2002 को ट्रेन के एस-6 कोच में आग लगाए जाने से 59 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद राज्य में दंगे भड़क उठे थे। उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2017 के अपने फैसले में गोधरा ट्रेन कोच जलाने के मामले में 11 दोषियों को दी गई मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। उच्च न्यायालय 20 अन्य दोषियों को दी गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा था।

जानकारी इसे पुनरीक्षण के लिए भेजा गया है और हम कम से कम समय में अंतिम रिपोर्ट दाखिल करेंगे।

हेट स्पीच मामले में दिल्ली पुलिस की अंतिम रिपोर्ट लगभग तैयार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि 2021 में राष्ट्रीय राजधानी में एक धार्मिक सभा में दिए गए कथित घृणास्पद भाषण पर उसकी अंतिम रिपोर्ट लगभग तैयार है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस से कहा कि मामले में आरोपियों के खिलाफ उठाए गए एहतियाती कदमों के बारे में उसे सूचित करें। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. परदीवाला ने पुलिस को उठाए गए निवारक कदमों के बारे में सूचित करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने कहा कि जांच काफी हद तक पूरी हो चुकी है और अंतिम रिपोर्ट लगभग तैयार है। उन्होंने कहा, इसे पुनरीक्षण के लिए भेजा गया है और हम कम से कम समय में अंतिम रिपोर्ट दाखिल करेंगे। याचिकाकर्ता तुषार गांधी का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता शादन फरासत ने तर्क दिया कि दिल्ली पुलिस को कुछ अतिरिक्त पहलुओं को स्पष्ट करना चाहिए और पुलिस हलफनामे के अनुसार उल्लेख किया कि पुलिस ने सुदर्शन न्यूज के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक और संपादक सुरेश चव्हाणके की आवाज का नमूना एकत्र करने के लिए मार्च में तारीख तय की है। फरासत ने कहा कि इसे तेजी से किया जाना चाहिए और दूसरी बात, इन लोगों के संबंध में निवारक कदम क्या हैं? इन व्यक्तियों द्वारा इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति न हो इसके लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं? पीठ ने दिल्ली पुलिस के वकील से याचिकाकर्ता के वकील की दलील को देखने को कहा।

दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी ने एक हलफनामे में कहा कि दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता विक्रम बिधूड़ी, जो प्रतिभागियों में से एक थे, से पूछताछ की गई है, और सुदर्शन न्यूज के प्रधान संपादक सुरेश चव्हाणके से 1 नवंबर, 2022 को पूछताछ की गई। हलफनामे में कहा गया है कि कथित अभद्र भाषा वाले वीडियो की जांच की गई है और प्रतिलेख तैयार किया गया है। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, दिल्ली ने सुरेश चव्हाणके की आवाज के नमूने की रिकॉर्डिंग के लिए 17 मार्च की तारीख तय की है। इसके बाद उनकी आवाज की रिकॉर्डिंग के नमूने की यूट्यूब से डाउनलोड किए गए वीडियो/ऑडियो से तुलना की जाएगी। हलफनामे में कहा गया है, मामले की जांच निष्पक्ष और बिना किसी पक्षपात के की जा रही है। पुलिस ने यह हलफनामा शीर्ष अदालत द्वारा पारित 13 जनवरी के आदेश के अनुपालन में दायर किया, जिसमें जांच अधिकारी को 19 दिसंबर, 2021 को हुई घटना के बाद से जांच को आगे बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों को दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस ने भी जांच अधिकारी को निर्देश दिया है। पुलिस ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसने ऑडिटोरियम बुक करने वाले हिंदू युवा वाहिनी दिल्ली के प्रमुख राजीव कुमार, कार्यक्रम आयोजित करने वाले महासचिव सचिन वशिष्ठ और बैठक में शामिल होने वाले आशुतोष शर्मा से पूछताछ की और यूट्यूब पर वीडियो अपलोड किया। कुछ अन्य प्रतिभागियों, जो इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे, की पहचान की गई है और उनकी जांच की जानी बाकी है। हलफनामे में कहा गया है, एक मसौदा अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई है और इसे जांच के लिए अभियोजन शाखा को भेजा गया है। हालांकि, सरकारी वकील द्वारा कुछ बिंदु उठाए गए हैं और उन बिंदुओं पर जांच की जा रही है। 13 जनवरी को, सुप्रीम कोर्ट ने पांच महीने के अंतराल के बाद दिसंबर 2021 में गोविंदपुरी में धर्म संसद में किए गए कथित घृणास्पद भाषणों पर प्राथमिकी दर्ज करने और आज तक गिरफ्तारी या चार्जशीट दाखिल नहीं करने के लिए दिल्ली पुलिस की खिंचाई की थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के अपने समकक्ष पार्क जिन के साथ बातचीत की तथा द्विपक्षीय संबंधों एवं जी20 के भारत की अध्यक्षता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। जिन मार्च की शुरूआत में भारत आ सकते हैं जहां वे जी20 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे।

जयशंकर ने ट्वीट किया, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन से टेलीफोन पर बात हुई। हमने द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के राजनयिक संबंध स्थापित होने की 50वीं वर्षगांठ के विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हम जी20 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में उनका (पार्क जिन) का स्वागत करने को आशान्वित हैं। गौरतलब है कि भारत, जी20 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी मार्च के पहले सप्ताह में कर सकता है जिसमें यूक्रेन संघर्ष सहित ज्वलंत वैश्विक चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की जा सकती है। समझा जाता है कि भारत जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक 1 और 2 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

मुर्मू करेंगी राष्ट्रीय महिला आयोग के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार राष्ट्रीय महिला आयोग के 31वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करेंगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग अपने स्थापना दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम का विषय ह्यसशक्त नारी सशक्त भारतह्न है। इसका उद्देश्य उन महिलाओं की सफलता का सम्मान करना है, जिन्होंने अपनी जीवन-यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त की और अमिट छाप छोड़ी है। इस अवसर पर केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी और राज्यमंत्री डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई भी उपस्थित होंगे। समारोह में राष्ट्रीय महिला आयोग, राज्य महिला आयोगों, दूतावासों, विधि समुदाय के दिग्गज, महिला और बाल विकास विभागों के अधिकारी, विधायक, विश्वविद्यालयों-कॉलेजों की फैकल्टी और छात्र, पुलिस विभाग, सेना और अर्ध सैन्य बलों के अधिकारी, राष्ट्रीय और राज्य विधिक सेवाओं के अधिकारी, राष्ट्रीय महिला आयोग की सलाहकार समिति के सदस्य, आयोग के पूर्व-अध्यक्ष और सदस्य तथा गैर-सरकारी संगठन शामिल होंगे। समारोह के दूसरे दिन, उन विशिष्ट महिलाओं के साथ एक समूह चर्चा आयोजित की जाएगी, जिन्होंने अनेक लोगों को प्रेरणा और सशक्तीकरण का मार्ग दिखाया है।

उत्तर रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 21.02.2023 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता / सम्पदा-1 के अन्तर्गत, वरिष्ठ खण्ड अभियंता / पहाडगंज के कार्य क्षेत्र में करनैल सिंह स्टेडियम में स्विमिंग पूल मे सुधार कार्य हेतु।	21187728.20	255900.00	03 महीने
बि	सहायक मंडल अभियंता / सम्पदा-1 के कार्य क्षेत्र में डीआरएम कार्यालय डी,ए,ओ भवन, आरटीएस, आई.आर.सी.ए और एम.आर कार्यालय मे वाणिज्यिक आर.ओ.के तीन वर्षो के लिए 1000 लीटर / घण्टा की क्षमता वाले आर.ओ.के वार्षिक रखरखाव अनुबन्ध एवं क्लोरीनेटरस/ बैक्टीरियोलॉजिकल उपचार संयंत्रो के लिए वार्षि रखरखाव अनुबंध हेतु।	11999997.75	210000.00	36 महीने

1. निविदा दिनांक 21.02.2023 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्या:128-डब्लयू/269/निविदा सूचना/22-23/डब्लयू-ई/टेंडर नं.:39(ए, बी)

दिनांक 30.01.2023

306/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 31 जनवरी, 2023

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली : बुजुर्ग महिला की लाश मिली, घर में हुई लूट

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम दिल्ली में एक वृद्ध महिला रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार की है। करावल नगर एक्सटेंशन निवासी पीड़िता शांति देवी (88) के घर में लूट भी हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, रविवार को सुबह करीब नौ बजे दयालपुर थाने में सूचना मिली कि करावल नगर एक्सटेंशन में रहने वाली एक महिला कोई जवाब नहीं दे रही है। अधिकारी ने कहा, कॉल पर कार्रवाई करते हुए, स्टेशन हाउस अधिकारी एक पुलिस दल के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। शांति देवी अपने बिस्तर पर मृत पाई गईं। घर का सामान इधर-उधर पड़ा था। अधिकारी ने कहा, अपराध और एफएसएल टीमों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। शव को जीटीबी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 392 (डकैती) और 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि कई टीमों का गठन किया गया है और वे अपराधियों की पहचान करने और अपराध क्रम का पता लगाने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रहे हैं। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग महिला के तीन बेटे हैं और वह यहां घर में अकेली रह रही थी।

समलैंगिक विवाहों को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में किया स्थानांतरित

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को विशेष विवाह अधिनियम, हिंदू विवाह अधिनियम और विदेशी विवाह के तहत अपने विवाह को मान्यता देने की मांग करने वाले कई समलैंगिक जोड़ों की आठ याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया। 6 जनवरी को, शीर्ष अदालत ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता प्रदान करने के संबंध में सभी याचिकाओं को क्लब और अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। इसने कहा था, चूंकि याचिकाओं के कई बैच दिल्ली, केरल और गुजरात उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित हैं, इनमें एक ही प्रश्न शामिल है, हमारा विचार है कि उन्हें इस न्यायालय द्वारा स्थानांतरित और तय किया जाना चाहिए। हम निर्देश देते हैं कि सभी रिट याचिकाएं इस कोर्ट को स्थानांतरित हो जाएंगी। प्रधान न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की खंडपीठ ने सोमवार को अपने आदेश में कहा, इस अदालत की राय है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में सभी मामले उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित किए जाते हैं। कार्यालय रिकॉर्ड को तुरंत स्थानांतरित करने का निर्देश दिया जाता है। याचिकाएं अब 13 मार्च को सुनवाई के लिए शीर्ष अदालत के समक्ष सूचीबद्ध हैं। मामले में याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता अरुंधति काटजू पेश हुईं। अभिजीत अय्यर मित्रा ने हिंदू विवाह अधिनियम के तहत एलजबीटीक्यूआईए जोड़ों के बीच विवाह के पंजीकरण का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय से स्थानांतरित की गई याचिकाओं में से एक याचिका प्रस्तुत की। उन्होंने दावा किया है कि अधिनियम ऐसे शब्दों का उपयोग करता है जो लिंग-तटस्थ हैं और समान-लिंग विवाहों को प्रतिबंधित नहीं करते हैं।

केजरीवाल ने किया कमाल, अब प्रदूषण के स्रोतों की रियल टाइम पहचान होगी, ऐसा करने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य बना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में अब एक निश्चित समय पर प्रदूषण के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। दिल्ली में आज से रियल टाइम आधार पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करने की शुरूआत हो गई है। ऐसा करने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य बन गया है। एसबीवी राउज एवेन्यू स्कूल में सीएम अरविंद केजरीवाल ने रियल टाइम बेसिस पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान के लिए सुपर-साइट और मोबाइल एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन का शुभारंभ किया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब हमें रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी से हर घंटे पता चलेगा कि कहां, किस वजह से प्रदूषण है और अगले 3 दिन का घंटे के आधार पर फोरकास्ट भी पता चलेगा। इससे हमें किसी एरिया में वाहन, इंडस्ट्री और बायोमास बर्निंग की वजह से होने वाले प्रदूषण का पता चलेगा और उससे लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि रियल टाइम पर प्रदूषण के विश्लेषण से पता चलता है कि दिल्ली में बाहर का प्रदूषण एक तिहाई है, जबकि बायोमास का एक चौथाई और वाहनों का 17-18 फीसद है। हमने दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए ईवी पॉलिसी लांच की, हजारों नई ईलेक्ट्रिक बसें खरीदी और ट्री कवर बढ़ाकर 23.6 फीसद करने के साथ रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ कैंपेन चलाया। इन प्रयासों की वजह से पिछले 5 साल की तुलना में इस साल दिल्ली में प्रदूषण सबसे कम रहा। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, पर्यावरण सलाहकार रीना गुप्ता और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रदूषण को कम करने के लिए हमने हजारों ई-बसें खरीदीं और उम्मीद है कि 2025 तक दिल्ली में 80 फीसद बसें इलेक्ट्रिक होंगी- अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज ह्ययुद्ध, प्रदूषण के विरुद्धह्न के तहत रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी के सुपरसाइट और एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग के लिए मोबाइल स्टेशन की शुरूआत की। एसबीवी राउज एवेन्यू स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने फीटा काटकर इसे हरी झंडी दिखाई। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार प्रदूषण को लेकर बहुत ज्यादा गंभीर है। जब से दिल्ली में ह्यह्यआपह्नह्न की सरकार बनी है, प्रदूषण खत्म करने के लिए कई सारे प्रयास किए गए हैं। मसलन, दिल्ली इलेक्ट्रिक पॉलिसी बनाई गई। आज पूरे देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन दिल्ली में हैं और हम अपने निर्धारित लक्ष्य को भी पार कर गए हैं। दिल्ली के अंदर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए मेट्रो चल ही रही है। पहले दिल्ली में बसों की कमी थी, लेकिन अब बसों की पूरी करते जा रहे हैं। पिछले एक-डेढ़ साल के अंदर हमनें कई हजार बसें खरीदी हैं और आने वाले समय में कई हजार और बसें खरीदी जाएंगी। उम्मीद है कि 2025 करीब 11 हजार बसें हो जाएंगी। इसमें से करीब 80 फीसद बसें इलेक्ट्रिक होंगी। इसके अलावा, ट्री ट्रांसप्लांटेशन पॉलिसी लागू की गई और बड़े स्तर पर पेड़ों को लगाया गया। जिसकी वजह से आज दिल्ली का ट्री कवर बढ़कर 23.6 फीसद हो गया है। दिल्ली का ट्री कवर घटने के बजाय बढ़ रहा है। पूरे देश के अंदर अन्य शहरों में देखने में आया है कि जैसे-जैसे विकास होता है, पेड़ काटे जाते हैं और ट्री कवर घटता है। दिल्ली के अंदर के विकास होने के साथ-साथ ट्री कवर घटने के बजाय बढ़ रहा है और आज 23.6 फीसद है। दिल्ली में वन क्षेत्र राष्ट्रीय औसत 20 फीसद से ज्यादा है। सड़कों व फुटपाथ की मैकेनाइज्ड स्वीपिंग की जाएगी और सड़कों को धोया जाएगा, इससे प्रदूषण बहुत कम होगा- अरविंद केजरीवाल सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब भी जरूरत पड़ती है, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान को तत्काल लागू किया जाता है। साल दर साल देखने में आया है कि प्रदूषण के सीवियर वाले दिन इस साल घट गया है। नवंबर के पीक महीने में प्रदूषण केवल तीन दिन सीवर में था। जो पिछले कई साल से काफी कम है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार ने रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ समेत कई सारे अभियान भी चलाया है। इन सारे प्रयासों का असर यह है कि 2022 में दिल्ली का वार्षिक औसत प्रदूषण 2018 के बाद से पिछले 5 वर्षों में सबसे कम रहा है। अभी तक जो प्रयास किए गए हैं, वो सारे बहुत अच्छे हैं, लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले मैंने एलान किया था कि दिल्ली की सड़कों व फुटपाथ की रोज मैकेनाइज्ड स्वीपिंग की जाएगी, सड़कों को रोज धोया जाएगा। इससे प्रदूषण बहुत कम होगा। झाड़ू लगाने के दौरान दिल्ली की सड़कों के उपर से मिट्टी उड़ती है। सड़क पर मिट्टी होने के दौरान जब वाहन चलते हैं, तब भी मिट्टी उड़ती है। अगर हम उस मिट्टी को साफ कर देंगे, तो इससे प्रदूषण पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा।

जब तक हम प्रदूषण के स्रोतों को रियल टाइम के आधार पर गणना कर विश्लेशण नहीं करेंगे, तब तक कोई भी पॉलिसी सही नहीं होगी- अरविंद केजरीवाल सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी तक जब भी प्रदूषण को गणनात्मक विश्लेषण करने की बात करते थे, तो विभिन्न स्टडी के बारे में बताया जाता था। जैसे, 2014 में जून के महीने में कोई स्टडी की गई। 30 दिनों तक अलग-अलग जगहों से सैंपल लिए गए। कोई सैंपल सुबह, तो कोई दोपहर या शाम को लिया गया। सारे सैंपल को मिलाकर एक स्टडी की गई और उस स्टडी के आधार पर सरकार की सारी पॉलिसी अभी तक बनी, जो बिल्कुल गलत है। हमने देखा कि कैसे एक-एक घंटे पर प्रदूषण के घटक बदल रहे हैं।

स्टडी से मिले डेटा का विश्लेषण कर प्रदूषण के सोर्स को किया जाएगा चिंहित

इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल के समक्ष आईटी टीम ने एक प्रजेंटेशन के जरिए रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट के सुपरसाइट और मोबाइल स्टेशन के कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने बताया कि पहले किसी स्थान पर प्रदूषण के स्रोत का पता लगाने के लिए हम सैंपल लेकर विश्लेषण करते थे। विश्लेषण में दो से चार महीने का समय लग जाता था। लेकिन अब सुपर साइट की मदद से हम हर घंटे पता लगा सकेंगे कि सांस लेने के स्तर पर पीएम-2.5 में कौन से स्रोत का कितना योगदान है। इसमें फोरकॉस्टिंग को बहुत मजबूत किया गया है। इसकी मदद से प्रदूषण को कम करने को लेकर निर्णय ले सकेंगे कि अगले तीन दिन के अंदर क्या किया जा सकता है? इसका मेजरमेंट लेने के बाद एक्शन लिया जा सकेगा। यह बताया जा सकता है कि शार्ट टर्म और लांग टर्म में क्या एक्शन लिया जा सकता है। इसकी विशेषताओं में एक सुपरसाइट है। इसमें कई तरह की मशीनें लगी हैं। जिनकी मदद से यह जान सकते हैं कि हर घंटे में क्या हो रहा है। एक मोबाइल लैब है जो हर घंटे अपोर्शनमेंट करेगी। साथ ही मोबाइल लैब को कहीं पर भी लेकर जा सकते हैं और वहां के प्रदूषण की वास्तविक स्थिति को देख सकते हैं। इसके लिए एक वेबसाइट है, जहां पर सारा डेटा एकत्र होगा। उस डेटा का विश्लेशण किया जाएगा और प्रदूषण के सोर्स को चिंहित किया जाएगा।

भारी यातायात के कारण मध्य दिल्ली में जाम की स्थिति

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी के पूर्वी हिस्सों और नोएडा से मध्य दिल्ली की ओर जाने वाले यात्रियों को सोमवार को राजघाट की ओर तथा उसके बाहर अति विशिष्ट लोगों (वीआईपी) की आवाजाही के कारण भारी यातायात जाम का सामना करना पड़ा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट में राष्ट्रपिता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। पुलिस के मुताबिक, आईटीओ, प्रगति मैदान और बारापुला से आने-जाने वालों को भारी यातायात का सामना करना पड़ेगा क्योंकि ये रास्ते पूरी तरह से बंद हैं। दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्विटर पर यात्रियों को परामर्श जारी कर इन मार्गों पर कुछ हिस्सों से बचने को कहा। इसने ट्वीट किया, राजघाट के पास विकास मार्ग, रिंग रोड पर विशेष यातायात व्यवस्था के कारण भारी यातायात है। कृपया इन मार्गों पर यात्रा करने से बचें। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी राजघाट पर महात्मा को श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली : आपस में टकराए चार स्कूली वाहन, 29 घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम के पास सोमवार सुबह चार स्कूली बसों समेत कई वाहनों की आपस में टक्कर हो जाने से 25 बच्चों सहित करीब 29 लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सलीमगढ़ फ्लाईओवर पर एक दुर्घटना के संबंध में एक पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल आईपी एस्टेट पुलिस स्टेशन में सुबह 10.57 बजे प्राप्त हुई, जिसके बाद पुलिस दल मौके पर पहुंचे। मौके पर चार बस, एक ऑटो, एक कार व एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला है कि सभी चार बसों में 216 स्कूली छात्र सवार थे। इस दुर्घटना में लगभग 25 छात्र और तीन स्कूल कर्मचारी और एक व्यक्ति घायल हो गए। अधिकारी ने कहा, पीसीआर वैन ने सभी घायलों को एलएनजेपी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। घायलों का एलएनजेपी अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मध्य दिल्ली की पुलिस उपायुक्त श्वेता चौहान ने बताया कि पुलिस को दिन में करीब 11 बजे दुर्घटना की जानकारी मिली। टीम जब मौके पर पहुंची तो उसने देखा कि चार बसें, एक ऑटोरिक्शा, एक कार और एक बाइक की आपस में टक्कर हो गई है। चौहान ने बताया कि चार बसों में 216 स्कूली बच्चे सवार थे और दुर्घटना में करीब 25 छात्रों, स्कूल के तीन कर्मचारियों और एक अन्य व्यक्ति को चोट आयी है। पुलिस ने बताया कि घायलों का इलाज एलएनजेपी अस्पताल में चल रहा है, और इस संबंध में आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ओएलएक्स पर लोगों से ठगी करने वाले छात्र को दिल्ली पुलिस ने मथुरा से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की एक टीम ने मथुरा से बीकॉम के एक छात्र को कम कीमत पर ब्रांड न्यू प्रीमियम स्मार्टफोन मुहैया कराने के नाम पर ओएलएक्स पर लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान बृजमोहन उपाध्याय के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर), सागर सिंह कलसी ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र ने साइबर अपराध पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, इसमें आरोप लगाया गया था कि उसके साथ 12,250 रुपये की ठगी की गई है। डीसीपी ने बताया, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसने 14,000 रुपये में वन प्लस स्मार्टफोन की बिक्री के संबंध में ओएलएक्स पर एक विज्ञापन देखा। उसने 12,250 रुपये अग्रिम भुगतान के रूप में भेजे और बाकी डिलीवरी के समय दिया जाना था। लेकिन आरोपी ने अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया। कॉल डिटेल और पैसे के लेन-देन के तकनीकी विश्लेषण के बाद पता चला कि आरोपी मथुरा से कारोबार कर रहा था। डीसीपी ने कहा, ओएलएक्स खाते के विवरण ने उपयोगकर्ता की पहचान बृजमोहन के रूप में की और उसका स्थान वृंदावन में था। पुलिस टीम ने स्थान पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह बीकॉम कर रहा है और वृंदावन में एक दुकान पर काम भी करता है। हाल ही में उसने ऋण पर एक बाइक खरीदी थी, लेकिन वह पिछले तीन महीनों से किश्तों का भुगतान करने में असमर्थ था। भुगतान करने का कोई अन्य तरीका खोजने में असमर्थ होने पर, उसे ओएलएक्स पर लोगों को ठगने का विचार आया और उसने एक विज्ञापन जारी किया। फिर उसने शिकायतकर्ता से अग्रिम भुगतान के रूप में पैसे लिए और मथुरा स्टेशन पर फोन देने का वादा किया। फिर उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। आगे की जांच चल रही है।

वेतन भुगतान में देरी पर निकाय आयुक्त और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तलब

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) कर्मियों और पेंशनभोगियों को वेतन का भुगतान नहीं होने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुये मामले में निगम आयुक्त एवं दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने एमसीडी आयुक्त और दिल्ली सरकार के वित्त एवं शहरी विभागों के सचिवों को व्यक्तिगत रूप से दो फरवरी को पेश होने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एमसीडी के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान अदालत में अधिकारियों द्वारा भरोसा दिए जाने के बाद भी नहीं हो रहा है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि पेंशनभोगियों को पेंशन नहीं मिल पा रही है और वे जीविका चलाने के लिए मोहताज हो रहे हैं। पीठ ने कहा, अदालत के पास एमसीडी के आयुक्त और दिल्ली सरकार के वित्त और शहरी विकास विभाग के सचिवों को व्यक्तिगत रूप से बुलाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अदालत ने टिप्पणी की कि अधिकारियों ने इन गरीब लोगों के वेतन का भुगतान नहीं किया। याचिकाकर्ता शिक्षकों की ओर से पेश अधिवक्ता अशोक अग्रवाल और उत्कर्ष कुमार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उन्हें दो से तीन महीने तक का वेतन नहीं दिया गया है और निगम द्वारा इस मुद्दे पर निष्क्रियता उनके जीविकोपार्जन के मूलभूत अधिकार का उल्लंघन है।

लक्षद्वीप की लोकसभा सीट पर नहीं होगा उपचुनाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने लक्षद्वीप लोकसभा सीट पर उपचुनाव को टाल दिया है। आयोग ने 18 जनवरी को यहां उपचुनाव की घोषणा की थी। इस सीट से सांसद मोहम्मद फैजल को सत्र न्यायालय ने एक मामले में दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। सजा के चलते उन्हें अरोग्य ठहराया गया था और उनकी सीट रिक्त हुई थी। 25 जनवरी को केरल हाईकोर्ट ने उन्हें इस मामले में उनकी दोषसिद्धि और सजा को स्थगित कर दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार इस मामले पर विचार करने के बाद और केरल उच्च न्यायालय के पारित आदेश को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने उपचुनाव को रोकने का फैसला किया है।

प्रमुख संस्थानों में अध्यक्ष न होने पर खड़गे का सरकार पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने देश के 50 महत्वपूर्ण संस्थानों में अध्यक्ष के पद खाली होने को लेकर मोदी सरकार पर आज कड़ा हमला किया और कहा कि विश्व स्तर की शिक्षा व्यवस्था कायम करने की बात करते हैं लेकिन बुनियादी बात पर ध्यान नहीं देते हैं। श्री खड़गे ने ट्वीट किया ह्लराष्ट्रीय महत्व के 50 संस्थान बिना अध्यक्ष के हैं। आपकी सरकार के सत्ता में आने के साल से 10 पद खाली हैं। कई संस्थानों ने सरकार को लिखा है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आप ह्यविश्व स्तरीय भविष्यवादी शिक्षाह्न के बारे में बोलते हैं लेकिन ह्यमूल बातेंह्न भूल जाते हैं।ह्न इसके साथ ही उन्होंने एक चार्ट भी दिया है जिसमें बिना पूर्णकालिक अध्यक्ष वाले संस्थानों का विवरण देते हुए कहा है कि देश के सात आईआईटी, 22 एनआईटी तथा 20 आईआईआईटी में पूर्ण कालिक अध्यक्ष नहीं हैं।

अस्मा अर्शी को शांति के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि

नई दिल्ली। महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और शिक्षाविद् अस्मा अर्शी को महिलाओं और बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए उनकी और उनके अन अन्सार वेल्फेयर ट्रस्ट की सेवाओं के लिए अमेरिका के जार्ज वॉशिंगटन शांति विश्वविद्यालय ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। सुश्री अर्शी को यह उपाधि सप्ताहांत में यहां संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के वैश्विक नेतृत्व सम्मेलन जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी फॉर पीस ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। सुश्री अर्शी को सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में यह मानद उपाधि दी गयी है। इस अवसर पर श्रीलंका के शांति अध्ययन केंद्र ने सुश्री अर्शी को शांति दूत पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। सुश्री अर्शी गरीब महिला, लड़कियों और बच्चों के कल्याण के लिए काम करती है। वह शिक्षा पर जोर देती हैं और बाल अधिकार, बाल संरक्षण, महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में काम करती हैं।

डॉ. हंसराज सुमन ने आप पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. हंसराज सुमन ने सोमवार को शिक्षक संगठन से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक व केबिनेट मंत्री श्री गोपाल राय को भेज दिया है। श्री गोपाल राय को भेजे गए इस्तीफे में उन्होंने लिखा है कि आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन - दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (दिल्ली विश्वविद्यालय) में बतौर अध्यक्ष पद पर था। इस संगठन में मैंने लगभग ढाई साल से अधिक समय तक अपनी सेवाएँ दी हैं और संगठन का विस्तार करते हुए तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संस्था विद्वत परिषद में दो सदस्यों को सभी पदासीन शिक्षकों के सहयोग से जीताकर लाया था। इससे विश्वविद्यालय में संगठन की साख बनी और डीटीए के द्वारा किए गए कार्यों की शिक्षकों ने सराहना की। संगठन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यक्रम किये गए , कार्यक्रम के बाद संगठन से बहुत से शिक्षक जुड़े। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा है कि डीटीए संगठन भले ही छोटा था लेकिन शिक्षकों के बीच रहकर उनके मुद्दों को उठाना व उनकी समस्याओं का समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता थीं। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, इसी बीच एक शिक्षक संगठन के लोगों ने आम आदमी पार्टी को ज्वाइन किया और उसके कुछ समय बाद आपके नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर नया शिक्षक संगठन बना। इस नये संगठन में बहुत से शिक्षकों को शामिल किया गया हमारे संगठन से दो शिक्षक लिए गए, यहाँ पर भी बतौर डीटीए अध्यक्ष मुझसे न तो सलाह ली गई न ही मुझसे कुछ पूछा गया। इस संदर्भ में जब मैंने आपसे बात की तो आपने दिल्ली प्रदेश का नेतृत्व देने को कहा इसको भी छह महीने व्यतीत हो गए और अभी तक निर्णय नहीं लिया गया। संगठन द्वारा निर्णय न लिए जाने के कारण ही अपने पद और सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूँ।

डॉ. सुमन ने अपना इस्तीफा दिया जाने के विषय में यह भी बताया है कि डीटीए समाप्त होने के बाद भी मैं बिना किसी संगठन के कार्य करता रहा लेकिन शामिल हुए शिक्षक सदस्यों द्वारा विद्वत परिषद व कार्यकारी परिषद (एसी/ईसी) के उम्मीदवारों के चयन में मुझसे कोई संपर्क नहीं किया और न ही किसी बैठक व कार्यक्रम में बुलाया गया। एसी/ईसी चुनाव के संदर्भ में मैंने कुछ मुद्दों को शिक्षकों के सामने रखने को कहा था मगर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों के कारण विश्वविद्यालय के शिक्षक उन्हें जानते है और उनके लिए सदैव खड़े रहे है। ये मुद्दे दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय रोस्टर और आरक्षण से संबंधित थे, जैसे - डीयू में एससी/एसटी का बैकलॉग व शॉर्टफाल पूरा कराने, प्रोफेसर काले कमेटी की रिपोर्ट लागू कराने, शिक्षकों के पदों पर डीओपीटी के निदेर्शानुसार (2 -7 -1997) रोस्टर तैयार कर पदों को भरने के लिए डीयू पर दबाव बनाने, ईडब्ल्यूएस आरक्षण जनवरी 2019 से लागू करने, दिल्ली सरकार के कॉलेजों में प्रिंसिपल के पदों पर आरक्षण लागू करवाने, पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों के शिक्षकों व कर्मचारियों को समय पर सैलरी दिलाने, उनका बकाया एरियर दिलाने , दिल्ली सरकार के कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी में सभी वर्गो को प्रतिनिधित्व देने इत्यादि मुद्दों पर बात की, परन्तु इन मुद्दों की उपेक्षा करने के साथ-साथ मेरी कोई बात नहीं मानी गई। उन्होंने यह भी बताया कि बैठकों में मुझे बुलाया नहीं जाता था

मेहनत और ईमानदारी से काम करने वाले कार्यकताओं की काम से होगी पहचान : डॉ. संदीप पाठक

देश को अच्छी राजनीति केजरीवाल की देन : डॉ. संदीप पाठक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि हमें अरविंद केजरीवाल की अच्छी और सच्चाई की राजनीति को एक-एक घर और एक एक व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा आज से शुरू हो रही है और शपथ लेने के बाद ही खत्म होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संगठन का पुनर्निर्माण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी भाई-भतीजावाद नहीं होगा। जो काम करेगा और मेहनत करेगा, उसका काम अपने आप सामने आएगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं को कहा कि चुनाव लड़ने के लिए नहीं बल्कि जीतने के लिए लड़ा जाएगा। जितनी ताकत गुजरात ओर पंजाब में लड़ने के लिए लगाई थी, उससे 10 गुना शक्ति हरियाणा के चुनाव में लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी हरियाणा का हर चुनाव पूरे दमखम से लड़ेगी और आने वाले निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी मजबूती के साथ उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कार्यकताओं को कहा कि हर कार्यकर्ता को मैपिंग करनी है, हर एक व्यक्ति को जोड़ना है जो अरविंद केजरीवाल की विचारधारा को पसंद करते हैं। सभी को गांव, गली मोहल्ले में जाकर हर उस व्यक्ति को पहचानना है, वहां अपना पार्टी का झंडा लगा कर आना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में चारों तरफ झाड़ू ओर आम आदमी पार्टी के झंडों दिखाई देने चाहिए। प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने की दिशा के काम जारी है। जल्द ही संगठन में पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी आने वाले हर चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़े करेगी और 2024 के विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज कर आम आदमी पार्टी सरकार बनाएगी। डॉ. सुशील गुप्ता ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों के बीच से नए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। जनता ने मन बना लिया है, अब हमें जनता तक आम आदमी पार्टी की योजनाएं को पहुंचाना है। वहीं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि अगर देश के लिए काम करना है तो निस्वार्थ भाव से काम करना पड़ेगा, स्वयं को देश के लिए न्यौछावर करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमसे पहली जेनरेशन ने किताबों में पढ़ा कि भारत एक विकाशील देश है, विकसित बनेगा। हमने भी यही पढ़ा, और अब हमारे बच्चे भी यही पढ़ रहे हैं कि भारत एक विकसित देश बनेगा। उन्होंने कहा कि केवल अरविंद केजरीवाल की विचारधारा ही देश को विकसित बना सकती है। जब देश के एक एक बच्चे को बेहतर और फ्री शिक्षा, फ्री चिकित्सा सुविधा और जनता को मूलभूत सुविधाएं फ्री में मिलनी शुरू हो जाएंगे, तो देश विकसित हो जायेगा। वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने मात्र 6 माह की मेहनत से गुजरात चुनावों में 41 लाख वोट हासिल किए और राष्ट्रीय पार्टी बनी। हरियाणा में अभी डेढ़ साल बाकी है, जीतोड़ मेहनत करेंगे और जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली में फ्री मूलभूत सुविधाएं दीं, पंजाब में दे रहे हैं, अब बारी हरियाणा की है। दिल्ली में 2014 से आम आदमी पार्टी की सरकार है।

हर बच्चें को शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर, स्कूलों की हालत देखने का वक्त नहीं

गाजियाबाद, संवाददाता

- बच्चों को मीड डे के तहत भोजन न दिए जाने पर अभिभावकों का हंगामा
- नगर क्षेत्र के 22 स्कूल ऐसे जो मात्र एक एक टीचर के भरोसे
- सरकारी स्कूल बंद करने की हो रही है साजिशः जाकिर सैफी

जहां प्रदेश सरकार के द्वारा हर वर्ग के बच्चे को शिक्षित करने पर जोर दे रही है। इसके लिए हर साल स्कूल चलों अभियान भी संचालित किया जाता है। प्रत्येक सरकारी स्कूल में मीड डे के अंतर्गत बच्चों को भोजन भी उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे है,सोमवर को कैला भटटा स्थित सरकारी स्कूल में बच्चों को मीड डे के अंतर्गत भोजन न दिए जाने के मुददे को लेकर गहरी नाराजगी जतायी गई। इस बीच ये भी खुलासा हुआ कि ये तो इस कक्षा 5 वी तक के स्कूल में करीब डेढ सौ छात्र है,लेकिन इन छात्रों को शिक्षा उपलब्ध कराने का दायित्व एक मात्र शिक्षा मित्र के भरोसे है,अलग से टीचर तैनात नहीं है। कांग्रेस से निवर्तमान पार्षद जाकिर सैफी ने कहा कि जहां मौजूदा में सर्दी का मौसम है,कई क्लास में बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर तक नहीं है। दरी पर बच्चों को बैठकर शिक्षा हासिल करते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कहा स्कूलों को बंद करने की साजिश हो रही है। इस स्कूल की एक समय में खंडहर से भी दयनीय हालात थीं। डीएम से आग्रह करते हुए नगर निगम से स्कूल इमारत की मरम्मत पर 15 लाख रूपए लगाए गए तथा इसके अलावा 10 लाख रूपए क्षेत्र वासियों के द्वारा खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि उनकी समझ से ये दूर है कि जो एक मात्र स्थायी प्रधानाचार्य है,उसे कैसे पिछले एक साल से छुटटी दी जा रही है,जबकि शासन के साफ आदेश है कि जिस स्कूल में एक टीचर है,उन्हें छुटटी नहीं दी जा सकती है। जबकि बजरिया स्थित स्कूल में चार चार टीचर तैनात किए गए है।बेसिक शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार कहते है कि किन कारणों के चलते बच्चों को मीड डे के अंतर्गत भोजन नहीं मिल रहा है,इसकी पडताल करायी जाएगी। जहां तक शिक्षकों का मुददा है पूरे प्रदेश में शिक्षकों का संकट है। गाजियाबाद नगर क्षेत्र में ही 22 स्कूल ऐसे है जिनमें एक एक शिक्षक के कंधे पर ढाई सौ बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने का दायित्व है। हालात को प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने उठाया गया है। उम्मीद ये है कि अप्रैल माह से नया सत्र आरंभ होने पर शिक्षकों की नगर क्षेत्र के स्कूलों में तैनाती हो।

संक्षिप्त खबरें

बढ़ गई है सर्दी, सेहत के प्रति सावधानी बरतें

गाजियाबाद, संवाददाता। मौसम में हुए बदलाव को लेकर डॉक्टर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। कड़ाके की सर्दी के चलते इस बार वायरल के साथ ही दिल और फेफड़ों की बीमारियों के मरीजों की भी संख्या तेजी से बढ़ी है। अब बारिश होने पर संक्रामक रोगों के साथ ही दिल और सांस के मरीजों की भी परेशानी बढ़ने की आशंका है। डॉक्टर लोगों को बारिश में भीगने से बचने और संतुलित आहार लेने की सलाह दे रहे हैं। रविवार को सुबह से रुक रुककर हो रही बरसात ने बीमारियों के बढ़ने की आशंकाओं को भी बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि अभी दो से तीन दिनों तक मौसम में यह बदलाव रह सकता है और बारिश हो सकती है। बारिश के साथ ही ठंडी और तेज हवाएं भी चलेंगी। ऐसे में दिल और फेफड़ों के मरीजों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. आरपी सिंह बताते हैं कि इस मौसम में बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। उनके साथ ही दिल और सांस के रोगियों को भी ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। दिल के रोगी चल रही दवा के प्रति लापरवाही बिलकुल न करें और ब्लड प्रेशर की जांच करते रहें। सर्दियों में ब्लड प्रेशर सामान्य से ज्यादा रहता है। सांस के रोगी भी ज्यादा देर सर्दी में न रहें, इससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। डॉ. सिंह के अनुसार इन दिनों वायरल भी फैल रहा है और बुखार के मरीज भी सर्दी से बचें।

बूस्टर डोज कैंप में 6 हजार लोगों को लगाई गई वैक्सीन

गाजियाबाद, संवाददाता। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को कोविड बूस्टर डोज के लिए 244 स्थानों पर कैंप का आयोजन किया। इसमें 20 से ज्यादा कैंप एनजीओ की ओर से लगाए गए। कैंप के दौरान शाम पांच बजे तक विभाग ने 5976 लोगों को कोविड की बूस्टर डोज लगाई। फिलहाल विभाग के पास लगभग 10 हजार डोज बची हुई हैं, जिन्हें फरवरी के दूसरे सप्ताह तक खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शासन से कोवीशील्ड वैक्सीन की 30 हजार डोज मिलने के बाद 18 जनवरी से स्वास्थ्य विभाग ने जिले में बूस्टर डोज लगाना फिर से शुरू किया था। पहले दिन केवल 10 केंद्रों पर बूस्टर डोज लगाई गई, लेकिन अगले दिन विभाग की ओर से सभी सीएचसी और पीएचसी पर बूस्टर डोज लगाना शुरू कर दिया गया। कोविड संक्रमण का खतरा कम होने के चलते लोग भी बूस्टर डोज लगवाने में रुची नहीं दिखा रहे थे। विभाग को शासन से जो वैक्सीन मिली है, उसकी एक्सपायरी फरवरी के दूसरे सप्ताह में है। ऐसे में विभागीय अधिकारियों को इस बात का डर सता रहा है कि यदि एक्सपायर होने से पहले कोविड वैक्सीन खत्म नहीं हुई तो वह खराब हो जाएगी और शासन को वापस भेजनी पड़ेगी। यदि शासन को वैक्सीन वापस भेजी जाती है तो अधिकारी को केवल फटकार ही नहीं पड़ेगी बल्कि लंबे समय तक वैक्सीन मिलने की उम्मीद भी खत्म हो जाएगी। लिहाजा विभाग की ओर से रविवार को बूस्टर डोज के लिए जिले के सभी सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाई गई।

कहां से जीडीए लोगों को देगा पीएम आवास के भवन

गाजियाबाद, संवाददाता

- पानी,सीवरेज तथा बिजली की व्यवस्था हो तो,पीएम आवास का कराए लोकापर्ण
- उत्तर प्रदेश जल निगम एवं बिजली विभाग के द्वारा नहीं ली जा रही है दिलचस्पी
- प्राधिकरण के निर्माण विभाग के अधिकारी चिंतित

मुधबन बापू धाम एवं कस्बा डासना में यदि जीडीए के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भवनों के निर्माण का ढांचा हाल फिलहाल खडा कर भी लिया गया तो प्राधिकरण आवंटियों को कब्जे नहीं दे पाएगा। केंद्र सरकार की अतिमहत्वपूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना में पेयजल एवं सीवरेज की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति उत्तर प्रदेश जल निगम के द्वारा दिलचस्पी नहीं ली जा रही है। यही स्थित बिजली विभाग की भी है। बिजली विभाग के आला अधिकारी भी योजना में बिजली उपलब्ध कराने के प्रति रूची नहीं ले रहा है। यू तो देखा जाए तो प्राधिकरण के आला अधिकारियों के द्वारा पीएम आवास योजना के भवनों के निर्माण में तेजी लाने के लिए एडी चोटी का जोर लगाए हुए है। यहां बता दे कि जीडीए के द्वारा मधुबन बापू धाम योजना में पीएम आवास योजना के अंतर्गत 856 एवं कस्बा डासना में 432 जबकि निवाडी में 528 भवनों का निर्माण किया जा रहा है। आम तौर से भवनों के निर्माण का ढांचा खडा होने से पहले सीवरेज एवं पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए,ताकि रोड आदि के निर्माण के बाद उन्हें तोडने की नौबत पैदा न होने पाए। जीडीए के मुख्य अभियंता राकेश कुमार गुप्ता के द्वारा उत्तर प्रदेश जल निगम के मुख्य अभियंता को 12 दिसंबर 2022 को लिखे लेटर को उठाकर देखा जाए तो उसमें उल्लेख किया गया कि जल निगम के द्वारा तमाम कार्य वास्तविक व्यय के आधार पर किया जाएगा तथा काम के बदले बजट की व्यवस्था नगर विकास विभाग के द्वारा की जाएगी। ये भी उल्लेख किया गया कि उपरोक्त भवनों का लोकापर्ण साल 2022/23 में कराया जाना प्रस्तावित है। बताते है कि जीडीए के निर्माण विभाग के द्वारा लगातार उत्तर प्रदेश जल निगम तथा बिजली विभाग को भेजे जा रहे है,लेकिन दोनों ही विभागों के द्वारा दिलचस्पी नहीं ली जा रही है।

पैथोलॉजी लैब और सीटी स्कैन बंद

- मरीजों को परेशानी, जिले में सरकारी स्तर पर टेस्टिंग व्यवस्था चरमराई

गाजियाबाद, संवाददाता

जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चरमराती जा रही हैं। एमएमजी अस्पताल में एक सप्ताह से ज्यादा ब्लड टेस्टिंग लैब बंद पड़ी हैं और कंबाइंड अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन खराब है। मरीजों को ब्लड टेस्टिंग और सीटी स्कैन के लिए निजी लैब पर खर्चा करना पड़ रहा है। एमएमजी अस्पताल में बीते बुधवार को पैथोलॉजी लैब की छत का प्लास्टर टूटकर गिरने के बाद से लैब पूरी तरह से संचालित नहीं हो सकी है। लैब को कमरा नंबर 9 में शिफ्ट किया गया था, लेकिन वहां अर्थिंग आने के कारण सभी मशीनें खराब हो गईं। मशीनों को सही करने के लिए लखनऊ से इंजीनियर बुलाए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार मशीनों को सही होने में एक सप्ताह तक का समय लग सकता है। मशीनों के सही होने के बाद ही लैब में ब्लड टेस्टिंग शुरू की जा सकेगी। तब तक अस्पताल में भर्ती मरीजों के सैंपल कंबाइंड अस्पताल में टेस्टिंग के लिए भेजे जाएंगे। अन्य मरीजों को या तो कंबाइंड अस्पताल भेजना पड़ेगा या फिर उन्हें निजी लैब पर महंगे दामों पर ब्लड टेस्ट करवाने पड़ेंगे। वहीं, दूसरी ओर कंबाइंड अस्पताल में बीते शनिवार से सीटी स्कैन मशीन खराब पड़ी है। तीन दिन तक मशीन की मरम्मत के बाद पता चला कि उसका एक पार्ट खराब हो गया है, जो मुंबई से आएगा। मुंबई से पार्ट मंगवाया गया है। अस्पताल प्रबधन के अनुसार पार्ट आने में तीन दिन का समय लगेगा और फिर उसे फिट करने में भी एक दो दिन का समय लग सकता है। तब तक अस्पताल में मरीजों के सीटी स्कैन नहीं हो सकेंगे। सीटी स्कैन के लिए कंबाइंड अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को निजी लैब पर सीटी स्कैन करने की सलाह दी जा रही है। मरीजों को सस्ती दर पर सीटी स्कैन करवाने के लिए दिल्ली की दौड़ लगानी पड़ रही है।

पैथोलॉजी लैब को सामान्य रूप से संचालित होने में तीन से चार दिन लग सकते हैं। इंजीनियर मशीनों को सही करके इंस्टॉल करने का प्रयास कर रहे हैं। मशीनों के दोबारा से इंस्टॉल होने तक गंभीर मरीजों के सैंपल टेस्टिंग के लिए कंबाइंड अस्पताल भेजे जाएंगे।

--डॉ. मनोज चतुर्वेदी, सीएमएस, एमएमजी अस्पताल

सूचना नहीं देने पर सीटी स्कैन और एमएमआई मशीनों और सेंटरों को सील करने की तैयारी

गाजियाबाद, संवाददाता

- दिसंबर में सभी को भेजे गए थे नोटिस, 15 संचालकों ने दी विभाग को सूचना
- कई बड़े अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों की ओर से नहीं दी गई सूचना

लगातार रिमाइंडर भेजने और नोटिस देने के बाद भी जिले में कार्यरत सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन संचालक स्वास्थ्य विभाग को सूचना नहीं दे रहे हैं। इसके अलावा मशीनों के रजिस्ट्रेशन के लिए भी उनकी ओर से प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। जिसके बाद अब स्वास्थ्य विभाग कार्रवाई की तैयारी में हैं। पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. चरण सिंह के अनुसार भ्रूण लिंग परीक्षण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए शासन स्तर से यह व्यवस्था लागू की गई है। मशीनों का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाने और विभाग को सूचना नहीं देने वाले सेंटरों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. चरण सिंह के अनुसार जिले में 40 से ज्यादा सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनें संचालित हैं। इनमें से अधिकांश मशीनें बड़े अस्पतालों में लगी हैं। कुछ मशीनें डायग्नोस्टिक सेंटर्स में हैं। लगभग एक महीने पहले ही शासन ने दोनों मशीनों के अलग से रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिए हैं। जिस तरह के अल्ट्रासाउंड मशीन के लिए रजिस्ट्रेशन और रेडियोलॉजिस्ट का रजिस्ट्रेशन विभाग में अनिवार्य है, उसी तरह दोनों मशीनों का भी। सीटी स्कैन और एमएआरआई मशीन के जरिए भी भ्रूण लिंग जांच संभव है। शासन ने भ्रूण लिंग जांच पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ही दोनों मशीनों के रजिस्ट्रेशन के व्यवस्था की है। डॉ. सिंह के अनुसार अभी तक जिले में केवल 15 मशीन सचालकों की ओर से ही विभाग को सूचना देकर रजिस्ट्रेशन की मांग की गई है। विभाग के अनुसार कई संचालकों द्वारा जानकारी नहीं दी गई है। विभाग ने सभी संचालकों को जल्द ही सूचना देने को कहा है। सूचना नहीं देने पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में दिसम्बर 2022 में निर्देश जारी किए गए थे। शासन ने भ्रूण लिंग परीक्षण की आशंकाओं को देखते हुए सीटी स्कैन मशीन और एमआरआई मशीनों का भी पीसीपीएनडीटी (पूर्व गभार्धान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक) अधिनियम 1994 के तहत स्वास्थ्य विभाग में रजिस्ट्रेशन कराने और मासिक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। निदेर्शों में कहा गया है कि सीटी स्कैन मशीन और एमआरआई मशीन के जरिए भ्रूण लिंग परीक्षण संभव है। इनके साथ ही अन्य जिन उपकरणों के जरिए परीक्षण संभव है, सभी का पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले में सभी सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन संचालित करने वाले अस्पतालों और सेंटरों, आईएमए व रेडियोलॉजिस्ट एसोसिएशन को सूचना भेजकर रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए कहा गया।

डॉ. चरण सिंह ने बताया कि 15 सेंटरों द्वारा विभाग में जानकारी दी गई है। अन्य संचालकों को रिमाइंडर और नोटिस भेजे गए हैं। यदि एक सप्ताह में सभी की ओर से सूचना नहीं दी जाती है तो विभाग प्रशासन के साथ मिलकर मशीनों और सेंटरों को सील करने की कार्रवाई करेगा।

मौसम ने बिगाडी बिजली,पानी की सेहत

- शहर के एक बडे एरिया में ठप रही 20 घंटे बिजली, लोगों को सुबह के वक्त नहीं मिला पानी

गाजियाबाद, संवाददाता

मौसम क्या बिगडा की उसने पूरे शहर की न केवल बिजली आपूर्ति व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया,बल्कि शहर के एक बडे हिस्से के लोगों को सुबह के वक्त पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। बहुत से इलाकों में बिगडे मौसम के परिणाम स्वरूप 10 से 20 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। कैला भटटा के निवर्तमान पार्षद आरिफ मलिक का कहना है कि बिजली विभाग को पूरे महकमें को आधुनिक करने के नाम पर गुमराह किया जा रहा है। श्री आरिफ ने एक टवीटर के माध्यम से मुख्यमंत्री के सामने स्थिति को लेकर नाराजगी जतायी है। टवीट के माध्यम से कहा कि लगता है कि विभाग के पास तकनीकी जानकारी रखने वाले इंजीनियर ही नहीं है। रविवार को ऐसा मौसम बिगडा कि मौसम बिगडते ही बिजली आपूर्ति अस्त व्यस्त हो गई। बहुत से एरिया में बीस घंटे बीतने के बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पायी। हिंडनपार के वैशाली आदि में यू तो दो घंटे पेयजल की आपूर्ति की जाती है,लेकिन केवल आधा घंटा ही पानी की आपूर्ति हो सकी। पुराने शहर में तो कुछ पल के लिए भी पानी की आपूर्ति नहीं हुई। पेयजल आपूर्ति लडखडाने की एक बडी वजह ये भी है कि शहर के एक बडे हिस्से में 10 से 30 एचपी क्षमता के नलकूप लगा दिए गए है,उनसे सीधे पानी की आपूर्ति की जाती है।जो बडे नलकूप आदि पर कभी जनरेटर लगाए गए थे,वह शो पीस बने हुए है। जनरेटर संचालन के नाम पर डीजल को मार्केट में ठिकाने लगाया जा रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि फाल्ट खोजने के चलते ये हालात पैदा हुए। महाप्रबंधक जलकल आनंद त्रिपाठी का कहना है कि निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक एरिया के लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो,इसके लिए अधीनस्थ अभियंताओं को दिशा निर्देश दिए गए है।

कोरोना की तर्ज पर होगी टीबी मरीजों की जांच

गाजियाबाद, संवाददाता

जिले में टीबी मरीजों की खोज के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब कोरोना की तर्ज पर कॉटेक्ट ट्रेसिंग की जाएगी। आने वाले रविवार से खोड़ा सीएचसी से इस अभियान को शुरू किया जाएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. डीएम सक्सेना ने बताया कि अभियान के तहत एक टीबी मरीज के कम से कम 10 कॉन्टेक्टों की जांच की जाएगी।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने का अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा से टीबी मरीजों की खोज करके उनका उपचार शुरू करने की योजना है। इसके लिए केंद्र और शासन स्तर से जांच बढ़ाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. सक्सेना ने बताया कि विभाग की ओर से अब कोरोना की तर्ज पर जिले में टीबी मरीजों की भी कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की जाएगी। अलगे रविवार से पूरे जिले में यह अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान की शुरूआत खोड़ा सीएचसी से की जाएगी। खोड़ा सीएचसी के क्षेत्र में लगभग 700 टीबी मरीजों का उपचार चल रहा है। प्रत्येक टीबी मरीज के कम से कम 10 संपर्कों की स्क्रीनिंग की जाएगी और जो टीबी के संदिग्ध मरीज होंगे उनकी जांच की जाएगी। जांच के बाद जिन लोगों में टीबी की पुष्टि होगी उनका तुरंत उपचार शुरू किया जाएगा। खोड़ा के बाद प्रतिदिन किसी एक सीएचसी के तहत यह अभियान चलेगा। इससे टीबी मरीजों की जल्द पहचान हो सकेगी और उनका उपचार शुरू हो सकेगा। डॉ. सक्सेना ने बताया कि टीबी मरीज की जल्द पहचान होने से उपचार भी आसान और कम समय में होता है।

ठेकेदारी पर कार्यरत 47 कर्मचारियों को दो महीने से नहीं मिला वेतन

शिकायत करने पर सीएमएस देते हैं नौकरी से निकलवाने की धमकी

गाजियाबाद, संवाददाता

कंबाइंड अस्पताल में ठेकेदारी पर कार्यरत 47 कर्मचारियों को पिछले दो महीनों से वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन के लिए सीएमएस से शिकायत करने पर वह नौकरी से निकलवाने की धमकी देते हैं। संविदा पर तैनात कर्मचारी लखनऊ की अवनी परिधी कंपनी के तहत अस्पताल में कार्यरत हैं। इस मामले में सीएमओ का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है। इस संबंध में अस्पताल के सीएमएस से वार्ता करके कंपनी से कर्मचारियों को जल्द ही वेतन दिलवाया जाएगा। कंबाइंड अस्पताल में वर्ष 2017 से अवनी परिधी कंपनी के जरिए वार्ड बॉय, चौकीदार और सहायकों की नियुक्ति की गई थी।

कर्मचारियों का वेतन 9 से 12 हजार रुपए है। कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी की ओर से उन्हें समय से कभी वेतन नहीं दिया जाता। कई बार तो दो या तीन महीनों तक भी वेतन नहीं मिलता है। इस संबंध में अस्पताल के सीएमएस से शिकायत किए जाने पर सीएमएस नौकरी से निकवाने की धमकी देते हैं। जिसके कारण कर्मचारी वेतन नहीं मिलने पर शिकायत करने से भी डरते हैं। उनकी नियुक्ति एनएचएम के तहत कंपनी की ओर से की गई थी।

एनएचएम के जरिए कंपनी के खाते में हर महीने उनका वेतन पहुंच जाता है, लेकिन कंपनी के अधिकारी उन्हें समय से वेतन नहीं देते। वेतन रुकने पर कई बार कर्मचारियों के सामने भुखमरी की स्थिति भी बन जाती है। बच्चों की फीस लेकर किराने और बिजली का बिल भी समय से जमा नहीं हो पाता। इस मामले में जब अस्पताल के सीएमएस जानकारी की गई तो उन्होंने जानकारी होने से ही इनकार किया। वहीं, सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर का कहना है कि कई बार बजट होने के बावजूद एनएचएम की लिमिट पूरी होने के कारण कंपनी के खाते में कैश ट्रांसफर नहीं हो पाता है। कर्मचारियों को दो महीने का वेतन नहीं मिलने की जांच करवाई जाएगी और दिक्कत को दूर करके जल्द ही कर्मचारियों को वेतन दिलवाया जाएगा।

कैप्टन विकास गुप्ता ने मुंबई में फिल्म निमाताओं से भेंटकर यूपी में निवेश का आमंत्रण दिया

गाजियाबाद, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री और कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता ने आज बंबई में फिल्म निर्देशक और निमाताओं से भेंट की। कैप्टन विकास गुप्ता ने फिल्म निमार्ता और निर्देशकों से यमुना क्षेत्र में बन रही फिल्म सिटी को लेकर चर्चा की और उत्तर प्रदेश में निवेश के साथ साथ फिल्म निर्माण के लिए आमंत्रण दिया। उन्होंने फिल्म निमार्ता और निर्देशकों से मुख्यमंत्री मोगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट के तौर पर बनने वाली फिल्म सिटी की खूबियां भी बताई। साथ ही योगी आदित्यनाथ सरकार बनने के बाद बहुत बेहतर हुई कानून व्यवस्था की बात भी बताई कैप्टन विकास गुप्ता ने फिल्म निमार्ता और निर्देशकों से कहा कि वह यूपी में बन रही फिल्म सिटी में निवेश करें और रुचि लें। फिल्म सिटी कैसी होनी चाहिए और आने वाले 50-100 वर्षों में तकनीक कहां जाने वाली है, हम उसके लिए भी कार्य करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार आप लोगों के साथ पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं और फरवरी में ही निवेश सम्मिट प्रस्तावित है। ऐसे में जब देश व दुनिया के बडे लोग यूपी में निवेश को लालायित हैं तो फिल्म निर्माण से जुड़े लोग क्यों पीछे रहे। कैप्टन ने फिल्मों से जुड़े लोगों को बताया कि फिल्म सिटी के पास ही भारत का सबसे बडा हवाई अड्डा भी निमाणार्धीन है। यह हवाई अड्डा अगले वर्ष शुरू हो जायेगा। साथ ही रोड कनेक्टिविटी भी बहुत बेहतर है। ऐसे में आवागमन की भी कोई समस्या नहीं होगी। आईआईपी के निर्देशक राजेश गोयल एवं तेजाब, अंकुश, प्रतिघात, नरसिंहा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाने वाले बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निमार्ता, निर्देशक, स्क्रिपराइटर मिस्टर एन चंद्रा भी उनके साथ रहे।

पिता की पिटाई का बदला लेने के लिए की हत्या, दिल दहलाने वाला खुलासा

गाजियाबाद, संवाददाता। मुरादनगर में सात दिन पूर्व डिडौली गांव से लापता हुए कृष्ण त्यागी (25) की गांव निवासी तीन युवकों ने मोनू, सुमित उर्फ छोटू और पुनीत उर्फ कालू ने गला दबाकर और बलकटी से गले पर वार कर हत्या कर दी। पूलिस पूछताछ में आरोपी ने सुमित ने बताया कि तीन साल पहले कृष्ण ने एक विवाद में उसके पिता अनिल की पिटाई कर दी थी। तभी से वह उससे रंजिश रखता था। मौका पर उसने उसको मार डाला। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि डिडौली गांव से 22 जनवरी की रात कृष्ण त्यागी लापता हो गया था। 24 जनवरी को परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 26 जनवरी को परिजनों ने गांव के मोनू और सुमित उर्फ छोटू के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस की टीम नामजद आरोपियों की तलाश में लगी थी। शनिवार को सूचना पर पुलिस गंगनहर सौंदा पुल के पास मोनू, सुमित उर्फ छोटू व पुनीत उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया, तीनों भागने की फिराक में थे। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर सौंदा पुल के पास नहर से पीएसी के गोताखोरों की मदद से कृष्ण का शव बरामद कर लिया। हत्या के बाद आरोपियों ने प्लास्टिक के बोरे में बांधकर शव नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक और बलकटी भी बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 22 जनवरी की रात करीब 11 बजे कृष्ण त्यागी गांव में कोल्हू पर गया था। इसी बीच वहां मोनू, सुमित उर्फ छोटू व पुनीत भी पहुंच गये। चारों ने एक साथ बैठकर शराब पी। जब कृष्ण अधिक नशे में हो गया तो सुमित ने गमछे से उसका गला दबा दिया। बाकी दोनों उसके साथियों से उसे पकड़ लिया। आरोपियों ने बलकटी से मृत कृष्ण के गले पर कई बार प्रहार कर किये। इसके बाद बोरे में चार ईट डालकर शव को नहर में फेंक दिया। जिससे शव पानी में ऊपर न आ सके। किसान मुनेश त्यागी के तीन बेटे सचिन, सुमित व कृष्ण हैं। कृष्ण परिवार में सबसे छोटा था, शनिवार को बेटे सुमित की सगाई थी, फरवरी में उसकी शादी है। कृष्ण का शव मिलने के बाद घर में मातम पसर गया।

कार रोककर तीन चचेरे भाई कर रहे थे दोस्तों का इंतजार, तेज रफ्तार ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, एक की मौत

गाजियाबाद, संवाददाता। एनएच-नौ पर तिगरी कट के पास कार रोककर खड़े दिल्ली के तिहाड़ गांव में रहने वाले तीन चचेरे भाइयों को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि दो को गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा 26 जनवरी की आधी रात के बाद हुआ, जब तीनों एक शादी से दिल्ली लौट रहे थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस आरोपित चालक को तलाश रही है, जो हादसे के बाद ट्रक छोड़कर फरार हो गया था। दिल्ली में पार्षद का चुनाव लड़ चुके भाजपा नेता महावीर सिंह ने थाना क्रासिंग रिपब्लिक में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके भतीजे पवन पोसवाल, हनी व जय 26 जनवरी को लालकुआं के पास एक बैंक्वेट हाल में हुई शादी में शामिल होने गए थे। स्विफ्ट सवार तीनों भाई आधी रात के बाद शादी से घर लौटते समय पीछे छूटी दोस्तों की फोर्ड ईको कार के लिए तिगरी कट के पास रुक गए थे। दोस्तों ने इनसे आगे अपनी कार रोकी। तीनों बाहर खड़े थे, इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक आया और दोनों कार में टक्कर मार दी। कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। ईको कार में बैठे दोस्तों ने देखा कि तीनों लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़े हैं। उन्हें उठाकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने पवन को मृत घोषित कर दिया। एनएच-नौ और डीएमई पर 100 किमी की रफ्तार से वाहन दौड़ते हैं। इस पर वाहन रोकना यातायात नियम का उल्लंघन है और नो-पार्किंग के तहत चालान किया जाता है। रात में ट्रैफिक पुलिस नहीं रहती। यदि थाना पुलिस या पीआरवी सक्रिय होती तो कार रोककर खड़े युवकों को रोका जा सकता था। महावीर के मुताबिक कार की पार्किंग लाइट आन थी। आरोप है कि ट्रक चालक नशे में था।

अभिभावक कानोसा कान्वेंट से कक्षा 4 की छात्रा का अपरहण करने स्कूल पहुँचा संदिग्ध व्यक्ति हुआ कैमरे में कैद

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के ट्वीटर का सज्ञान ले डीसीपी सिटी ने शरू कराई जाँच

गाजियाबाद, संवाददाता

पेरेंट्स एसोसिएशन ने एक बार फिर साबित किया कि उनके लिये प्रत्येक छात्र - छात्रा एवम अभिभावक की पीड़ा कितनी महत्वपूर्ण है मामला है विजय नगर के कानोसा कान्वेंट स्कूल का जहां अभिभावक नरेश कुमार जिनकी बेटी कक्षा 4 में पढ़ती है दिनाँक 23-01-2023 को एक संदिग्ध व्यक्ति जिसने स्कूल रिसेप्शन पर अपना नाम आदित्य शर्मा बताया ने कहा कि छात्रा के पिता ने बेटी को घर ले जाने के लिये मुझे भेजा है इसलिये आप छात्रा को बुला दीजिये और कहा कि चाहे तो आप मेरे फोन से इनके माता पिता से बात कर लीजिये जिस पर स्कूल रिसेप्शन पर मौजूद शिक्षिका ने बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुये कहा कि हमारे पास पैरेंट का नंबर है हम अपने फोन से बात करते है और उन्होंने छात्रा के पिता नरेश कुमार को फोन मिलाते हुये संदिग्ध व्यक्ति का परिचय देते हुये पूछा कि क्या आपने इस व्यक्ति को अपनी बेटी को स्कूल लेने को भेजा है इतना सुनते ही बेटी के पिता की जमीन पैरों के नीचे से निकल चुकी थी क्योकि उन्होंने किसी को भी बेटी को स्कूल से लेने के लिए नही भेजा था उन्होंने कहा में तुरन्त स्कूल आ रहा हूँ जैसे ही स्कूल प्रबंधन और पैरेंट के बीच वार्ता समाप्त हुई यह संदिग्ध व्यक्ति स्कूल परिसर से फरार हो चुका था लेकिन स्कूल रिसेप्शन पर मौजूद शिक्षिका की सजगता से कक्षा 4 की छात्रा की जान बच चुकी थी और अब यह छात्रा अपने माता पिता के पास सुरक्षित है लेकिन इस घटना से माता पिता बुरी तरह भयभीत है इसके बाद अगले दिन छात्रा के पिता द्वारा स्कूल प्रबंधन से वीडियो फुटेज लिया गया जिसमें यह संदिग्ध व्यक्ति साफ नजर आ रहा है इसके बाद अभिभावक ने सारा प्रकरण गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन को बताया गया जिसका तत्काल सज्ञान लेते हुये पहले तो छात्रा के पिता द्वारा विजय नगर थाना प्रभारी को शिकायत पत्र दिलवाया गया और उसके बाद गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की टीम ने सोसल मीडिया के सशक्त माध्यम ट्विटर पर गाजियाबाद कमिश्नर अजय मिश्रा जी और उत्तर प्रदेश के डीजीपी को शिकायत पत्र और विडियो फुटेज डालते हुये संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ सख्त कार्यवाई करने की अपील की पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को समझते हुये तत्काल ट्विटर पर की गई शिकायत का संज्ञान लेते हुये जांच शरू कर दी है जहाँ विजय नगर की एसीपी अंशू जैन जी ने जीपीए के ट्विटर पर वीडियो के माध्यम से अपने बयान को टैग करते हुये अतिशीघ्र कार्यवाई का भरोसा दिया है वही गाजियाबाद के डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल जी ने भी शिकायत पर तत्काल कार्यवाई के लिए विजय नगर थाना प्रभारी को लिखा है

सम्पादकीय

बजट चुनावी कसौटी नहीं

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में बजट पेश करेंगी, तो वह कई आयामों से महत्त्वपूर्ण होगा। वह मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा भी हो सकता है, क्योंकि इसी साल जम्मू-कश्मीर समेत 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2024 में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव होंगे। इस साल जहां चुनाव होने हैं, वहां से 83 सांसद चुनकर लोकसभा में आते हैं। बजट का फोकस किस पर रहेगा, किन वर्गों को ज्यादा संबोधित किया जाएगा, विकास के मद्देनजर बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन की कितनी प्राथमिकताएं रहेंगी, आयात-निर्यात के समीकरण कैसे होंगे और आम आदमी कितना खुशहाल और संतुष्ट होगा, यह बजट के बाद ही सामने आएगा, लेकिन बजटीय घोषणाओं पर ही आगामी जनादेश तय नहीं होंगे, यह हमारा अनुभव रहा है। गौरतलब यह भी है कि यह मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का अंतिम बजट होगा। 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले सरकार लेखानुदान पारित करा सकती है।

आगामी पूर्ण बजट जुलाई, 2024 में ही संभव होगा। बेशक अब भारत करीब 3.6 ट्रिलियन डॉलर की दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2031 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) करीब 7.5 ट्रिलियन डॉलर का हो सकता है, ऐसा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक रेटिंग एजेंसियों के आकलन हैं। भारत जापान को पार कर आगे बढ़ जाएगा और हमारे आर्थिक विकास की गति जर्मनी के बराबर होगी। अगले साल भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी, 142 करोड़ से ज्यादा, वाला देश भी बन जाएगा। जाहिर है कि उसी अनुपात में वित्तीय जरूरतें, वस्तु और सेवाओं का विस्तार, बैंकिंग नेटवर्क का फैलाव और प्रति व्यक्ति आय आदि में भी बढ़ोतरी अपेक्षित होगी। भारत उपभोग, खपत और मांग का और विस्तृत बाजार बन जाएगा।

भारत की अर्थव्यवस्था कितनी भी हो, लेकिन राष्ट्रीय बजट करीब 40 लाख करोड़ रुपए का होगा। क्या उसमें सभी वर्गों, समुदायों, समूहों आदि को संबोधित किया जा सकता है, यह यक्ष प्रश्न वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और खुद प्रधानमंत्री मोदी के सामने जरूर रहा होगा! संभव है कि बजट में आयकर की सीमा बढ़ा दी जाए। कुछ जरूरी चीजें सस्ती कर दी जाएं। बचत और ब्याज की कुछ योजनाएं घोषित कर दी जाएं। कभी बजट गांव, गरीब, किसान, कृषि सम्मत होता है, तो कभी महिलाओं के लिए विशेष घोषणाएं की जाती हैं। इस बार संभव है कि आदिवासी, ओबीसी, दलित, पसमांदा मुसलमान, छोटे-मझोले उद्योग आदि के मद्देनजर बजटीय प्रस्ताव रखे जाएं, क्योंकि ये समुदाय अब 35-44 फीसदी तक भाजपा को वोट देते हैं। ये भाजपा के नए और आश्वस्त वोट-बैंक हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य अब 2047 में विकसित भारत बनाने का है।

आगामी 25 सालों के दौरान देश की राजनीति के रंग क्या होंगे, उन समीकरणों में देश का प्रधानमंत्री कौन होगा और उस सरकार का विज क्या होगा, यह सब कुछ अनिश्चित है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त पर लालकिले से देश को संबोधित करते हुए 2047 के लक्ष्य की घोषणा की थी। स्पष्ट है कि सरकार की जवाबदेही तात्कालिक नहीं है, उसे 2047 तक टाल दिया गया है। देश पर कर्ज का भारी बोझ है, जिसके भुगतान में जीडीपी का करीब 70 फीसदी खर्च हो जाता है। हमारा जीडीपी कुल 258 लाख करोड़ रुपए का है। उसमें करीब 23 लाख करोड़ रुपए विभिन्न करों, उपकरों, उत्पाद शुल्क और जीएसटी आदि से संग्रह किया जाता है। यानी यह देश की नियमित आय है। औसतन खर्च 39.54 लाख करोड़ का है। यानी करीब 16 लाख करोड़ का घाटा हर साल उठाना पड़ता है। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। सवाल यह है कि क्या चुनावी जनादेश बजट के आधार पर तय होते हैं? यदि इस सवाल को आधार बनाकर मूल्यांकन किया जाए, तो राजकोषीय घाटा, चालू खाता और व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहे हैं।

वित्त मंत्री से मध्यम वर्ग की उम्मीदें

उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री नए बजट के माध्यम से इस वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकती हैं। बीते दिनों एक कार्यक्रम में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि मैं भी मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखती हूं, इसलिए मैं मध्यम वर्ग के दबाव को समझ सकती हूं। चूंकि पिछले वर्ष 2022-23 के बजट में इस वर्ग को कोई बड़ी राहत नहीं मिली थी और अब महामारी के कारण दो साल की मंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था रिकवरी के रास्ते पर चल पड़ी है, साथ ही पिछली कुछ तिमाहियों में कर संग्रह में लगातार बढ़ोत्तरी भी देखी गई है। इसके साथ-साथ इस बार का बजट लोकसभा चुनाव 2024 के पहले का आखिरी पूर्ण बजट है। ऐसे में सरकार के द्वारा आगामी बजट में टैक्स का बोझ कम करने के लिए प्रोत्साहन सुनिश्चित किए जा सकते हैं। नि :संदेह केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के नए प्रारूप वाले टैक्स स्लैब के पुन : निर्धारण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है।

डा. जयंतीलाल भंडारी
लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है

इन दिनों एक फरवरी को केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए जाने वाले आगामी वित्त वर्ष 2023-24 के बजट की ओर देश के छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री नए बजट के माध्यम से इस वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकती हैं। बीते दिनों एक कार्यक्रम में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि मैं भी मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखती हूं, इसलिए मैं मध्यम वर्ग के दबाव को समझ सकती हूं। चूंकि पिछले वर्ष 2022-23 के बजट में इस वर्ग को कोई बड़ी राहत नहीं मिली थी और अब महामारी के कारण दो साल की मंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था रिकवरी के रास्ते पर चल पड़ी है, साथ ही पिछली कुछ तिमाहियों में कर संग्रह में लगातार बढ़ोत्तरी भी देखी गई है। इसके साथ-साथ इस बार का बजट लोकसभा चुनाव 2024 के पहले का आखिरी पूर्ण बजट है। ऐसे में सरकार के द्वारा आगामी बजट में टैक्स का बोझ कम करने के लिए प्रोत्साहन सुनिश्चित किए जा सकते हैं। निःसंदेह केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के नए प्रारूप वाले टैक्स स्लैब के पुनः निर्धारण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। वर्तमान में वित्त मंत्रालय 2.5 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 5 फीसदी टैक्स लागू करता है।

जबकि 5 लाख से 7.5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 10 फीसदी और 7.5 लाख से 10 लाख रुपये तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स लागू होता है। इसी तरह 10 लाख रुपये से 12.5 लाख रुपये की आय पर 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है। 12.5 लाख से 15 लाख रुपये पर 25 फीसदी और 15 लाख रुपये से ऊपर की कुल आय पर 30 फीसदी टैक्स दर लागू होती है। जो आयकरदाता आयकर के पुराने स्लैब को अपनाए हुए हैं, उनके लिए विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि की जाना जरूरी, मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की छूट मिलती है। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.50 लाख की छूट पर्याप्त नहीं है। कोई व्यक्ति 1.50 लाख की छूट यदि होम लोन के मूलधन पर ले लेता है तो उसके पास अन्य जरूरी निवेश पर छूट लेने का विकल्प नहीं बचता है। अतएव धारा 80सी के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर तीन लाख रुपए किया जाना उपयुक्त होगा। आयकर अधिनियम की धारा 80सी की सीमा बढ़ाने से सबसे ज्यादा फायदा छोटी बचत योजनाओं, बीमा पॉलिसी खरीददारों, म्यूचुल फंड निवेशकों, लोनधारकों के निवेशकों और वरिष्ठ नागरिकों को होगा। पिछली बार वित्त वर्ष 2014-15 में इस सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया गया था।

तब से इस कटौती सीमा को नहीं बदला गया है। इसी तरह सरकार के द्वारा इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को बढ़ाना चाहिए। अभी इस धारा के तहत 25000 रुपये तक के प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है। इसमें पति/पत्नी, बच्चों समेत खुद की पॉलिसी पर जमा किया गया प्रीमियम शामिल होता है। अगर माता/पिता वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आते हैं और उनका प्रीमियम भरते हैं तो 50000 रुपये तक का टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं। वृद्धावस्था में चिकित्सा व्यय में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। बढ़ती महंगाई और उच्च स्वास्थ्य व्यय के बीच विशेष रूप से घातक कोविड-19 महामारी के बाद वरिष्ठ नागरिकों को कुछ और कर राहत मिलनी चाहिए। वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम की कटौती को मौजूदा 50000 रुपये से बढ़ाकर 75000 रुपये की जाना उपयुक्त होगी। चूंकि अभी भी स्वास्थ्य संबंधी बढ़ती चुनौतियों के बीच देश में स्वास्थ्य बीमा अधिक चलन में नहीं है और अधिकतर लोगों के स्वास्थ्य बीमे का कवर अस्पताल के खर्चे से निपटने के लिए भी पर्याप्त नहीं है, ऐसे में सरकार के द्वारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट को बढ़ाना चाहिए ताकि टैक्पेयर्स हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर प्रेरित हों। 80डी में कर छूट सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीमा बढ़ाई जाने से लोगों को स्वास्थ बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। स्वास्थ्य बीमे को सस्ता किया जाना भी जरूरी है। इस पर 18 फीसदी जीएसटी है जिसे कम करने की जरूरत है।

सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में योगदान की वार्षिक सीमा को मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये किया जाना चाहिए। पीपीएफ के तहत अधिकतम अंशदान सीमा बढ़ाने की मांग के पीछे तर्क यह है कि उद्यमियों और पेशेवरों द्वारा पीपीएफ का उपयोग बचत के साधन के रूप में किया जाता है। वर्ष 2023-24 के बजट में घर खरीदने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के मद्देनजर सरकार को होम लोन के ब्याज पर टैक्स छूट को बढ़ाना चाहिए और होम लोन के ब्याज रीपेमेंट पर मिलने वाले बेनिफिट की लिमिट को दो लाख रुपए से बढ़ाकर चार लाख रुपए किया जाना उपयुक्त होगा। होम लोन पर ब्याज में कटौती की सीमा को बढ़ाने से मकानों की ब्रिकी में तेजी आने की संभावना होगी। वर्तमान में ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है, के लिए मूल कर छूट की सीमा 3 लाख रुपये है। अति वरिष्ठ नागरिकों, जिनकी 80 वर्ष से अधिक आयु है, के लिए मूल कर छूट की सीमा 5 लाख रुपये है। ऐसे में आगामी बजट 2023-24 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बुनियादी आयकर छूट सीमा को संशोधित करना जरूरी दिखाई दे रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के एक बड़े वर्ग के पास आय का कोई अन्य नियमित स्रोत नहीं है। सामान्यतया अपनी छोटी बचत और उस पर अर्जित ब्याज पर निर्भर रहते हैं।

ऐसे में आगामी बजट में 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मूल आयकर छूट सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तथा 80 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को कर से छूट मुक्त राशि 7.5 लाख रुपये की जानी उपयुक्त होगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आगामी बजट में वित्तमंत्री नए टैक्स स्लैब के प्रारूप में बदलाव करके छोटे करदाताओं को नई राहत दे सकती हैं। इससे नए टैक्स प्रारूप के प्रति करदाताओं का आकर्षण बढ़ेगा। नए कर प्रारूप की घोषणा वर्ष 2020-21 के बजट में की गई थी, लेकिन अब तक इसके तहत लाभ लेने के लिए आयकरदाताओं का विशेष रुझान नहीं बढ़ा है। आयकर मूल्यांकन वर्ष 2022-23 में करीब 7.53 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल हुए। इनमें से 50 लाख से कम इनकम टैक्स रिटर्न नए टैक्स प्रारूप के तहत दाखिल हुए। ऐसे में आगामी बजट में नए टैक्स प्रारूप को आकर्षक व लाभप्रद बनाए जाने की संभावनाएं हैं।

पिघलते ग्लेशियर से संकट में दुनिया

पत्रिका से जुड़े अध्ययकताओं का मानना है कि दुनिया के 83 प्रतिशत ग्लेशियर साल 2100 के अंत तक विलुप्त हो सकते हैं। उनका यह आंकलन 2,15,000 जमीन आधारित ग्लेशियर पर आधारित है। यह पहली बार नहीं है जब जलवायु परिवर्तन की मौजूदा प्रवृत्तियों के कारण ग्लेशियरों के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का आंकलन किया गया है। अभी गत वर्ष पहले ही प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल नेचर से खुलासा हुआ था कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते एशियाई ग्लेशियरों के सिकुड़ने का खतरा बढ़ गया है। इसे बचाने की कोशिश नहीं हुई तो सदी के अंत तक एशियाई ग्लेशियर अपने कुल भाग का एक तिहाई खत्म हो सकते हैं। शोधकताओं के मुताबिक अगर वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने में सफलता मिली तब भी पर्वतों से 36 प्रतिशत बर्फ कम हो जाएंगे।

अरविंद जयतिलक
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका साइंस का यह खुलासा चिंतित करने वाला है कि सदी के अंत तक दो तिहाई ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे। पत्रिका से जुड़े अध्ययकताओं का मानना है कि दुनिया के 83 प्रतिशत ग्लेशियर साल 2100 के अंत तक विलुप्त हो सकते हैं। उनका यह आंकलन 2,15,000 जमीन आधारित ग्लेशियर पर आधारित है। यह पहली बार नहीं है जब जलवायु परिवर्तन की मौजूदा प्रवृत्तियों के कारण ग्लेशियरों के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का आंकलन किया गया है। अभी गत वर्ष पहले ही प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल नेचर से खुलासा हुआ था कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते एशियाई ग्लेशियरों के सिकुड़ने का खतरा बढ़ गया है। इसे बचाने की कोशिश नहीं हुई तो सदी के अंत तक एशियाई ग्लेशियर अपने कुल भाग का एक तिहाई खत्म हो सकते हैं। शोधकताओं के मुताबिक अगर वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने में सफलता मिली तब भी पर्वतों से 36 प्रतिशत बर्फ कम हो जाएंगे। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा भी दावा किया जा चुका है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आने वाले एक-दो वर्षों में आर्कटिक समुद्र की बर्फ पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। उनके इस आंकलन का आधार अमेरिका के नेशनल स्नो एंड आइस डाटा सेंटर की ओर से ली गयी सैटेलाइट तस्वीरे हैं। इन तस्वीरों के मुताबिक आर्कटिक समुद्र के सिर्फ 11.1 मिलियन स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र में ही बर्फ बची है। यह पिछले तीस साल के औसत 12.7 मिलियन स्क्वेयर किलोमीटर से कम है। वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई अब आधे मीटर से भी कम रह गयी है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं और 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि ग्लेशियर का बर्फ पिघलने से समुद्र गर्म होने लगा है। यह स्वाभाविक भी है कि जब बर्फ की परत मोटी नहीं बचेगी तो पानी सूर्य की किरणों को ज्यादा मात्रा में सोखेगा ही। जर्नल नेचर क्लाइमेट में ही प्रकाशित एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल वार्मिंग को 2 डिग्री से कम रखने की सिर्फ 5 प्रतिशत ही संभावना है। पृथ्वी का वातावरण पूर्व औद्योगिक काल की तुलना में तकरीबन एक डिग्री गर्म हो चुका है। इससे सदी के अंत तक तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस वृद्धि हो जाएगी। गौरतलब है कि पेरिस जलवायु समझौते के तहत तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन ऐसा संभव कर पाना मुश्किल है। वैज्ञानिकों की मानें तो वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री वृद्धि से इस क्षेत्र के तापमान में 2.1 डिग्री वृद्धि होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला का तापमान 2.3 डिग्री और उत्तरी हिमालय का 1.9 डिग्री अधिक हो जाएगा।

अगर तापमान अपने मौजूदा स्तर पर भी स्थिर बना रहा तब भी ग्लेशियर कई दशकों तक अनवरत गति से पिघलते रहेंगे। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ग्लेशियर के पिघलने में तेजी आयी तो बाढ़ का खतरा उत्पन होगा और समुद्र के जल में भारी वृद्धि होगी। इससे समुद्रतटीय शहरों के डूबने का खतरा बढ़ जाएगा। याद होगा अभी गत वर्ष ही मैक्सिको की खाड़ी में स्थित लुईसियाना का डेलाक्रोइस शहर देश-दुनिया में खूब चर्चा का विषय बना। उसका कारण यह है कि यह शहर धीरे-धीरे समुद्र में समा रहा है। यहां समुद्र का पानी शहर एक बड़े हिस्से को निगल चुका है। विगत एक सौ साल में लुईसियाना की 1880 स्क्वेयर मील जमीन भी डूब चकी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि औसतन 17 स्क्वेयर मील जमीन हर साल गंवानी पड़ रही है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर कहीं बड़ा समुद्री तूफान आया तो शहर का काफी हिस्सा समुद्र में समा सकता है। 2016 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक पिछले सौ साल में समुद्र का पानी बढ़ने की रफ्तार पिछली 27 सदियों से ज्यादा है। वैज्ञानिकों की मानें तो अगर धरती का बढ़ता तापमान रोकने की कोशिश न हुई तो दुनिया भर में समुद्र का स्तर 50 से 130 सेंटीमीटर तक बढ़ सकता है। गौरतलब है कि आर्कटिक क्षेत्र में आर्कटिक महासागर, कनाडा का कुछ हिस्सा, ग्रीनलैंड (डेनमार्क का एक क्षेत्र) रुस का कुछ हिस्सा, संयुक्त राज्य अमेरिका (अलास्का) आइसलैंड, नार्वे, स्वीडन और फिनलैंड में भी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है तो आर्कटिक के साथ-साथ अण्टार्कटिका के विशाल हिमखण्ड भी पिघल जाएंगे और समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो जाएगी। चिंताजनक तथ्य यह भी कि ग्लेशियरों के टूटने से भारी तबाही का भी सामना करना पड़ रहा है। अभी गत वर्ष पहले उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले के नीती घाटी स्थित रैणी क्षेत्र में ग्लेशियर टूटने से भारी मची तबाही मची थी और व्यापक स्तर पर जन-धन का भी नुकसान हुआ था। इस हादसे में तकरीबन दो सैकड़ा से अधिक लोग लापता हुए थे और कइयों लोगों की जान गयी थी।

एनटीपीसी का तपोवन प्रोजेक्ट और ऋषि गंगा हाइडेल प्रोजेक्ट पूरी तरह तबाह हो गया था। वर्ष 2013 में केदारनाथ की त्रासदी भी देखा गया जब चैराबाड़ी ग्लेशियर के टूटने से मंदाकिनी नदी ने विकराल रुप धारण कर लिया था जिसमें हजारों लोगों की जान गयी। उत्तराखंड राज्य की ही बात करें तो यहां जोशी मठ में पहाड़ धंसने की घटना चिंता का सबब बनी हुई है। लिहाजा ग्लेशियरों के टूटने की संभावना भी बढ़ गयी है। लेकिन विडंबना है कि ग्लेशियरों पर बनी समिति की सिफारिशों पर अभी तक पूरी तरह अमल नहीं हुआ है। नतीजा हर वर्ष ग्लेशियर टूटकर मानव के लिए मौत का शबब बन रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा ग्लेशियरों को लेकर गठित विशेषज्ञ समिति ने 7 दिसंबर, 2006 को कई तात्कालिक और दीर्घकालिक सिफारिशें की थी। इस सिफारिश में प्रदेश सरकार के आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग को सुझाव दिया गया था कि ग्लेशियरों से पैदा होने वाले खतरों से बचाव के लिए उपाय तलाशा जाए। इस सिफारिश में उन आबाद इलाकों को चिन्हित करने को कहा गया जो ग्लेशियरों से पैदा होने वाले खतरे से प्रभावित हो सकते हैं। इसके साथ ग्लेशियरों के पीछे खिसकने के हाइड्रोलॉजिकल और क्लाइमेटोलॉजिकल आंकड़े भी जमा किए जाने की सिफारिश की गयी। ऐसा इसलिए कि इन आंकड़ों के आधार पर ही आने वाली बाढ़ और ग्लेशियरों से पानी के बहाव की मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इस सिफारिश में यह भी कहा गया कि प्रदेश में स्थापित होने वाले हर हाइड्रोप्रोजेक्ट के लिए नदियों के उदगम क्षेत्र में मौसम केंद्र स्थापित किए जाएं तथा भागीरथी घाटी की केदार गंगा और केदार बामक के आसपास के ग्लेशियल झीलों की मॉनिटरिंग की जाए।

बेटियों पर बढ़ता भरोसा पितृसत्तात्मक सोच में आ रहा बदलाव

सोनम लववंशी

हमारे समाज में महिलाओं ने दशकों तक अन्याय और पूर्वाग्रह को झेला है। महिलाओं को चारदीवारी में भी लंबे समय तक कैद रखा गया। धीरे-धीरे इस परिस्थिति में बदलाव आना शुरू हुआ। जिसके बाद मातृशक्ति ने लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए अपनी एक पहचान बना ली! आज वैश्विक परिदृश्य पर महिलाएं बेड़ियों को तोड़कर अपने सपनों और लक्ष्यों को साकार कर रही हैं। जिसमें हमारे देश की महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। सुखद पहलू यह है कि हमारे समाज की सोच और धारणा भी अब मातृ शक्ति के प्रति बदल रही है। आज महिलाओं को भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहें हैं। पहले स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव किया जाता था महिलाओं को घर के कामों तक ही सीमित रखा जाता था लेकिन अब जमीन से लेकर आसमां तक महिलाओं की पहुँच सुनिश्चित हो चुकी है। महिलाएं स्वयं अपनी किस्मत की लकीर खींच रही तो पिता और पति भी अब मातृ शक्ति को पारिवारिक व्यवसाय में आगे बढ़ा रहे। जो समाज में बदलाव का संकेत है।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपनी एक कंपनी क्रिश्चियन डिओर की जिम्मेदारी अपनी बेटी डेल्फिन को सौंपी है। जो आधुनिक समाज और मातृ शक्ति के सशक्तिकरण की दिशा में एक मिसाल है। बेटियों पर उद्योगपतियों का बढ़ता भरोसा इस बात का भी द्योतक है कि अब मानवीय संवेदना और मूल्यों में भी परिवर्तन आ रहा है। पहले पितृसत्तात्मक समाज की सोच यही रहती थी कि कुल का दीपक एक लड़का ही हो सकता है। परिवार का व्यापार बढाने का काम एक बेटा ही कर सकता है लेकिन इस सोच में बदलाव वैश्विक स्तर पर देखने को मिल रहा है। जिसमें हमारा देश भी पीछे नहीं है। मुगल काल के पश्चात भले हमारे समाज में महिलाओं के हक में कटौती कर दी गई लेकिन धीरे-धीरे संवैधानिक मूल्यों को तरजीह देते हुए महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। भारत में भी वर्तमान समय में कई बड़े उद्योगपति हैं। जिन्होंने अपने व्यवसाय की जिम्मेदारी बेटियों को सौंपी है। एक रिपोर्ट की मानें तो वर्तमान समय में देश में 24 फीसदी पारिवारिक व्यवसाय महिलाएं चला रही हैं। जिसमें से 76 प्रतिशत पिता और 24 फीसदी महिलाएं पति का व्यवसाय संभाल रही हैं। जो मातृ शक्ति के आत्मनिर्भर बनने और सशक्तिकरण की नई परिभाषा पेश करती है।

देश में ईशा अंबानी एक ऐसा नाम है। जो 2014 से रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह जिम्मेदारी उनके पिता मुकेश अंबानी ने दी थी। नोएल टाटा की बेटी लेह वर्ष भी 2022 से ताज होटल समूह की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। इसके अलावा आदी गोदरेज की बेटी निसाबा गोदरेज वर्ष 2017 से गोदरेज समूह की कार्यकारी अध्यक्ष हैं। शिव नाडार की बेटी रोशनी ने 2020 में एचसीएल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल ली थी। ऐसे नामों की एक लंबी फेहरिस्त है। जिसमें विनिता गुप्ता देशबंधु गुप्ता की बेटी भी शामिल हैं। विनिता गुप्ता 2013 से देश की तीसरी बड़ी दवाई कंपनी ल्युपिन के प्रमुख का दायित्व निभा रही हैं।

वही कुछ बेटियां ऐसी भी हैं। जिन्हें अपने पिता या पति के व्यवसाय में कोई रुचि नहीं दिखाई पड़ी तो उन्होंने स्वयं की लकीर खींचने का प्रयास किया। इसमें बोतलबंद पानी कंपनी बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान की बेटी जयंती और कुमार मंगलम की बेटी अनन्या शामिल हैं। बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान की बेटी ने अपने पिता के व्यवसाय को आगे चलाने से इनकार कर दिया। जबकि कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी अनन्या ने पिता का व्यवसाय चलाने के बजाय खुद की कंपनी माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। ये कुछ ऐसी मातृ शक्ति की कहानी है। जो आज हमारे समाज को आईना दिखाने का कार्य कर रही हैं। आज महिलाएं अपने बलबूते हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रहीं हैं। साथ ही पितृसत्तात्मक सोच में बदलाव भी देखने को मिल रहा है। लोकतांत्रिक सरकारें भी लगातार आधी आबादी को पूरे अधिकार उपलब्ध कराने का भरपूर प्रयास कर रही हैं। साथ ही हमारी रहनुमाई व्यवस्था ने महिला शक्ति को जन धन योजना से जोड़कर बड़ा आर्थिक समृद्धि का कदम उठाया। उसके बाद महिलाओं के लिए अनगिनत ऐसी योजनाएं क्रियान्वित की। जिससे समाज में भ्रूण हत्या जैसे घिनौने कृत्य पर काबू पाया जा सके। आज हमारे समाज में कन्या भ्रूण हत्या के मामलों में तेजी से गिरावट आई है। जो इस तरफ इशारा करती है कि समाज ने अब बेटा-बेटी में भेदभाव को दरकिनार करना शुरू कर दिया है। बीते दिनों की ही बात है।

बेटियों पर बढ़ता भरोसा पितृसत्तात्मक सोच में आ रहा बदलाव

सोनम लववंशी

हमारे समाज में महिलाओं ने दशकों तक अन्याय और पूर्वाग्रह को झेला है। महिलाओं को चारदीवारी में भी लंबे समय तक कैद रखा गया। धीरे-धीरे इस परिस्थिति में बदलाव आना शुरू हुआ। जिसके बाद मातृशक्ति ने लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए अपनी एक पहचान बना ली! आज वैश्विक परिदृश्य पर महिलाएं बेड़ियों को तोड़कर अपने सपनों और लक्ष्यों को साकार कर रही हैं। जिसमें हमारे देश की महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। सुखद पहलू यह है कि हमारे समाज की सोच और धारणा भी अब मातृ शक्ति के प्रति बदल रही है। आज महिलाओं को भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहें हैं। पहले स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव किया जाता था महिलाओं को घर के कामों तक ही सीमित रखा जाता था लेकिन अब जमीन से लेकर आसमां तक महिलाओं की पहुँच सुनिश्चित हो चुकी है। महिलाएं स्वयं अपनी किस्मत की लकीर खींच रही तो पिता और पति भी अब मातृ शक्ति को पारिवारिक व्यवसाय में आगे बढ़ा रहे। जो समाज में बदलाव का संकेत है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपनी एक कंपनी क्रिश्चियन डिओर की जिम्मेदारी अपनी बेटी डेल्फिन को सौंपी है। जो आधुनिक समाज और मातृ शक्ति के सशक्तिकरण की दिशा में एक मिसाल है। बेटियों पर उद्योगपतियों का बढ़ता भरोसा इस बात का भी द्योतक है कि अब मानवीय संवेदना और मूल्यों में भी परिवर्तन आ रहा है। पहले पितृसत्तात्मक समाज की सोच यही रहती थी कि कुल का दीपक एक लड़का ही हो सकता है। परिवार का व्यापार बढाने का काम एक बेटा ही कर सकता है लेकिन इस सोच में बदलाव वैश्विक स्तर पर देखने को मिल रहा है। जिसमें हमारा देश भी पीछे नहीं है। मुगल काल के पश्चात भले हमारे समाज में महिलाओं के हक में कटौती कर दी गई लेकिन धीरे-धीरे संवैधानिक मूल्यों को तरजीह देते हुए महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। भारत में भी वर्तमान समय में कई बड़े उद्योगपति हैं। जिन्होंने अपने व्यवसाय की जिम्मेदारी बेटियों को सौंपी है। एक रिपोर्ट की मानें तो वर्तमान समय में देश में 24 फीसदी पारिवारिक व्यवसाय महिलाएं चला रही हैं। जिसमें से 76 प्रतिशत पिता और 24 फीसदी महिलाएं पति का व्यवसाय संभाल रही हैं। जो मातृ शक्ति के आत्मनिर्भर बनने और सशक्तिकरण की नई परिभाषा पेश करती है। देश में ईशा अंबानी एक ऐसा नाम है। जो 2014 से रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह जिम्मेदारी उनके पिता मुकेश अंबानी ने दी थी। नोएल टाटा की बेटी लेह वर्ष भी 2022 से ताज होटल समूह की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। इसके अलावा आदी गोदरेज की बेटी निसाबा गोदरेज वर्ष 2017 से गोदरेज समूह की कार्यकारी अध्यक्ष हैं। शिव नाडार की बेटी रोशनी ने 2020 में एचसीएल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल ली थी। ऐसे नामों की एक लंबी फेहरिस्त है। जिसमें विनिता गुप्ता देशबंधु गुप्ता की बेटी भी शामिल हैं। विनिता गुप्

संक्षिप्त खबरें

सपा प्रत्याशी के एजेंट व भाजपा कार्यकर्ता में नोकझोंक

हसनपुर। स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान हसनपुर के बूथ संख्या 145 पर फर्जी वोट डालने के आरोप को लेकर सपा प्रत्याशी के एजेंट व भाजपा कार्यकर्ता के बीच नोकझोंक हुई।पुलिस ने दोनों को समझा बुझाकर शांत कराया।फिलहाल मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है।स्थानीय ब्लॉक कार्यालय में बने बूथ संख्या 145 पर सपा नेता चंद्रपाल सिंह सैनी पार्टी प्रत्याशी के एजेंट हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े एक युवक ने अवैध तरीके से किसी दूसरे का वोट डाल दिया।जैसे ही वोट डालकर युवक बूथ से बाहर निकला तो चंद्रपाल सैनी ने इसका विरोध किया।दोनों ओर से नोकझोंक हो गई।मतदान केंद्र पर तैनात पुलिस ब प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सुशील कुमार वर्मा ने दोनों पक्षों समझाकर मामला शांत कराया।चंद्रपाल सैनी ने आरोप लगाया कि भाजपाई दूसरे लोगों के वोट डाल रहे हैं।खासकर सपा से जुड़े मतदाताओं के वोट भाजपाई पहले ही डाल दे रहे।मतदाता बूथ पर पहुंचता हैतो पता लगता है कि उसका वोट डाला जा चुका है।आला अफसरों से मामले की शिकायत की गई है।वहीं एसडीएम विजय शंकर ने फर्जी वोटिंग को लेकर कोई भी शिकायत न मिलने की बात कही है।

विवाहिता को मायके में घुसकर पीटा, ननदोई ने की छेड़खानी

नौगावां सादात। ससुराल में विवाहिता को दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।विरोध करने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया।मायके पहुंचे ननदोई पर छेड़खानी करने का भी आरोप है।पीड़िता की तहरीर पर महिला थाना पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ महिला थाना पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।नौगावां सादात निवासी किसान ने बेटी की शादी बिजनौर जिले के धामपुर निवासी एक युवक के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष कम दहेज का ताना देकर विवाहिता को प्रताड़ित कर रहा था। ससुराल पक्ष की ओर बतौर दहेज पांच लाख रुपये व कार की मांग की जा रही थी। विरोध करने पर ससुराल मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। इसके बाद बीती 15 जनवरी को विवाहिता अपने मायके में थी। ससुराल पक्ष के लोग वहां भी आ धमके। विवाहिता को मारपीटकर घायल कर दिया। ननदोई ने छेड़खानी कर बाल पकड़ते हुए घसीटा। पीड़िता ने शिकायत महिला थाना पुलिस पुलिस से की। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि मामले में आरोपी पति मोहसिन, सास सायरा, ससुर मुमताज, देवर कासिम व वसीम, ननद सना, ननदोई आफताब के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बलिदान दिवस पर राष्ट्रपिता को किया नमन

अमरोहा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने नमन किया। जिला मुख्यालय समेत सभी ब्लॉक,नगर पालिका व पंचायत क्षेत्रों में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया गया। बतौर मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने कहा कि राष्ट्रपिता भारत की आत्मा में बसते हैं उनके नाम के बिना देश अधूरा है।युवा पीढ़ी को उनके जीवन वृतांत की बावत जानकारी करनी चाहिए।इस दौरान चौधरी सुखराज सिंह, चौधरी शमीम अयूब, हाजी खुर्शीद अनवर, डा.सिराजुद्दीन हाशमी, फैज आलम रायनी, यासिर अंसारी, अली इमाम रिजवी, मैराजुल, जाहिद सैफी, मनोज कटारिया, मयंक कुमार गुर्जर, सुरेंद्र प्रजापति, अब्दुल सत्तार सैफी, चौधरी नरेंद्र सिंह, सचिन चौहान, अनवर हुसैन, हरिओम पुष्कर,दीपक चौधरी,नदीम चौधरी,विनोद कुमार सक्सेना आदि मौजूद रहे।

ब्रेजा के बोनट पर बैठकर स्टंटबाजी करने वाला युवक गिरफ्तार

रजबपुर। ब्रेजा के बोनट पर बैठकर हाइवे पर स्टंटबाजी करने वाले यूट्यूबर को रजबपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर शांतिभंग करने के आरोप में चालान किया। हालांकि सोशल मीडिया पर रविवार को वायरल हुआ वीडियो पुराना बताया जा रहा है। कार को दहेज में देने का मामला भी सामने आया है, जो कि फिलहाल मेरठ में है।गौरतलब है कि रविवार को सोशल मीडिया पर स्टंटबाजी का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो को रजबपुर थाना क्षेत्र में वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पास फ्लाईओवर पर बनाया गया था। वीडियो में नई ब्रेजा कार के बोनट पर सवार युवक खतरनाक स्टंट करते हुए दिखाई दे रहा था। स्थानीय निवासी एक युवक ने स्टंटबाजी के इस वीडियो को सोशल मीडिया शेयर करते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर अमरोहा पुलिस के नग ट्वीट किया था। वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई रजबपुर पुलिस ने स्टंटबाजी करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक रमेश सहरावत के मुताबिक स्टंटबाजी के आरोपी युवक थाना क्षेत्र के गांव शकरपुर निवासी यश का शांतिभंग करने के आरोप में चालान किया गया है।जांच में वायरल वीडियो पुराना निकला है,जिसमें इस्तेमाल कार को मेरठ में दहेज बतौर देने की बात सामने आई है।आरोपी को भविष्य में स्टंटबाजी न करने की हिदायत भी दी गई है।

गांधी जी के आदर्शों को जीवन में उतारें : डा0 हाशमी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर हाशमी गर्ल्स डिग्री कालेज की एन0एस0एस0 इकाई की छात्राओं ने कालेज प्राचार्या डा. रिजवाना कुलसूम ने मौन धारण कर उनके पदचिन्हों पर चलने व उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का भी संकल्प लिया।छात्राओं को संबोधित करतीं कालेज प्रबन्धक डॉ0 सिराज उददीन हाशमी एड0 ने कहा कि हमें महात्मा गांधी के बताए रास्तों पर चलना चाहिए। गांधी जी ने हमेशा हिंसा को छोड़ अहिंसा को अपनाने पर जोर दियां देश के लिए जो महात्मा गांधी जी की कुर्बानियां हैं उन्हें देश कभी नहीं भुला सकता। 30 जनवरी, साल 1948 वही तारीख है जब नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी. यह दिन पूरे देश के लिए क्षति का दिन बन गया था इसलिए महात्मा गांधी की याद में उनकी पुण्यतिथि को भारत शहीद दिवस के तौर पर मनाता है। महात्मा गांधी का नाम ना केवल भारतीय जनमानस में बल्कि पूरी दुनिया में स्थायी छाप की तरह मौजूद है 13 जनवरी 1948 को उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम एकता बनाए रखने और साम्प्रदायिक उन्माद के खिलाफ कोलकाता में आमरण अनशन शुरू किया था, ये उनके जीवन का आखिरी अनशन था। 18 जनवरी 1948 को अपना अनशन खत्म करने के ठीक 11 दिन बाद 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई, अपनी हत्या से तीन दिन पहले ही गांधीजी दिल्ली में शांति लाने के उद्देश्य से महरौली स्थित कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी दरगाह गए थे. उस समय दिल्ली सांप्रदायिक हिंसा में जल रही थी. दरगाह छोड़ने से पहले गांधीजी ने लोगों की एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए सांप्रदायिक सद्भाव और एकता का संदेश दिया था।

कालेज प्राचार्या डा0 रिजवाना कुलसूम ने कहा कि आज हम अगर आजादी की फिजाओं में सांस ले रहे हैं तो उसमें हमारे पूर्वजों का बहुत बड़ी भूमिका है। गांधी जी का कहना था कि हम किसी भी समस्या का सामना तभी कर सकते हैं जब हममें इत्तिहाद होगा और हम तालीम याफ्ता होगे। किसी भी मुल्क, कौम व समाज की तरक्की ना करना उनका तालीम याफ्ता न होना ही वजह है। आज वही मुल्क तरक्की की राह पर बढ़ रहे हैं जो तालीम याफ्ता है। इस दौरान स्वयं सेविकाओं ने महाविद्यालय में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। छात्राओं को स्वच्छता का पाठ पढाते हुए कहा कि आप लोग अपने घर को साफ रखें, मौहल्ले को साफ रखें और स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना योगदान करे।इस अवसर पर कालेज का समस्त स्टाफ भी मौजूद रहे।

कुआखेड़ा में न्यू मेरठ हास्पिटल एवं जच्चा बच्चा केंद्र का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

धनौरा/कुआखेड़ा।धनौरा-अमरोहा रोड स्थित कुआखेड़ा में सुविधाओं से लैस न्यू मेरठ हास्पिटल एवं जच्चा-बच्चा केंद्र का उद्घाटन डॉ अवनीश गिल एवं डॉ अलीवारीश मलिक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस दौरान उन्होंने अस्पताल में सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने बताया कि कुआखेड़ा क्षेत्र के लोगों को न्यू मेरठ हास्पिटल एंव जच्चा-बच्चा केंद्र खुलने से महिलाओं के लिए नॉर्मल डिलीवरी से लेकर आपरेशन तक की सुविधाओं का लाभ मिलेगा।इससे ग्रामीण क्षेत्रवासियों को शहर की तरफ नहीं जाना पड़ेगा।अस्पताल के डारेक्टर डॉक्टर मुनसफ अली ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए कस्बा कुआखेड़ा में खुला न्यू मेरठ हास्पिटल एवं जच्चा बच्चा केंद्र में अच्छे डाक्टरों द्वारा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होगी।जिस कारण उन्हें अन्य जगह नहीं जाना पड़ेगा।इस मौके पर डॉ अवनीश गिल, डॉ अलीवारीश मलिक, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ मुनसफ अली,डॉ रजा सैफी, डॉ शाहिन,डॉ सलोचना देवी,डॉ ईस्माइल, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉक्टर अलीवारीश, ग्राम प्रधान नदीम अहमद, पूर्व ग्राम प्रधान आसीम सैफी, पूर्व ग्राम प्रधान नाजिर(वासीपुर वालें) सहित क्षेत्र के दर्जनों लोग शामिल रहे।

कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता की दिलाई शपथ

- 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा कुष्ठ रोगी खोजो अभियान
- जनपद को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे:सीएमओ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार को राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। इसमें कुष्ठ रोग से लड़ने के लिए शपथ दिलाई गई। सीएमओ ने बताया कि यह अभियान 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा।सीएमओ डॉ राजीव सिंघल ने बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि व विश्व कुष्ठ दिवस को स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के रूप में मनाया जा रहा है।

इस बार विश्व कुष्ठ दिवस का विषय है अब कार्य करें, कुष्ठ रोग समाप्त करें। अभियान के तहत शपथ दिलाई गई कि कुष्ठ रोग से जनपद को मुक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कुष्ठ रोग को पहचानना बहुत आसान है।

सभी कुष्ठ रोगी को खोजने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए टीम घर-घर जाकर कुष्ठ रोगी खोजेगी।वर्तमान में जिले में 139 कुष्ठ रोगियों का इलाज चल रहा है।जनपद के सभी ब्लाकों में सघन कुष्ठ रोगी खोज एवं नियमित निगरानी कार्यक्रम चलाया जाएगा।सीएमओ ने बताया कि कुष्ठ ऐसी बीमारी है,जिसके लक्षण लंबे समय बाद प्रकट होते हैं। कुष्ठ रोग के लक्षण उत्पन्न होने में कुछ हफ्तों से लेकर बीस साल तक का समय लग जाता है। कुष्ठ रोगियों के साथ रहने को लेकर भी समाज में कई तरह की भ्रांतियां फैली हैं।इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सत्यपाल सिंह, डॉ राजकुमार, फिजियोथेरेपिस्ट डा ओमप्रकाश,जिला कुष्ठ परामर्शदाता डा.मोहित त्यागी,एहसान अली,विपुल कुमार आदि मौजूद रहे।

महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने बापू को नमन किया, श्रद्धांजलि दी

भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर टाउनहाल गांधी पार्क में झंडारोहण

लखनऊ, एजेंसी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को कांग्रेस के कार्यकताओं ने टाउनहाल गांधी पार्क में स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पार्टी के भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर झंडारोहण भी किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में शामिल पार्टी के प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष प्रयागराज जोन, पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि बापू की आज पुण्यतिथि है। गांधीजी के व्यक्तित्व व योगदान को शब्दों में समेटना मुश्किल है। महात्मा गांधी सदैव सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते थे। उन्होंने देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराने के लिए सत्य और अहिंसा को अपनाया और जीत हासिल की। ह्यअहिंसा परमो धर्मः ह्व का उनका संदेश पुरी दुनिया में मशहूर है। भारत ही नहीं विदेशों तक लोग किसी आंदोलन या प्रदर्शन के लिए अंहिसा के मार्ग को अपनाते हैं। अजय राय ने कहा कि बापू के संदेश को आत्मसात कर राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्रा कर भारत जोड़ो यात्रा के रुप में भारत को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को अभूतपूर्व ऐतिहासिक सफलता मिली। राष्ट्रीय एकता अखण्डता शांति सदभाव प्रेम भाईचारा का प्रतीक रहा भारत जोड़ो यात्रा। आजादी के बाद साल 1948 में पं. जवाहर लाल नेहरु ने लाल चौक से तिरंगा लहराकर देश को दिया था एकता और भाईचारे का संदेश। राहुल गांधी ने इतिहास दोहराते हुए उसी परंपरा को निभाया, लाल चौक पर तिरंगा फहराया और देश में नफरती माहौल के बीच एकता का संदेश दिया। सभा में जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, संजीव सिंह, फसाहत हुसैन बाबू, डॉ राजेश गुप्ता, अशोक सिंह, मनोज दुबे, साजिद अंसारी, पंकज चौबे, विजय शंकर पाण्डेय, मनीष मोरोलिया, अफजाल अंसारी, तुफैल अंसारी, हसन मेंहदी कब्बन आदि उपस्थित रहे।

कानपुर में वसूली का पर्चे वायरल होने से मचा हड़कंप

लखनऊ, एजेंसी

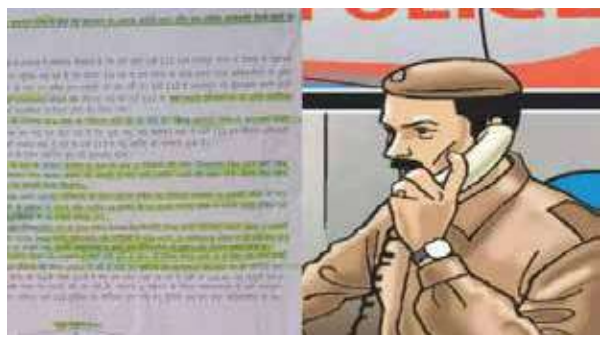

कमिश्नरेट पुलिस किसी न किसी विवाद के चलते रोजाना किरकिरी कराने से बाज नहीं आ रही है। एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां यूपी 112 में तैनात कुछ पुलिसकर्मियों ने अपने उच्च अधिकारियों पर वसूली का आरोप लगाते हुए त्रस्त होकर एक पत्र सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। जिससे महकमें में हड़कंप मच गया। पत्र में यूपी 112 के एसपी तीन दरोगाओं के साथ मिलकर किस तरह वसूली का सिंडीकेट चला रहे हैं, उसका खुलासा किया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने पूरे मामले में जांच बैठा दी है। सोमवार को सोशल मीडिया पर वायर ल हुए पर्चे में साफ हरे हाईलाइटर से अंकित है कि यूपी 112 में तैनात पुलिस कर्मियों से डेढ़ साल से जमकर वसूली की जा रही है। आरोप लगाया गया है कि इसमें तैनात पूर्व एसपी ने वसूली की शुरूआत की थी। उनकी शह पर डायल-112 में तैनात दरोगा पुलिस कर्मियों से वसूली करते थे। बीते छह महीनों से ट्रांसफर पोस्टिंग नहीं की जा रही है। आरोप लगाया कि नोडल अधिकारी भी वसूली में पूरी तरह से लिप्त हैं। वायरल पर्चे में लिखा है कि पीआरवी का औचक निरीक्षण करके जरा सी भी लापरवाही मिलने पर रोजाना दो से तीन गाड़ियों की रपट लिखाई जाती है। इसके बाद जीडी मुंशी कैरेक्टर रोल खराब करने की धमकी देता है और प्रति व्यक्ति 10 से 15 हजार रुपये लेता है। साथ ही उनके बदले पीआरवी पर तैनाती के नाम पर 20 से 30 हजार रुपये की वसूली की जा रही है। वह लोग वसूली से पूरी तरह से त्रस्त हैं। एक पुलिस अधिकारी अपने निजी कर्मचारियों से पीआरवी में तैनात पुलिस कर्मियों का वीडियो बनवाते हैं। इसके बाद जांच में क्लीनचिट के नाम पर 10 से 15 हजार रुपये की वसूली करते हैं। वायरल पर्चे में एसपी डायल-112 पर हाईवे पर मोटी वसूली का भी आरोप लगाया है। बिल्हौर, घाटमपुर, सचेंडी और महाराजपुर में हाईवे पर पीआरवी से रोजाना लाखों रुपये की वसूली कराई जाती है। आरोप है कि जीडी प्रभारी दरोगा हाईवे पर तैनात पीआरवी से रोजाना 30 से 40 हजार रुपये की वसूली का हिसाब लेते हैं। आरोप है कि डायल-112 में तैनात तीन दरोगा पूरा वसूली का सिंडीकेट चला रहे हैं। 10 किमी के दायरे में करना चाहते काम, स्थानन्तरण के नाम पर वसूल रहे रकम वायरल पर्चे में पुलिस कर्मियों ने अपना दर्द बयां किया है। पुलिस कर्मियों का कहना है कि जहां रहते हैं, उसके 10 किलोमीटर के दायरे में ड्यूटी करना चाहते हैं। इसके लिए भी उनसे मोटी रकम वसूली जा रही है। इतना ही नहीं छह महीने अभी पूरे नहीं हुए हैं, और ट्रांसफर लिस्ट तैयार होने लगी है। सोशल मीडिया पर वायरल यूपी-112 कानपुर के संदर्भ में लिखे हुए पर्चे को संज्ञान में लेते हुए इसकी जांच पुलिस उपायुक्त मुख्यालय रवीना त्यागी को दी है, साथ ही यह निर्देश भी दिया है कि जांच त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से हो ताकि सही एवं प्रभावी कार्यवाही अविलंब की जा सके।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा- 2024 में दिखाएंगे लोकतंत्र की ताकत

लखनऊ, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अर्थव्यवस्था को बदहाल किये जाने का आरोप लगाते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अखिलेश यादव ने कहा कि युवा शक्ति की बदौलत उनकी पार्टी 2024 में भारी जीत के लिये रणनीति के तहत काम कर रही है। अखिलेश यादव ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, ह्लबुनियादी समस्याओं से लोगों को भटकाया जा रहा हैं। अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। जब देश की अर्थव्यवस्था खराब है तो कब उद्योगपति कैसे निवेश कर पाएंगे शेयर मार्केट बराबर नीचे जा रहा है। एलआईसी और एसबीआई का पैसा डूब रहा है किसको को दोषी मानकर सरकार कार्रवाई करेगी। रामचरितमानस के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के सवाल पर उन्होने कहा ह्ल मैं सभी भगवान को मानता हूं। रामचरितमानस का सवाल समय आने पर सदन में उठाऊंगा।ह्व उन्होंने कहा कि संगठन के माध्यम से जनता के हर समुदाय तक अपनी बात पहुंचायेंगे और पार्टी को मजबूत बनाएंगे। समाजवादी पार्टी का अपना सिद्धांत है और रास्ता है। हमे अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ना है। 2024 के चुनाव पार्टी पूरी तरह तैयार है। हमने मैनपुरी में दिखा दिया। हम किसान और नौजवान को खुशहाल देखना चाहते हैं। फिरोजाबाद क्षेत्र भी समाजवादी क्षेत्र है। भविष्य में भी यहां से पूरा समर्थन मिलेगा मैनपुरी के चुनाव में भी फिरोजाबाद के लोगों ने बहुत समर्थन सहयोग दिया है। इन्वेस्टर सम्मिट 2023 के एक सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार विदेशों निवेश नहीं मिलने पर अब जिले जिले में निवेश के लिए प्रयास कर रही है। आखिर ऐसे हालात में कौन उद्योगपति निवेश करना चाहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि भाजपा जातीय जनगणना से पीछे हट रही है आने वाले निकाय चुनावों में भी समाजवादी पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी।

विचार ही सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक परिवर्तन का आधार बनेगा : विनायक राव देशपांडे

लखनऊ, एजेंसी

विश्व हिन्दू परिषद, माघ मेला शिविर में सोमवार को सामाजिक समरसता गोष्ठी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि विहिप के केंद्रीय संगठन महामंत्री विनायकराव देशपांडे ने कहा कि भाषा, प्रांत, जाति से पहले हम हिन्दू हैं, यह विचार ही सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक परिवर्तन का आधार बनेगा। सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता, जाति व्यवस्था एवं छुआछूत समाप्त हो, तभी धर्मांतरण रुक सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य भगवान श्रीराम हैं हम उनको अपना आदर्श मानते हैं। राम केवट के हैं, राम निषाद के हैं, राम शबरी के हैं। कथनी और करनी में अंतर ना हो कण-कण में भगवान हैं। 12वीं सदी के पहले न पर्दा प्रथा थी, बाल विवाह था। सारी बुराइयां 12वीं सदी के बाद आई हैं। सर्वाधिक अत्याचार मुस्लिम आक्रांताओं द्वारा किया गया है। लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ। विदेश से आए आक्रांताओं से लड़ने में जो हार गए उनका शोषण किया गया और उन्हें ऐसे कार्य करने पड़े जो मानवीय दृष्टिकोण से ठीक नहीं था। वह धार्मिक योद्धा है जिन्होंने धर्म परिवर्तन नहीं किया। आक्रांताओं के अत्याचार सहे विश्व हिंदू परिषद अपनी स्थापना से समरस समाज के लिए कार्य कर रहा है। केन्द्रीय संगठन मंत्री ने कहा कि हम हिन्दू एक हैं। ऐसे धार्मिक योद्धाओं का सम्मान विश्व हिंदू परिषद करेगी। हम सभी भारत माता के पुत्र हैं सभी मंदिरों में धार्मिक योद्धाओं का प्रवेश हो। सारे संसाधनों पर उनका बराबर अधिकार हो। विहिप का प्रथम सम्मेलन इसी पुण्य भूमि पर सामाजिक समरसता को लेकर हुआ था। आज विश्व हिन्दू परिषद अनेक संतों के माध्यम से समरसता के लिए समाज में जागरण का कार्य कर रहा है। सभी हिन्दू समाज अपने धर्म एवं संस्कृति की रक्षा संवर्धन संरक्षण के लिए जागरूक हों, जो समाज राष्ट्र अपनी संस्कृति को भूल जाता है वह समाज और राष्ट्रीय ही समाप्त हो जाता है। पूर्व में कभी भी अस्पृश्यता और जाति का स्थान नहीं रहा है। आज विहिंप का मूल वाक्य है कि हम अपने पूर्वजों को पहचाने और ऐसे धार्मिक योद्धाओं के गोत्रों की पहचान होनी चाहिए। अध्यक्षता कर रहे बृजमोहन शीला ने कहा आज आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भी कहीं-कहीं जाति और अस्पृश्यता की बातें आती हैं। लेकिन विश्व हिन्दू परिषद ने जो समरसता पर कार्य किए हैं उससे यह कहा जा सकता है कि बहुत जल्दी धर्मांतरण और अस्पृश्यता समाप्त हो जायेगा। विहिंपद हिन्दू समाज में जागरण का कार्य 1964 से आज तक कर रहा है। राम जन्मभूमि आंदोलन के समय भी वहां की पहली ईट अनुसूचित समाज के कामेश्वर चौपाल से रखवा कर यह साबित कर दिया था कि जाति जैसा कुछ नहीं है। विश्व हिन्दू परिषद पूरे दुनिया में हिन्दू धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रहा है। ऐसे अनेक कार्यक्रम संगठन द्वारा किए जा रहे हैं जिसका परिणाम है कि आज देश के सर्वोच्च पद पर अनुसूचित जनजाति की महिला विराजमान है। विहिप समाज के ऐसे वंचित लोगों के बीच आज सेवा शिक्षा चिकित्सा का कार्य कर रहा है और वहां से निकलने वाली पीढ़ी देश के सर्वोच्च पदों पर विराजमान हो रही हैं। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय सह मंत्री अंबरीश सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश गजेंद्र, प्रांत अध्यक्ष कवींद्र प्रताप सिंह, प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कुमार, प्रांत सह संगठन मंत्री नितिन, श्याम चंद्र हेला, हरि किशन बाल्मीकि, सुरेश सुदर्शन, राजेश सोनकर, सावन जोगी, अर्जुन कनौजिया, सुरेश भारतीय, छाया देवी, आशा देवी, अशोक प्रजापति, रविंद्र मोहन गोयल आदि उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने मतदान कर भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने का किया आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला पंचायत अध्यक्ष चौ० ललित तंवर ने ब्लॉक गजरौला में स्नातक क्षेत्र विधान परिषद सदस्य चुनाव में मतदान स्थल पर पहुंचकर भाजपा प्रत्याशी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त के पक्ष में मतदान किया व साथ ही मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त को अधिक से अधिक वोट देकर भारी मतों से विजय बनाने अपील की।उसके पश्चात नौगावां सादात स्थित भगवन्त सिंह चौहान के कनक फार्म हाऊस पर पहुंचकर जिला पंचायत सदस्यों व क्षेत्रवासियों के साथ बैठकर आगामी विकास कार्यों के विषय पर चर्चा की व सभी के साथ जलपान किया। साथ ही हसनपुर के ग्राम मंगरौला में शिव मन्दिर पर भण्डारे में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया, साथ ही ग्राम मंगरौला निवासी अंकुर शर्मा की माता के निधन पर शोक जताया व स्व० तेजपाल सिंह की आरष्टी में उपस्थित होकर शोकाकुल परिवारों का ढांढस बंधाया। जिला पंचायत सदस्य पवनीत दिवाकर, भगवन्त चौहान, राहुल चौहान, पिन्टू भाटी, जितेन्द्र सिंह, मुअज्जम अली, रिंकू गुर्जर, ग्राम प्रधान सोमपाल सिंह, पूर्व प्रधान जयकरन सिंह, इकबाल सिंह, योगेश कुमार, कल्याण सिंह, अंकुर शर्मा, सुधीर शर्मा व महेन्द्र सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

जिले में कडी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ स्नातक एलएलसी के लिये मतदान

- डीएम व एसपी ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण
- भाजपा व सपा प्रत्याशियों के बीच रहा मुकाबला

प्रात : किरण, संवाददाता

बिजनौर। बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातक एमएलसी चुनाव के लिये सोमवार को जिले में शांतिपूर्वक वातावरण में मतदान हुआ। भाजपा व सपा प्रत्याशियों के बीच मुकाबला रहा। हालांकि भाजपा कार्यकर्ता अपनी जीत के प्रति पूर्ण आश्वास्त हैं। प्रशासन ने निश्पक्ष व शांतिपूर्वक मतदान के लिये सुरक्षा आदि के मुकम्मल इंतजाम किये थे।

डीएम उमेश मिश्रा व एसपी दिनेश सिंह ने मतदान केन्द्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। मतदातन के लिये जिले में 23 मतदान केन्द्र व 36 बूथ बनाये गये। मतदान प्रातः आठ बजे शुरू होकर सायं चार बजे तक हुआ। ठण्ड के कारण मतदाता देर से निकले।

जिला मुख्यालय पर मौ0पुर देवमल ब्लाक कार्यालय तथा जीआईसी व जीजीआईसी में मतदान हुआ। तीनों मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के कडे प्रबंध रहे। नूरपुर संवाददाता के अनुसार कस्बे के चारों बूथों पर निर्धारित समय पर पुलिस की कडी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ। नांगलसोती में राजा भरत सिंह इंटर कालेज में मतदान केन्द्र पर बारिश के कारण मतदान बहुत धीमी गति से शुरू हुआ।

मंडावर में नगर पंचायत कार्यालय में बनाये गये बूथ पर वोट डाले गये। कस्बे में कुल 226 मतदाता हैं। सुरक्षा के कडे प्रबंध रहे। अफजलगढ नगर पालिका परिषद कार्यालय में स्थित मतदान केन्द्र पर धीमी गति से मतदान शुरू हुआ। किरतपुर ब्लाक कार्यालय पर मतदान के लिये दो बूथ बनाये गये। कुल 2187 मतदाताओं में दोपहर 12 बजे तक 410 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुकाबला एक तरफ भाजपा के पक्ष में रहा। किसी दूसरी पार्टी का बस्ता झंडा नजर नहीं आया। नहटौर नगर पालिका ब्लाक कार्यालय में मतदान केन्द्र बनाये गये।

हल्दौर में ब्लाक व नगर पालिका कार्यालय पर बनाये गये मतदान केन्द्रों पर वोट डाले गये। सभी स्थानों पर सुरक्षा के कडे प्रबंध रहे।

बापू की शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करती हैं: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

योगी ने सोमवार को ट्वीट किया, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। बापू के समग्र चिंतन में मनुष्यता, स्वतंत्रता एवं समरसता का आह्वान है। उनकी शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति की संकल्पना की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

इससे पहले योगी ने लखनऊ में जीपीओ पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ट्वीट किया,सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

महिलाओं को पुलिस ने किया जागरूक

बिजनौर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

पुलिस ने चलाया छात्राओं में जागरूकता अभियान

नहटौर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

महिलाओं व युवतियों को मिशन शक्ति के प्रति किया जागरूक

धामपुर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

हैल्प डैस्क के प्रति चलाया अभियान

चांदपुर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

रामचरितमानस के पन्ने की फोटोकॉपी जलाने के मामले में स्वामी मौर्य समेत 10 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाने में अखिल भारतीय ओबीसी महासभा द्वारा रामचरितमानस के कथित तौर पर महिलाओं और दलितों पर आपत्तिजनक टिप्पणी वाले पन्नों की फोटोकॉपी जलाने के मामले में समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य समेत 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सतनाम सिंह लवी नाम के व्यक्ति की शिकायत पर यहां पीजीआई थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रामचरितमानस के पन्नों की प्रति जलाने से शांति को खतरा है। उन्होंने बताया भारतीय दंड संहिता की धारा 142, 143, 153 ए, 295, 295 ए, 298, 504, 505, 506 और 120 बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। प्राथमिकी में मौर्य के अलावा देवेंद्र प्रताप यादव, यशपाल सिंह लोधी, सत्येंद्र कुशवाहा, महेंद्र प्रताप यादव, सुजीत यादव, नरेश सिंह, एसएस यादव, संतोष वर्मा, सलीम और अन्य अज्ञात शामिल हैं। इस बारे में पूछे जाने पर सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कैंट अनूप कुमार सिंह ने कहा कि हां मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई है। हालांकि इससे अधिक जानकारी होने से उन्होंने अनभिज्ञता जताई। उल्लेखनीय है कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थन में अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के कार्यकताओं ने रविवार को कथित तौर पर महिलाओं और दलितों पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के उल्लेख वाले श्रीरामचरितमानस के पन्ने की फोटोकॉपी जलायीं। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा ने मौर्य के समर्थन में लखनऊ के वृंदावन योजना सेक्टर में सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करते हुए श्रीरामचरित मानस के पन्ने की छायाप्रतियां जलायीं। महासभा के पदाधिकारी देवेंद्र प्रताप यादव ने बताया था, जैसा कि मीडिया के एक वर्ग में बताया गया है। कि हमने रामचरितमानस की प्रतियां जलाई थीं, यह कहना गलत है।

राहुल गांधी की पदयात्रा के समापन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने उत्साह के साथ झंडा फहराया

प्रात : किरण, संवाददाता

मंडावली। अखिल भारतीय कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष वे उत्तर उत्तर प्रदेश हाईकमान के आदेश अनुसार जिला अध्यक्ष शेरबाज पठान के निर्देशन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नजीबाबाद की जानिब से 30 जनवरी 2023 को ब्लॉक नजीबाबाद से ग्राम पंचायत गढ़वाला में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्वराष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की पदयात्रा के समापन समारोह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने बड़े उत्साह के साथ झंडा फहराया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत पर मौन धारण किया और महात्मा गांधी जी पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बताए रास्ते पर चलने का प्रण लिया इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मुस्तकीम राईन जिला महासचिव हाजी नसीम अंसारी जिला सचिव मोहम्मद नावेद नगरपालिका नजीबाद की चेयरमैन पद के भावी उम्मीदवार श्रीमती दयावती ब्लॉक उपाध्यक्ष जसवंत सिंह मोहम्मद असलम अंसारी अब्दुल मजीद राईन मुन्ने पहलवान न्याय पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहम्मद असलम अंसारी अरविंद चैधरी शक्ति सिंह अब्दुल रशीद उस्मानी किसान संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किसान संगठन के जिला उपाध्यक्ष गांव के तमाम सम्मानित लोग उपस्थित रहे इस अवसर पर कई ग्राम वासियों को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई ब्लॉक अध्यक्ष मुस्तकीम राईन ने कांग्रेसका पटका पहनाकर उनका सम्मान किया ब्लॉक अध्यक्ष मुस्तकीम राईन हाजी नसीम अंसारी व श्रीमती दयावती जी सिमरन कौर ने संयुक्त रूप से झंडा फहराया।

कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रवक्ताओं द्वारा पेटेंट प्रकाशित किया गया

प्रात : किरण, संवाददाता

बिजनौर। कुंवर सत्यवीरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट बिजनौर के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रवक्ताओं द्वारा एक पेटेंट प्रकाशित कराया गया है, जिसका टॉपिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड होम सिक्योरिटी सिस्टम है

पेटेंट का प्रकाशन 20 जनवरी 2023 को पेटेंट जर्नल नंबर 03 2023 में प्रकाशित हुआ पेटेंट का प्रकाशन संस्था निदेशक प्रो. (डा.) अमित कुमार बंसल के दिशा निर्देश में,विभागाध्यक्ष अंकित राजन अग्रवाल के संचालन व असोसिएट प्रो.इंजी. निधि विश्नोई, डॉ. अभिषेक चैधरी, असि.प्रो. नेहा राजपूत, असि.प्रो. भूपेंद्र सिंह ,असि.प्रो. राजन सहाय, असि.प्रो. नितीश नारायण के सहयोग से हुआ विभागाध्यक्ष अंकित राजन अग्रवाल ने पेटेंट प्रकाश न का सारा श्रेय विभाग की टीम व प्रो. (डा.) अमित कुमार बंसल के कुशल नेतृत्व को दिया पेटेंट का उद्देश्य घर की सिक्योरिटी फीचर्स मे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा और सुधार करके समाज के क्राइम रेट को कम करना है निदेशक डॉ अमित कुमार बंसल ने बताया कि इस पेटेंट का प्रस्ताव संस्था एप्लिकेशन नंबर 202311003265।

के द्वारा दिनांक 17/01/2023 को फाइल किया गया था संस्था निदेशक ने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय मे संस्था के द्वारा कम से कम 10 पेटेंट ओर प्रकाशित किए जाएंगे इस अवसर पर संस्था सचिव कु॰ उदयन वीरा व कु॰ रुचिवीरा एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य श्रीमति स्वाति वीरा ने टीम को बधाई दी एव आश्वासन दिया कि पेटेंट व अन्य रिसर्च कार्य के लिए संस्था स्टाफ को हर संभव मदद की जाएगी कॉलेज फैकल्टी स्टाफ की ओर से डीन एकेडेमिक मनोज कुमार कुशवाहा, डा॰ लोकेश अग्रवाल, चीफ॰प्रोक्टर डा॰ शुएब अली खान, विभोर राजवंशी, अजय उपाध्याय, गौरव गुप्ता, विवेक कुमार, कुलवेन्द्र सिंह,डा राहुल गर्ग, सुनील भारद्वाज, राजीव कुमार, एन पी एस भण्डारी आदि ने पेटेंट प्रकाशित होने पर हार्दिक शुभ कामनाए एवं बधाई दी।

माकपा ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को भाईचारा दिवस के रूप में मनाया

प्रात : किरण, संवाददाता

नांगलसोती। माकपा ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को भाईचारा दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान माकपा नेताओं ने गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। सोमवार को स्थानीय लाला अमीचंद जूनियर हाईस्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 75 वीं पुण्यतिथि को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी ने आपसी भाईचारा दिवस के रूप में मनाई। इस दौरान माकपा के जिलामंत्री बिजेंद्र सिन्हा ने कहा गांधी जी आजादी की लडाई हिंदू मुस्लिम आदि धर्मों के लोगो को साथ लेकर लड़ी। गांधी जी ने हमेशा आपसी भाईचारे की बात की, वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे। लेकिन आज के नेता इस हिंदू मुस्लिम एकता को तोड़ने पर लगे है। आपसी भाईचारा मजबूत करने के लिए हम आज गांधी जी की पुण्यतिथि को आपसी भाईचारा दिवस के रूप में मना रहे है। कार्यक्रम में माकपा सचिव मंडल सदस्य के0एन0 भट्ट के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया , जिसके बाद सभी सदस्यों ने 2 मिनट का मौन करते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया। इस मौके पर डॉ लड्डन, सुरेंद्र सिन्हा, सुनील कुमार,नफीस अहमद, जमीर अहमद, अनीस अहमद, मुन्ने खां, वेदपाल सिंह, प्रमोद कुमार, पीतम सैनी, शकील अहमद, गजराज सिंह,मोमिन अहमद, मुकेश शर्मा, संदीप जोशी आदि मौजूद रहे।

नजीबाबाद पुलिस द्वारा तीन शातिर बदमाशों को लूटे गये 27290 रुपये, अवैध शस्त्र व स्कूटी सहित किया गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

बिजनौर/नजीबाबाद। पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुन राजपूत पुत्र सतीश कुमार राजपूत निवासी मौ0 मकबरा निकट राजपूत धर्मशाला थाना नजीबाबाद जिला बिजनौर ने थाने पर सूचना दी कि 29 जनवरी 2023 को समय करीब 6.15 बजे नीले रंग की स्कूटी पर सवार 03 बदमाशों द्वारा उसकी साइकिल को साहू डिग्री कालेज के पास पीछे से ओवरटेक कर रोक लिया तथा कैश का बैग जिसमें कम्पनी के करीब 7500-रुपये व अन्य कागजात थे लूट लिया। इस घटना से संबंध में थाना नजीबाबाद में मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्र नजीबाबाद के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम द्वारा सोमवार को अर्जुन पुत्र जयप्रकाश तथा अभय चैहान पुत्र चन्द्रमा सिंह तथा सुबोध कुमार पुत्र संजीव सिंह को कोतवाली के सामने गिरफ्तार किया गया। बदमाशों के पास से नीले रंग की स्कूटी, 02 चाकू 7,650 रुपये सहित अन्य सामान आदि बरामर किए गए। पकडे गये बदमाशों ने अपने दो फरार अन्य साथियों के नाम भी पुलिस को बता दिये हैं।

दो सिपाहियों के साथ मिलकर बदमाशों ने किया था सिगरेट से भरे कंटेनर सहित ड्राईवर का अपहरण

- चारों गिरफ्तार, दोनों सिपाही हुए सस्पैंड

प्रात : किरण, संवाददाता

बिजनौर। खुद को एनसीबी अधिकारी बताकर सिगरेट से भरे कंटेनर सहित ड्राईवर का अपहरण करने वाले चारों लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से दो यूपी पुलिस के सिपाही हैं जो बिजनौर में ही तैनात हैं। पुलिस ने अपहृत ड्राईवर व कैंटर को बरामद कर लिया है। अपहरण व लूट की इस सनसनीखेज घटना में पकडे जाने के बाद पुसिल अधीक्षक दिनेश सिंह ने दोनों सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से सस्पैंड कर दिया है।

गौरतलब है कि घटना 27 जनवरी सुबह आठ बजे की है। अमरोहा जनपद के थाना डिडौली क्षेत्र के ग्राम भीकनपुर निवासी मौहम्मद सालिम का सिगरेट से भरा कैंटर मुजफ्फरनगर जा रहा था। कैंटर को सालिम का भांजा तारिक चला रहा था। उसके साथ हैल्पर के रूप में भगवान शाह भी था। बिजनौर में बैराज रोड पर होटल के पास कैंटर को डस्टर गाडी में सवार चार लोगों ने रोक लिया। इनमें से दो ने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी। बताया जाता है कि उक्त लोगों ने खुद को एनसीबी का अधिकारी बताते हुए तारिक से गाडी व सिगरेट के भरे कार्टन के कागज दिखाने को कहा। बाद में उक्त चारों कैंटर और ड्राईवर तारिक को अपने साथ ले गये। सालिम के अनुसार उन्होंने तारिक से 20 लाख की डिमांड की। तारिक ने पूरी बात अपने मामा सालिम को फोन पर बतायी। सालिम बिजनौर आये लेकिन न तारिक का पता चला और न ही उनके कैंटर का। आरोपी फोन पर तारिक की बात सालिम से कराते रहे और लगातार बीस लाख रुपए मांगते रहे। सालिम के अनुसार बिजनौर ने घटना को गंभीरता से लेते हुए उनकी मदद की और ड्राईवर तारिक व कैंटर बरामद कर लिया। तारिक व कैंटर को ले जाने वाले दो लोग गुडडू पुत्र ऐरान साजिद पुत्र शाहिद निवासीगण ग्राम लालपुर मंगवारी थाना मैनाठेर जिला मुरादाबाद भी पुलिस के हत्थे चढ गये। पूछताछ करने पर पता चला कि उक्त दोनों बदमाशों के साथ बिजनौर पुलिस के दो सिपाही भी थे। इनमें से एक सिपाही लोकेन्द्र यादव पुलिस चैकी पर तैनात है और दूसरा सिपाही सोनू यादव डायल 112 का चालक है। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस कार्यालय पर मीनु गोयल एवं मुनीश त्यागी ने झंडा फहराया

प्रात : किरण, संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर बिजनौर शहर अध्यक्ष श्रीमति मीनु गोयल एवं जिला उपाध्यक्ष मुनीश त्यागी ने झंडा फहराया। कांग्रेस जनो ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुऐ श्रधंजलि दी और दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की ओर उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला उपाध्यक्ष मुनीश त्यागी एव शहर अध्यक्ष मीनु गोयल ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा का जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में लाल चैक पर झंडा फहराने के बाद 3500 किलो मीटर का सफर तय करके समाप्त हो गई है। जिन राज्यो से भारत जोड़ो यात्रा होकर गुजरी वहाँ की जनता का अपार जन समर्थन राहुल गांधी को मिला पूरे देश की कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा ने शामिल होने वाली जनता की आभारी है। उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा की जन विरोधी नीतियों को समझ चुकी है आने वाला वक्त कांग्रेस का है यकीनन 2024 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी ओर राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होंगे। इस अवसर पर बिजनौर शहर अध्यक्ष मीनु गोयल,जिला उपाध्यक्ष मुनीश त्यागी, जिला महासचिव नजाकत अल्वी, अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव हुमायूँ बेग, अब्दुल समद आजाद, हुकम सिंह,दलीप कुमार,नोशाद अहमद,रकीब आलम, शमशुद्दीन सिद्दीकी, सुशीला देवी, दीप ांशी,गोगो, रियासत, लियाकत, कल्लू, असलम, रिहान, बबलू, शब्बू, शमशाद अंसारी, जियाउल, रियाज, इब्राहिम, नोशाद, राजू, पुष्पेंद्र आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

फिल्म जी ले जरा में काम करने वाली हैं आलिया-कटरीना

2021 में जोया अख्तर ने फिल्म जी ले जरा की अनाउंसमेंट की थी, जिसमें एक साथ आलिया भट्ट, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा नजर आने वाली हैं। बीते शनिवार की शाम को आलिया भट्ट और कटरीना कैफ को डायरेक्टर जोया अख्तर के घर के बाहर स्पॉट किया गया है, जिसका एक वीडियो सामने आया है। दोनों को एक साथ स्पॉट किए जाने के बाद से ही फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि क्या फिल्म जी ले जरा की शूटिंग शुरू हो गई है? वीडियो में आलिया ने ऑल-ब्लैक आउटफिट पहना था, वहीं कटरीना व्हाइट टॉप, ब्लू जींस और जैकेट में नजर आईं। दोनों का कैजुअल लुक फैंस को काफी पसंद आया। तीनों एक्ट्रेस पहली बार एक साथ फिल्मी पर्दे पर नजर आएंगी। आलिया और कटरीना काफी अच्छी दोस्त भी हैं, दोनों एक चैट शो पर एक-दूसरे की बेस्ट फ्रेंड फॉरएवर का टैग भी हासिल कर चुकी हैं। वहीं कई मौके पर प्रियंका चोपड़ा के साथ कटरीना को स्पॉट किया गया है। ऑफ स्क्रीन्स भी तीनों एक्ट्रेस अच्छी बॉन्डिंग शेयर करती हैं।

फिल्म को फरहान अख्तर डायरेक्ट करेंगे

इस फिल्म की अनाउंसमेंट जोया अख्तर ने 2021 में किया था। फिल्म की कहानी जोया अख्तर ने लिखी है, वहीं फिल्म को फरहान अख्तर डायरेक्ट करेंगे।

ट्रेंड और करंट अफेयर्स से अपडेट रहते हैं अनिल कपूर

एक्ट्रेस तिलोत्तमा शोम अपने स्ट्रीमिंग शो द नाइट मैनेजर की रिलीजिंग को लेकर काफी उत्साहित है। उन्होंने एक्टर अनिल कपूर के बारे में एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा कि अनिल को नए कलाकारों के साथ जुड़ना पसंद है। वह खुद को ट्रेंड और करंट अफेयर्स से अपडेट रखना पसंद करते हैं। इस बारे में विस्तार से बताते हुए तिलोत्तमा ने कहा, अनिल कपूर न केवल शारीरिक रूप से युवा हैं, बल्कि उनमें नए कलाकारों से जुड़ने की एक शानदार कला भी है। उनकी जिज्ञासा विनम्र है। वह जितना होमवर्क करते है, उसे देख आप वास्तव में हैरान रह जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, सास्वता दा और मेरे पास कोई सीन नहीं था, इससे हम दुखी थे, लेकिन वह सभी चीजों के साथ खुद को खुश रखना जानते हैं। आनंद पोटधुके के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा समय है। हमारे निर्देशक संदीप और प्रियंका ने सभी को कंफर्ट महसूस कराने के लिए हर संभव कोशिश की है। द नाइट मैनेजर हॉलीवुड की इसी नाम से बनी सीरीज का रीमेक है, जो एक नॉवेल की कहानी पर आधारित है, का निर्माण द इंक फैक्ट्री और बनिजय एशिया द्वारा किया गया है। सीरीज का निर्माण और निर्देशन संदीप मोदी और प्रियंका घोष ने किया है। यह शो 17 फरवरी से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

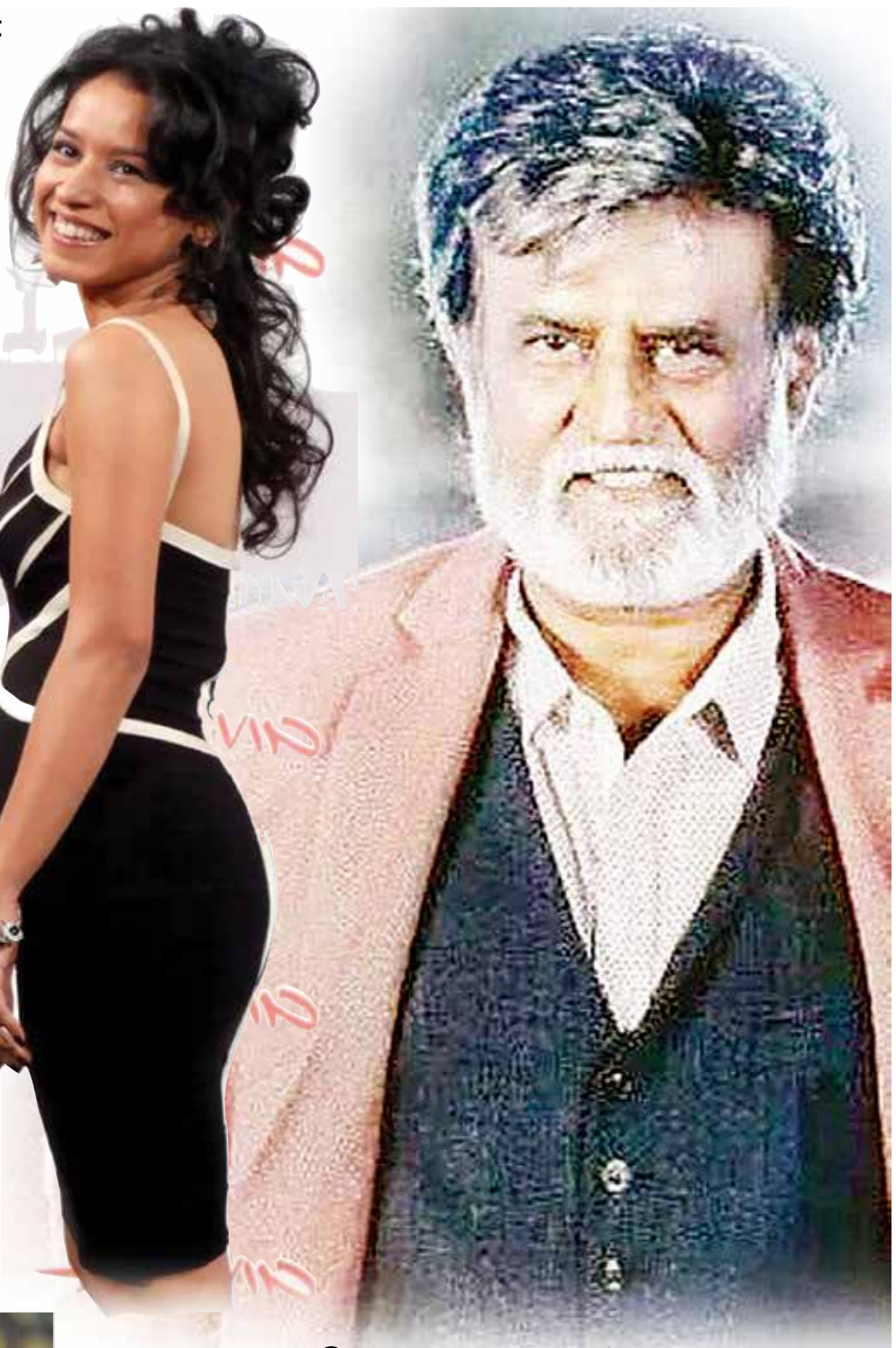

ब्रेकअप के बाद आमिर अली के साथ नजर आईं शमिता

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो टीवी एक्टर आमिर अली के साथ नजर आ रही हैं। शमिता एक्टर आशीष चौधरी के वेडिंग एनिवर्सरी की पार्टी में पहुंची थीं, जहां से लौटते वक्त उनका और आमिर का क्लोज मोमेंट कैमरे पर कैद हो गया।

आमिर, शमिता को अपनी हाथों से पकड़कर कार की गेट पर छोड़ने आए थे। जब शमिता कार में बैठ कर जाने लगीं तो आमिर ने उन्हें गुड बॉय किस भी दिया। बता दें कि शमिता का हाल ही में एक्टर राकेश बापट से ब्रेकअप हुआ था, जबकि आमिर भी अपनी पत्नी संजीदा शेख से अलग हो गए हैं।

शमिता का राकेश बापट से हुआ है ब्रेकअप

शमिता शेट्टी 2021 में बिग बॉस ओटीटी पर नजर आई थीं। वहीं से उनके और राकेश बापट के बीच नजदीकियां बढ़ी थी। दोनों ने कुछ दिन एक दूसरे को डेट भी किया लेकिन उनके बीच रिश्ता ज्यादा दिन चल नहीं पाया और आगे चलकर दोनों का ब्रेकअप हो गया।

आमिर भी अपनी पत्नी से हो गए हैं अलग

आमिर अली और टीवी एक्ट्रेस संजीदा शेख की शादी 2012 में हुई थी। दोनों ने 2019 में सरोगेसी के जरिए एक बच्ची को जन्म दिया था। 2022 आते-आते दोनों ने एक दूसरे से तलाक लेने का फैसला किया। जनवरी 2022 में दोनों अलग हो गए।

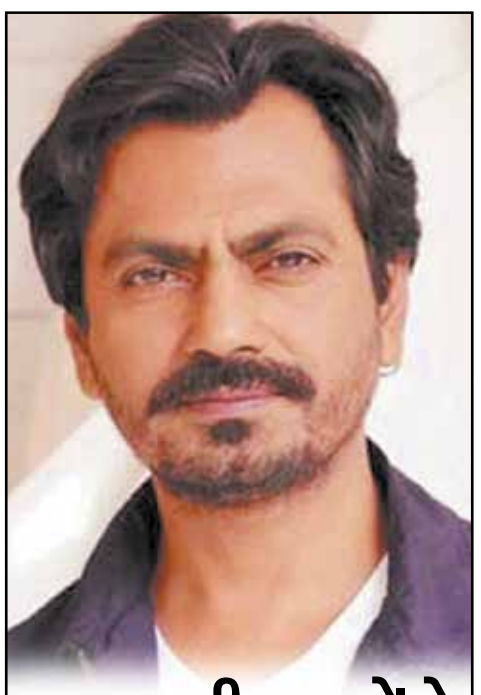

नवाजुद्दीन करेंगे साउथ फिल्मों में डेब्यू

निर्देशक शैलेश कोलानू के साथ वेंकटेश दग्गुबाती की अगली फिल्म सैंधव अनाउंसमेंट के बाद से ही चर्चा में है। फिल्म से पहला लुक कल जारी किया गया था। ये एक एक्शन एंटरटेनर होगी। निर्माताओं ने फैंस को लंबे समय तक इंतजार नहीं कराया और उन्होंने फिल्म से एक और बड़े अपडेट की घोषणा की। इस फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को चुना गया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जो प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक हैं अब साउथ इंडस्ट्री में भी डेब्यू करेंगे। सैंधव नवाजुद्दीन के लिए साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू फिल्म होगी। वेंकटेश स्टारर सैंधव में नवाजुद्दीन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुने गए हैं। निर्माताओं ने निर्देशक सैलेश के साथ नवाज की एक तस्वीर शेयर की और उनका स्वागत किया। निर्माताओं ने ट्विटर पर लिखा, टीएफआई में पहली बार भारत के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी का सैंधव में स्वागत करते हुए बेहद गर्व और प्रसन्नता हो रही है। अधिक जानकारी जल्द ही। बता दें कि नवाजुद्दीन इससे पहले 2019 में रजनीकांत की तमिल पेट्टा में काम कर चुके हैं। हालांकि, सैंधव के साथ, वह टॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेंगे और उनकी भूमिका कुछ बड़ी होने की उम्मीद है। सैलेश कोलानु नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने ट्विटर पर इस बारे में लिखा। निर्देशक ने लिखा, देश में हमारे पास सबसे अच्छे अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी को पाकर बहुत उत्साहित हूं। फिल्म का पहला पोस्टर और झलक वीडियो कल जारी किया गया था और यह एक एक्शन से भरपूर फिल्म लग रही है।

नितेश तिवारी की रामायण में अब रावण के रोल में नजर आएंगे यश, राम बन सकते हैं रणबीर कपूर

फिल्ममेकर नितेश तिवारी बीते कुछ दिनों से रामायण पर माइथोलॉजिकल फिल्म बनाने की तैयारी हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है, जिसमें रावण के रोल के लिए ऋतिक रोशन को अप्रोच किया गया था। हालांकि ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक अब ऋतिक रोशन नहीं बल्कि चत्रस्र स्टार यश रावण का नेगेटिव रोल प्ले करेंगे।

नेगेटिव रोल नहीं प्ले करना चाहते ऋतिक रोशन

हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार ऋतिक रोशन ने रामायण पर बन रही फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। ऋतिक अब नेगेटिव रोल प्ले नहीं करना चाहते हैं। इससे पहले रिलीज हुई फिल्म विक्रम वेधा में भी ऋतिक ने नेगेटिव रोल प्ले किया था और वो एक और नेगेटिव रोल प्ले नहीं करना चाहते हैं।

यश के पास पहुंची स्क्रिप्ट

ऋतिक रोशन द्वारा ऑफर रिजेक्ट करने के बाद नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर मधु मंटेना ने अब चत्रस्र स्टार यश को ये रोल ऑफर करने का फैसला किया। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट भी यश को सौंप दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार यश ने स्क्रिप्ट रीडिंग शुरू कर दी है। उनके पास पहले ही 4-5 फिल्मों की स्क्रिप्ट है, ऐसे में रामायण के रावण अब यश बन सकते हैं।

राम का रोल प्ले कर सकते हैं रणबीर कपूर

ऋतिक रोशन के साथ ही रणबीर कपूर को भी फिल्म का ऑफर दिया गया है। रणबीर को भगवान श्री राम के रोल के लिए अप्रोच किया गया है। फिलहाल उनकी तरफ से कोई कंफर्मेशन सामने नहीं आई है।

2019 से चल रही है फिल्म की तैयारी

नितेश तिवारी और मधु ने साल 2019 में रामायण पर बनने जा रही फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की थी। फिल्म की कास्टिंग फाइनल होने के बाद मई-जून के बीच इसी साल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। फिलहाल डायरेक्टर नितेश तिवारी फिल्म बवाल की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वरुण धवन- जान्हवी कपूर लीड रोल में हैं।

थलइवा की आवाज और नाम का किया इस्तेमाल तो रजनीकांत करेंगे कानूनी कार्रवाई

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपना लोहा मजवा चुंके सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों खबरों में हैं। उनकी तरफ से एक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें कानूनी कार्रवाई करने की बात कही गई है। घबराइए नहीं, ऐसा सबके लिए नहीं बल्कि उन ब्रांड्स के लिए है, जो एक्टर की फोटो और आवाज का इस्तेमाल करते हैं। सुपरस्टार रजनीकांत को किसी इंट्रोडक्शन की जरूरत नहीं है। वह अपने अनोखे अंदाज और अभिनय के लिए जाने जाते हैं। दशकों से वह इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और तमाम स्वास्थ संबंधी दिक्कतों के बावजूद वह फिल्मों और राजनीति में एक्टिव हैं। उनकी शालीनता और स्टाइल का हर कोई दीवाना है। यही वजह है कि एक्टर जैसा हर कोई बनना चाहता है। इसीलिए ब्रांड्स उनकी नकल करते हैं। मिमिक्री करते हैं। विज्ञापनों में उनका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि अब ऐसा करना सभी के लिए मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा क्योंकि एक्टर ने एक नोटिस जारी कर दिया गया है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में रजनीकांत थलइवा के नाम से मशहूर हैं। लोग उन्हें वहां पूजते भी हैं। कोई भी तीज-त्योहार होता है, वहां के वासी एक्टर की बड़ी धूमधाम से पूजा-अर्चना करते हैं। दूध चढ़ाते हैं। तमाम तरह के पकवान भोग के तौर पर चढ़ाते हैं। उनके जैसे चलने और बोलने की नकल भी उतारते हैं। इतना ही नहीं, कुछ उनके नाम, आवाज और द्ध जेनेरेटेड इमेज का गलत इस्तेमाल करते हैं।

रजनीकांत के वकील ने जारी किया नोटिस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजनीकांत के वकील ने एक्टर का साइन किया हुआ लेटर जारी कर उन लोगों को चेताया है, जो सुपरस्टार की पहचना को बिना उनकी सहमति से अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेटर में इसक बात का जिक्र किया गया है कि एक्टर के आईडेंटिटी, पब्लिसिटी और सेलिब्रिटी राइट्स का उल्लंघन करने वाले को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। साथ ही ये भी कहा गया है कि रजनीकांत के पास अपनी आइडेंटिटी, नाम, आवाज, इमेज समेत अन्य का इस्तेमाल करने पर कंट्रोल है। जो या और विशिष्ट रूप से पहचाने जाने योग्य हैं, और उनसे जुड़े भी हैं।

नोटिस में लिखी हैं ये बातें

लेटर में आगे ये भी कहा गया है कि सिर्फ रजनीकांत की ही आवाज, नाम या इमेज का इस्तेमाल न करने के लिए मना नहीं किया जा रहा। बल्कि दूसरे सितारों की नकल करने को भी उल्लंघन माना जाएगा। नोटिस में कहा गया है कि एक्टर की प्रतिष्ठा या व्यक्तित्व का इस्तेमाल किया जाएगा तो ये उल्लंघन होगा और इससे उनके क्लाइंट को बहुत नुकसान होगा, जिसका असर कई क्षेत्रों पर पड़ेगा। साथ ही बताया गया है कि रजनीकांत आईडेंटिटी का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

पद्मश्री से सम्मानित रवीना टंडन आरण्यक के बाद नए ओटीटी शो की शोभा बढ़ाएंगी

अपने स्ट्रीमिंग शो आरण्यक को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन, जिन्होंने 1990 के दशक में बॉलीवुड में राज किया था और जिन्हें हाल ही में देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, एक और ओटीटी शो में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। निर्माता शो के शीर्षक और कहानी को फिलहाल गुप्त रखे हुए हैं। अपना उत्साह साझा करते हुए रवीना टंडन ने कहा, मैं इस शो का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह शो मेरे लिए बहुत खास होने वाला है क्योंकि मुझे हमेशा अपने द्वारा निभाए गए हर किरदार के साथ खुद को चुनौती देना और नए सिरे से गढ़ना पसंद है और इस शो ने मुझे बस इतना ही दिया है, मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि कुछ मजे के लिए हमारे साथ बने रहें! अभी तक का शीर्षक वाला शो ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा, इसके शीर्षक और स्ट्रीमिंग की तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। डिज्नी स्टार में डिज्नी प्लस हॉटस्टार और एचएसएम एंटरटेनमेंट नेटवर्क के कंटेंट, हेड, गौरव बनर्जी ने कहा, रवीना टंडन के साथ अपने जुड़ाव की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। वह भारतीय फिल्म उद्योग में अपनी पूरी यात्रा के दौरान सुपरस्टार हैं और रही हैं और साथ में डिज्नी प्लस हॉटस्टार और रवीना टंडन जल्द ही दर्शकों के स्क्रीन पर कुछ जादू लाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

रुपया शुरूआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर 81.69 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। विदेशी कोषों की निकासी से सोमवार को शुरूआती कारोबार में रुपया 10 पैसे टूटकर 81.69 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.69 प्रति डॉल पर कमजोर खुला। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 81.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.92 पर आ गया। ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.17 प्रतिशत के नुकसान से 86.51 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

पूंजीगत लाभ कर को युक्तिसंगत बनाने, आईटीआर को सरल बनाने की जरूरत: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। सिर्फ पूंजीगत लाभ, लाभांश या ब्याज आय पर कर देने वाले आयकरदाताओं के लिए बजट में सरल आयकर रिटर्न फॉर्म लाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों ने यह राय देते हुए कहा कि पूंजीगत लाभ कर व्यवस्था को भी युक्तिसंगत बनाने की जरूरत है। आयकर कानून के तहत पूंजीगत संपत्ति के हस्तांतरण पर होने वाले लाभ (चल और अचल दोनों) पर पूंजीगत लाभ के तहत कर लगाया जाता है। अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग के लिए कर की दर अलग-अलग है। इसके अलावा परिसंपत्ति को पास में रखने के आधार पर लघु या दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के रूप में वगीर्कृत किया जाता है। भारत में पूंजी बाजार तेजी से बढ़ रहा है और कंपनियां धन जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का रास्ता अपना रही हैं। ऐसे में व्यापक मांग है कि पूंजीगत लाभ कर संरचना को सुव्यवस्थित किया जाए। डेलॉयट इंडिया के भागीदार रोहिंटन सिधवा ने कहा कि विभिन्न प्रकार की संपत्तियों के लिए होल्डिंग अवधि और विभिन्न प्रकार की पूंजीगत संपत्तियों के लिए कर दरों को सरल बनाना चाहिए। नांगिया एंडरसन एलएलपी के कर लीडर अरविंद श्रीवत्सन ने कहा कि भारत में कई स्टार्टअप कंपनियां फिर से शुरू हो रही हैं और निवेशकों ने पूंजीगत लाभ व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की मांग की है।

एनटीपीसी तीन तिमाही का शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़ा, 42.50 प्रतिशत अंतरिम लाभांश की सिफारिश

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर,22) के दौरान एकल आधार पर कुल 124,685.49 करोड़ रुपये की आय के साथ 11,524.41 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया है। एकल आधार पर कंपनी की आय और लाभ में सालाना आधार पर क्रमशः 39.60 प्रतिशत और 8.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी की एकल आधार पर आय 89,314.50 करोड़ रुपये और कर पश्चात लाभ 10,663.69 करोड़ रुपये था। एनटीपीसी के शनिवार को जारी बिना आडिट किए वित्तीय और भौतिक परिणामों के अनुसार 71544 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाले एनटीपीसी समूह ने पिछले वित्त वर्ष के पहले नौ माह की तुलना में इस वर्ष 265 अरब यूनिट की तुलना में इस वित्त वर्ष में दिसंबर तक 295 अरब यूनिट का उत्पादन किया। यह समूह के उत्पादन में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है।एनटीपीसी का एकल आधार पर सकल विद्युत उत्पादन 255 अरब यूनिट रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष के पहले नौ माह के 227 अरब यूनिट से 12 प्रतिशत ज्यादा है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.16 लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,16,092.54 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,290.87 अंक या 2.12 प्रतिशत नीचे आया। इनके अलावा एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में भी गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 71,003.2 करोड़ रुपये घटकर 15,81,601.11 करोड़ रुपये रह गया। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को ही हुआ। एसबीआई की बाजार हैसियत 46,318.73 करोड़ रुपये घटकर 4,82,107.53 करोड़ रुपये रह गई।

जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर समन्वित नीतियों की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

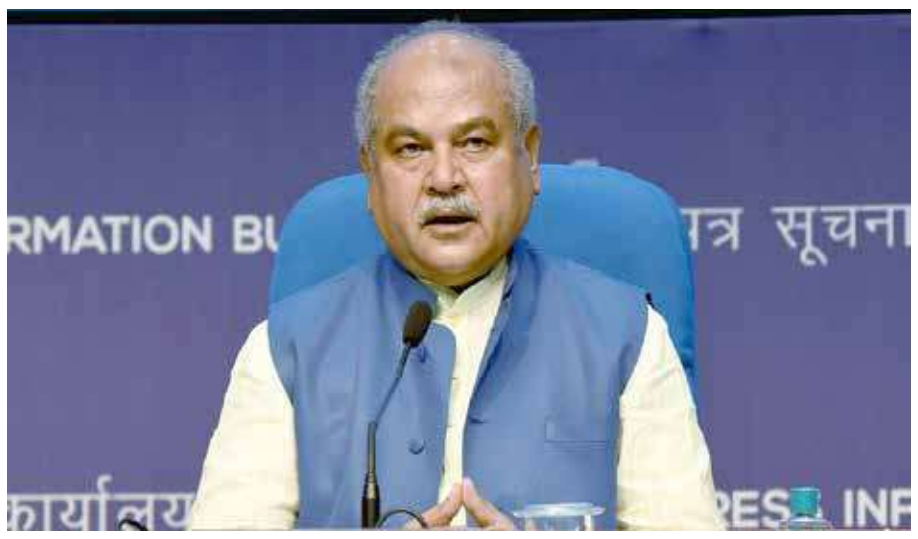

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को कहा कि विश्व समुदाय को उन जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देना चाहिए जो परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं होते हैं। तोमर यहां दो दिन के जी20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा कार्यसमूह की बैठक को संबोधित कर रहे थे। तोमर ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ बैठक का उद्घाटन किया।

तोमर ने कहा कि यह देश के नागरिकों के लिए गर्व का क्षण है कि भारत इस साल जी20 बैठक की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों से अच्छी तरह वाकिफ है। तोमर ने कहा, दुनिया आज कई जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है, जो परस्पर गहराई से जुड़ी हुई हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं हैं। जिन चुनौतियों का सामना किया जा रहा है वे अपनी प्रकृति में वैश्विक हैं और उसके लिए वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। इसलिए विश्व समुदाय को आज वैश्विक रूप से समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देने की जरूरत है। मंत्री ने आगे जोर देकर कहा कि बहुपक्षवाद में नए सिरे से विश्वास बढ़ाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र और बहुपक्षवाद के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हमारा देश न केवल बहुआयामी विकास बल्कि सार्वभौमिक रूप से मान्य अपनी क्षमता दिखाने के लिए भी तैयार है। तोमर ने कहा कि हाल ही में हुई विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भारत को एक नाजुक दौर से गुजर रही दुनिया में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में वर्णित किया गया था और जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और कोविड के बाद के विकास पथ पर लौटने की सभी ने सराहना की थी।

उन्होंने कहा कि भारत को जो जिम्मेदारी दी गई है उसको पूरा करने के लिए हम तैयार है। उन्होंने कहा, हमें अपने सफल विकास मॉडल के खाके को साझा करने में खुशी होगी और हम सभी से सीखने के लिए भी तैयार हैं। भारत ने एक दिसंबर, 2022 को एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। जी-20 या 20 देशों का समूह, दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है।

सबसे कमजोर और कम आय वाले विकासशील देशों को सहायता प्रदान करने में हाल के वर्षों में जी20 के योगदान के बारे में तोमर ने कहा कि ऋण की बढ़ती असुरक्षा को दूर करने के लिए उठाए गए कदम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। सोमवार को यहां शुरू हुई दो दिन की जी20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा कार्यसमूह की बैठक में प्रतिभागी वैश्विक वित्तीय ढांचे की स्थिरता और सामंजस्य बढ़ाने के तरीकों और 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

तोमर ने एक सवाल के जवाब में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के हितों की रक्षा की जाएगी। कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ आए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी20 के साल भर के विचार-विमर्श में निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन और किसानों की आजीविका पर इसके प्रभाव पर चर्चा होगी।

तोमर ने कहा, यह एक वैश्विक चुनौती है और दुनिया को प्रभावित करने वाले मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए जी20 एक उपयोगी मंच बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता वैश्विक दुनिया को भारत की ताकत दिखाने का अवसर है। उन्होंने कहा, पहले, इस तरह के वैश्विक शिखर सम्मेलन दिल्ली या हैदराबाद या बेंगलुरु में आयोजित किए जाते थे। अब प्रधान मंत्री के धष्टिकोण के अनुसार देश में 50 स्थानों पर 200 से अधिक बैठकें भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शक्ति को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही हैं।

साल भर चलने वाले जी20 विचार-विमर्श में दो लाख से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। तोमर ने कहा कि शिखर सम्मेलन का एकमात्र उद्देश्य कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना है। तोमर ने कहा, आज की दुनिया में विभिन्न देशों में समान समस्याएं हैं और सभी सामान्य मुद्दों का समाधान खोजने के लिए जी20 आदर्श मंच है।

कबाड़ में बदले जाएंगे पंद्रह साल से पुराने नौ लाख सरकारी वाहन : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि पंद्रह साल से पुराने नौ लाख सरकारी वाहनों के एक अप्रैल के बाद सड़क पर चलाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इनके स्थान पर नए वाहन लगाए जाएंगे। ये वाहन केंद्रीय और राज्य सरकारों, परिवहन निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में लगे हुए हैं। उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार एथनॉल, मेथनॉल, बायो-सीएनजी, बायो-एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, हमने अब 15 साल से ज्यादा पुराने नौ लाख से अधिक वाहनों को कबाड़ में बदलने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही प्रदूषण कर रहीं बसों और कारों के सड़क परिचालन पर रोक लगाकर उनके स्थान पर नए वाहनों को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, इससे वायु प्रदूषण काफी हद तक कम होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की हाल में जारी अधिसूचना के अनुसार, पंद्रह साल पुराने केंद्र और राज्य सरकार के सभी वाहनों का पंजीकरण एक अप्रैल से रद्द कर दिया जाएगा और उन्हें कबाड़ कर दिया जाएगा।

पुरानी पेंशन से राज्य 2030 तक हो सकते हैं दिवालिया

नई दिल्ली, एजेंसी

पुरानी पेंशन की व्यवस्था लागू करने वाले राज्य वर्ष 2030 तक दिवालिया हो सकते हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबरॉय ने इसे एक खतरनाक रुझान करार दिया है। डॉ. देबरॉय ने कहा कि पुरानी पेंशन व्यवस्था से होने वाले दुष्प्रभाव का पता कुछ साल बाद चलेगा। अमर उजाला से एक विशेष इंटरव्यू में उन्होंने कहा, जो राज्य इसे लागू कर रहे हैं, वे इसके भयावह आर्थिक परिणाम को नजरअंदाज कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नई पेंशन योजना के पीछे क्या राजनीतिक व आर्थिक वजहें रही हैं। उन्होंने कहा, अगर हम करदाताओं का दायरा बढ़ाना चाहते हैं, तो हमें धीरे-धीरे ऐसा सिस्टम लाना चाहिए, जहां कोई छूट न मिले।

डॉ. देबरॉय ने कहा कि चीनी कंपनियों के रैकेट को गहन छानबीन से ही तोड़ा जा सकता है। साथ ही, कारोबारी नियमों को सरल बनाए जाने की जरूरत है। लेन-देन में पारदर्शिता भी वक्त की जरूरत है। डॉ. देबरॉय ने माना कि नई कर व्यवस्था को अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसे अपनाने वालों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। पुरानी कर व्यवस्था को लोग इसलिए स्वीकार कर रहे हैं, क्योंकि अब भी सारी छूट उसी में दी जा रही है। को किसी ने भी नहीं अपनाया है। मुझे उम्मीद है कि इस बजट में इसे और भी प्रभावी बनाया जाएगा।

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में मिला-जुला रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में सोमवार को शुरूआती कारोबार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 10 प्रतिशत चढ़ गया जबकि समूह की कई अन्य कंपनियों के शेयरों में नुकसान था।

अडाणी समूह ने अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के जवाब में रविवार को 413 पृष्ठ की प्रतिक्रिया जारी की थी। इसके बाद सोमवार को हिंडनबर्ग ने अपने आरोपों पर कायम रहते हुए कहा कि अडाणी समूह धोखाधड़ी को राष्ट्रवाद से ढंक नहीं सकता।

अडाणी समूह की चार कंपनियां सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रही थीं। वहीं पांच अन्य कंपनियों के शेयर नुकसान में थे। अडाणी टोटल गैस, अडाणी ट्रांसमिशन और अडाणी ग्रीन एनर्जी सुबह के कारोबार में 17 प्रतिशत तक नीचे आ गईं। बीएसई में अडाणी एंटरप्राइजेज 10 प्रतिशत चढ़कर 3,038.35 रुपये पर और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन भी 10 प्रतिशत बढ़कर 658.45 रुपये पर पहुंच गया।

हालांकि, अडाणी समूह की पांच अन्य कंपनियों के शेयर नुकसान में थे। अडाणी पावर पांच फीसदी गिरकर 235.65 रुपये पर था। अडाणी ट्रांसमिशन 13 प्रतिशत के नुकसान के साथ 1,746.70 रुपये पर और अडाणी ग्रीन एनर्जी 11 प्रतिशत के नुकसान के साथ 1,320 रुपये कारोबार कर रहा था।

अडाणी टोटल गैस 17 फीसदी गिरकर 2,425 रुपये पर और अडाणी विल्मर करीब पांच प्रतिशत गिरकर 491.45 रुपये पर आ गया। एसीसी लिमिटेड के शेयर नौ प्रतिशत चढ़कर 2,055.10 रुपये पर और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर 10 फीसदी बढ़कर 419.25 रुपये पर पहुंच गए।

अडाणी पर हिंडनबर्ग ने कहा, धोखाधड़ी को राष्ट्रवाद से ढंका नहीं जा सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी समूह के इन आरोपों को खारिज कर दिया है कि समूह के खिलाफ उसकी रिपोर्ट भारत पर हमला थी। अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग इकाई ने सोमवार को कहा कि धोखाधड़ी को राष्ट्रवाद या कुछ बढ़ा-चढ़ाकर प्रतिक्रिया से ढंका नहीं जा सकता।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी समूह पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में पिछले कुछ दिन में भारी गिरावट आई है। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के जवाब में रविवार को 413 पृष्ठ का स्पष्टीकरण जारी किया है।

अडाणी समूह की प्रतिक्रिया पर हिंडनबर्ग रिसर्च ने सोमवार को कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र और उभरती महाशक्ति है। अडाणी समूह व्यवस्थित लूट से भारत के भविष्य को रोक रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च अपनी रिपोर्ट पर कायम है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि दो साल की जांच में पता चला है कि अडाणी समूह दशकों से शेयरों में गड़बड़ी और लेखे-जोखे की हेराफेरी में शामिल रहा है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडाणी के समूह ने अपनी प्रतिक्रिया की शुरूआत इस दावे के साथ की कि हम मैडॉफ ऑफ मैनहटन हैं। बर्नाड लॉरेंस मैडॉफ को पोंजी घोटाले में 2008 में गिरफ्तार कर 150 साल की सजा सुनाई गई थी। अडाणी ने यह भी दावा किया कि हमने लागू प्रतिभूति और विदेशी विनिमय नियमों का उल्लंघन किया है।

अडाणी समूह ने रविवार शाम को इन आरोपों के जवाब में कहा था कि यह हिंडनबर्ग द्वारा भारत पर सोच-समझकर किया गया हमला है। समूह ने कहा था कि ये आरोप और कुछ नहीं सिर्फ झूठ हैं।

अडाणी समूह ने कहा था कि यह रिपोर्ट एक कृत्रिम बाजार बनाने की कोशिश है जिससे शेयरों के दाम नीचे लाकर अमेरिका की कंपनियों को वित्तीय लाभ पहुंचाया जा सके। समूह ने यह भी कहा था कि यह रिपोर्ट गलत तथ्यों पर आधारित निहित मंशा से जारी की गई है।

समूह ने कहा था, यह केवल किसी विशिष्ट कंपनी पर एक अवांछित हमला नहीं है, बल्कि भारत, भारतीय संस्थाओं की स्वतंत्रता, अखंडता और गुणवत्ता, तथा भारत की विकास गाथा और महत्वाकांक्षाओं पर एक सुनियोजित हमला है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि धोखाधड़ी, धोखाधड़ी ही होती है चाहे इसे दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने अंजाम क्यों न दिया हो।

हिंडनबर्ग ने कहा कि हमने अडाणी समूह से 88 विशेष सवाल किए थे जिनमें से समूह 62 का सही तरीके से जवाब देने में विफल रहा। शॉर्ट सेलिंग में विशेषज्ञता रखने वाली न्यूयॉर्क की एक छोटी सी कंपनी की रिपोर्ट के बाद सिर्फ दो कारोबारी सत्रों में अडाणी समूह की कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 50 अरब डॉलर से अधिक घट गया है।

अडाणी ने 413 पन्नों का जवाब जारी किया, हिंडनबर्ग के आरोपों को भारत पर हमला बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को भारत, उसकी संस्थाओं और विकास की गाथा पर सुनियोजित हमला बताते हुए रविवार को कहा कि आरोप झूठ के सिवाय कुछ नहीं हैं। अडाणी समूह ने 413 पन्नों के जवाब में कहा है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट मिथ्या धारणा बनाने की छिपी हुई मंशा से प्रेरित है, ताकि अमेरिकी कंपनी को वित्तीय लाभ मिल सके।

समूह ने कहा, यह केवल किसी विशिष्ट कंपनी पर एक अवांछित हमला नहीं है, बल्कि भारत, भारतीय संस्थाओं की स्वतंत्रता, अखंडता और गुणवत्ता तथा भारत की विकास गाथा एवं महत्वाकांक्षाओं पर एक सुनियोजित हमला है। इसने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप झूठ के सिवाय कुछ नहीं हैं। समूह ने कहा कि ये दस्तावेज चुनिंदा गलत सूचनाओं एवं छुपाकर रखे गए तथ्यों का एक दुर्भावनापूर्ण संयोजन हैं। समूह ने कहा कि ये निराधार और शर्मनाक आरोप किसी गुप्त मकसद से लगाए गए हैं।

इसने हिंडनबर्ग की विश्वसनीयता एवं नैतिकता पर सवाल उठाया और कहा कि रिपोर्ट दुर्भावनापूर्ण इरादे से जारी की गई, यह इस बात से स्पष्ट है कि इसे ऐसे समय में जारी किया गया, जब अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड भारत में इक्विटी शेयरों की अब तक की सबसे बड़ी सार्वजनिक पेशकश कर रहा है।

गिरावट के बाद संभला शेयर बाजार, सेंसेक्स 53 अंक उछला

नई दिल्ली, एजेंसी

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में तेज गिरावट के बाद मजबूती लौटी। नुकसान पर खुलने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी ने बढ़त हासिल कर ली है। निवेशकों पर शुरूआती कारोबार में वैश्विक बाजार का दबाव दिखा, लेकिन जल्द ही उनका सेंटिमेंट बदला और खरीदारी शुरू कर दी।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 230 अंक टूट कर 59101 के स्तर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 62 अंकों की कमजोरी के साथ 17542 के स्तर पर खुला।

इस दौरान अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट नजर आई। फिलहाल सेंसेक्स 52.76 अंक यानी 0.089 फीसदी उछलकर 59,383.66 पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, निफ्टी 5.45 अंक यानी 0.031 फीसदी की गिरावट के साथ 17,598.90 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कारोबार की शुरूआत से निवेशकों ने एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, एचयूएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली और मुनाफावसूली किया, जिससे ये स्टॉक्स टॉप लूजर की श्रेणी में आ हो गए।

वहीं, अडाणी एंटरप्राजेज, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व कंपनियों के शेयरों में जमकर खरीदारी हो रही और लगातार निवेश से ये स्टॉक्स टॉप गेनर बने हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार सेंसेक्स 874.16 अंक यानी 1.45 फीसदी की गिरावट के साथ 59,330.90 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 287.60 अंक यानी 1.61 फीसदी फिसलकर 17,604.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

अडाणी पोर्ट्स में निवेशक बनी रहेगी टेमासेक

नई दिल्ली, एजेंसी

सिंगापुर की निवेशक टेमासेक होल्डिंग्स (प्राइवेट) लिमिटेड अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन में अपना निवेश कायम रखेगी।

हालांकि, अमेरिका का फॉरेंसिक शोध संस्थान अडाणी समूह पर धोखाधड़ी के लिए लगातार निशाना साध रहा है।

द स्ट्रेट्स टाइम्स ने सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि टेमासेक ह्यअडानी पोर्ट्स में निवेशक बनी रहेगी। दिसंबर, 2022 तक टेमासेक के प्रबंधन के तहत 496.59 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्तियां थीं।

टेमासेक की अपनी अनुषंगी कैमस इन्वेस्टमेंट्स के जरिये अडाणी पोर्ट्स में सिर्फ 1.2 प्रतिशत से कुछ अधिक की हिस्सेदारी है। टेमासेक ने यह हिस्सेदारी 2018 में 14.7 करोड़ सिंगापुरी डॉलर में खरीदी थी।

अडाणी समूह अडाणी विल्मर के जरिये खाद्य तेल और खाद्य कारोबार में भी है। इस क्षेत्र में उसका सिंगापुर में सूचीबद्ध विल्मर इंटरनेशनल के साथ संयुक्त उद्यम है।

दिसंबर-2022 में गैर-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियां बढ़ीं

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से लोगों को निकाले जाने की खबरों के बीच हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में चिकित्सा, खाद्य सेवा, निर्माण और शिक्षा जैसे गैर-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कुशल युवाओं की मांग बढ़ गई है। वैश्विक रोजगार वेबसाइट इंडीड के मासिक आंकड़ों के अनुसार, उसके मंच पर दिसंबर, 2022 में सबसे ज्यादा दंत चिकित्सा या नर्सिंग जैसे चिकित्सा संबंधी क्षेत्रों में नौकरियों के आवेदन मांगे गए। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद खाद्य सेवाओं (8.8 प्रतिशत), निर्माण (8.3 प्रतिशत), आर्किटेक्ट (7.2 प्रतिशत), शिक्षा (7.1), थेरेपी (6.3 प्रतिशत) और विपणन (6.1 प्रतिशत) क्षेत्र की नौकरियों के विज्ञापन निकाले गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि निर्माण और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में कोरोना काल के बाद कारोबार की स्थिति तेजी से सामान्य हो रही हैं।

भारत निर्विवाद रूप से एक वैश्विक महाशक्ति : दक्षिण कोरिया

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण कोरिया ने सोमवार को कहा कि भारत निर्विवाद रूप से एक वैश्विक महाशक्ति है और जी20 की अध्यक्षता निश्चित रूप से उसकी क्षमता को सामने लेकर आएगी। यह बयान दक्षिण कोरिया के एक प्रतिनिधि की ओर से आया है जो यहां दो दिन के जी20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे पर कार्यसमूह की बैठक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बैठक के दौरान होने वाली चचाओं का संचालन वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ-साथ फ्रांस और दक्षिण कोरिया द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा कार्यसमूह के सह-अध्यक्ष हैं। दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधि ब्यूंगसिक जंग ने कहा, इस देश के बारे में धारणा यह है कि भारत निर्विवाद रूप से एक वैश्विक महाशक्ति है। उन्होंने इस साल जी20 की अध्यक्षता की सफलता को लेकर भी भरोसा जताया। भारत ने एक दिसंबर, 2022 को जी20 की अध्यक्षता संभाली है।

विकसित देशों से सालाना 100 अरब डॉलर का जलवायु वित्त नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

जी20 समूह में भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 100 अरब डॉलर का सालाना वित्त मुहैया कराने की प्रतिबद्धता जताने के कई साल बाद भी विकसित देशों ने अबतक मदद नहीं की है। कांत ने यहां जी20 की मॉडल बैठक के उद्घाटन समारोह में कहा कि बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान जलवायु वित्तपोषण के लिए सक्षम नहीं हैं लिहाजा उनका कायाकल्प करने की जरूरत है। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कांत ने मुंबई से सटे कस्बे उत्तान में स्थित भारतीय लोकतांत्रिक नेतृत्व संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम में कहा, अगर भारत को जलवायु परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाना है तो विकसित विश्व को हमें वह वित्त मुहैया कराना होगा जिसका उसने वादा किया था। हमने यह दुनिया प्रदूषित नहीं की है, फिर भी हम पर जलवायु परिवर्तन का असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विकसित देशों ने जलवायु न्याय के सिद्धांत पर सहमति जताई थी जिसके तहत विकासशील देशों को वित्त मुहैया कराया जाना था। लेकिन भारत जैसे देश के लिए चुनौती अपनी आर्थिक गतिविधियों को इस तरह संकेंद्रित करने की है कि धरती को नुकसान पहुंचाए बगैर खुद को औद्योगिक देश में तब्दील कर सके। विकसित देशों ने वर्ष 2009 में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचने के लिए विकासशील देशों को संयुक्त रूप से हर साल 100 अरब डॉलर का वित्त वर्ष 2020 तक मुहैया कराने की प्रतिबद्धता जताई थी। हालांकि, इस वादे पर खरा उतरने के लगातार आह्वान के बावजूद अबतक ऐसा हुआ नहीं है। कांत ने जी20 को संयुक्त राष्ट्र जैसे ह्यभारी-भरकम निकायह्न से कहीं अधिक ताकतवर बताते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के पास वीटो ताकत है और उसका एक सदस्य तो इस समय जंग लड़ रहा है।

एक वर्ल्ड कप काफी नहीं अब तो सीनियर वर्ल्ड कप जीतकर ही लौटूंगी: शेफाली

पोचेस्ट्रूम (एजेंसी)। शेफाली वर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहला आईसीसी विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया। यह पहला मौका है जब भारत ने महिला क्रिकेट में किसी भी लेवल पर आईसीसी वर्ल्ड कप जीता है ।इतनी बड़ी कामयाबी के बावजूद शेफाली संतुष्ट नहीं हैं। वे कहती हैं - ये तो बस शुरुआत है। शेफाली ने कहा कि साउथ अफ्रीका से वे सिर्फ इसी ट्रॉफी के साथ भारत नहीं जाना चाहती हैं। वे सीनियर टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भी जीतना चाहती हैं। यह टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका में ही 10 फरवरी से शुरू हो रहा है। शेफाली इसमें भारत की सीनियर विमेंस टीम को रिप्रजेंट करेंगी।

एक ही जगह ध्यान देती हूं शेफाली

शेफाली ने फाइनल मैच के बाद कहा कि, मैं उन खिलाड़ियों में से हूं जो एक समय पर एक ही टूर्नामेंट पर फोकस करती है। जब मैंने अंडर -19 वर्ल्ड कप कैंपेन शुरू किया तब मेरा फोकस सिर्फ इस टूर्नामेंट को जीतने पर था। अब मैं अपने कॉन्फिडेंस को आगे लेकर जाऊंगी और सीनियर वर्ल्ड कप भी जीतूंगी। अब मैं अंडर-19 के बारे में भूल कर अब सीनियर टीम पर फोकस करूंगी और हम साथ मिलकर वर्ल्ड कप जीतेंगे।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में शेफाली ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। शेफाली ने सभी 7 मैच खेले और 172 रन बनाए। उन्होंने चार विकेट भी लिए। शेफाली ने 8 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। महज 15 साल की उम्र में शेफाली ने टी-20 से इंटरनेशनल क्रिकेट में एंट्री की थी। 19 साल की उम्र में शेफाली वर्मा ने अंडर-19 क्रिकेट टीम की कप्तानी की।

श्वेता सेहरावत रहीं टूर्नामेंट की टॉप बल्लेबाज

भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाली 15 लड़कियां

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहला आईसीसी अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप जीत लिया है। साउथ अफ्रीका के पोचेस्ट्रूम में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया। भारत की सौम्या तिवारी ने विनिंग शॉट जमाया। 6 रन पर 2 विकेट लेने वाली टिटास साधू प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। वहीं, उप कप्तान श्वेता सेहरवात ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 297 रन बनाए। भारतीय स्क्वॉड में शामिल सभी 15 लड़कियों जिनके योगदान से वर्ल्ड कप जीत पाए।

1. शेफाली वर्मा

भारत की सीनियर विमेंस टीम की ओपनर शेफाली वर्मा को अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी सौंपी गई। शेफाली ने 4 साल पहले 2019 में सीनियर विमेंस टीम के लिए डेब्यू किया था। शेफाली अब तक सीनियर टीम से 21 वनडे और 51 टी-20 खेल चुकी हैं। वर्ल्ड कप से पहले शेफाली ने साउथ अफ्रीका अंडर-19 टीम के खिलाफ 5 मैचों में कप्तानी भी की थी। इस वर्ल्ड कप के 7 मैचों में उन्होंने 172 रन बनाने के साथ 4 विकेट भी लिए।

2. श्वेता सेहरावत

दिल्ली से घरेलू क्रिकेट खेलने वालीं श्वेता सेहरावत 18 साल की हैं। टीम इंडिया की उप कप्तान राइट हैंड बैटर श्वेता ने वर्ल्ड कप में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया। वह इस टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने अपनी आक्रामक बैटिंग से टीम इंडिया को अहम मौकों पर कई मैच जिताए। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड कप के पहले मैच में भी उन्होंने ही 92 रन की नॉटआउट पारी खेली थी।

3. ऋचा घोष

शेफाली की तरह ऋचा भी सीनियर टीम से क्रिकेट खेल चुकी हैं। 19 साल की विकेटकीपर बैटर ने सीनियर टीम से 17 वनडे और 30 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। ऋचा वेस्ट बंगाल के सिलीगुड़ी से आती हैं। मिडिल ऑर्डर में वह आक्रामक बैटिंग करती हैं। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 93 रन बनाए।

4. गोंगडी त्रिषा

17 साल की गोंगडी त्रिषा तेलंगाना के बादराचलम में रहती हैं। टॉप-ऑर्डर बैटर की भूमिका में टीम इंडिया में शामिल त्रिषा 12 साल की उम्र से क्रिकेट खेल रही हैं।। वह घरेलू क्रिकेट में हैदराबाद के लिए भी लगातार शानदार प्रदर्शन करती आ रही हैं। इस वर्ल्ड कप में भी उन्होंने 108 के स्ट्राइक रेट से 116 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने अहम 24 रन भी बनाए। जरूरत पड़ने पर त्रिषा लेफ्ट आर्म बॉलिंग भी कर लेती हैं।

5. सौम्या तिवारी

मध्य प्रदेश के भोपाल की सौम्या तिवारी 17 साल की हैं। वह बैटिंग ऑल राउंडर हैं और टॉप-ऑर्डर में बैटिंग करती हैं। मध्य प्रदर्श टीम से घरेलू क्रिकेट खेलने वालीं सौम्या 7-8 साल की उम्र से क्रिकेट खेल रही हैं। पहले तो सौम्या ने मोहल्ले के बच्चों को क्रिकेट खेलते देखा और यहीं से उन्हें भी क्रिकेट का शौक लग गया। इस टूर्नामेंट के 4 मैचों में उन्होंने 84 रन बनाए। फाइनल में विनिंग रन इन्होंने ही बनाया।

6. सोनिया मेंधिया

हरियाणा की सोनिया मेंधिया 18 साल की हैं। वह बैटिंग ऑलराउंडर हैं, ऑफ स्पिन के साथ राइट हैंड बैटिंग भी कर लेती हैं। हरियाणा से घरेलू क्रिकेट खेलने के दौरान वह तेज स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने के लिए जानी जाती हैं। बीच के ओवरों में सटीक लाइन लेंथ पर बॉलिंग भी कर लेती हैं।

7. रिषिता बसु

रिषिता बसु 18 साल की विकेटकीपर बैटर हैं। वह पश्चिम बंगाल के हावड़ा से आती हैं। ऋचा घोष के बाद वह टीम इंडिया के लिए दूसरा विकेटकीपिंग ऑप्शन हैं। इस वर्ल्ड कप में उन्होंने 25 रन बनाए। फाइनल में वह सौम्या तिवारी के साथ नाबाद रहीं।

8. सोनम यादव

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की सोनम यादव महज 15 साल की हैं। टीम इंडिया में वह लेफ्ट आर्म स्पिनर के रूप में शामिल हैं। इस टूर्नामेंट के 6 मैचों में उन्होंने 5 विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में इंग्लैंड का आखिरी विकेट उनकी बॉलिंग पर ही आया।

9. मन्नत कश्यप

19 साल की मन्नत कश्यप पटियाला से हैं। वह ऑलराउंडर हैं और मुख्य रूप से लेफ्ट आर्म बॉलिंग करती हैं। टूर्नामेंट से पहले वह मांकडिंग करते हुए चर्चा में आई थीं। इस टूर्नामेंट के 6 मैचों में उन्होंने 9 विकेट हासिल किए। वह पार्श्वी चोपड़ा के बाद भारत की दूसरी सबसे सफल बॉलर रहीं।

10. अर्चना देवी

18 साल की अर्चना देवी उत्तर प्रदेश के कानपुर से हैं। वह टीम की फर्स्ट चॉइस ऑफ स्पिनर हैं। इस वर्ल्ड कप में उन्होंने भारत के लिए कई अहम मौकों पर विकेट चटकाए। फाइनल में 2 विकेट लेने को साथ उन्होंने एक शानदार फ्लाइंग कैच भी पकड़ा। इस टूर्नामेंट के 7 मैचों में उन्होंने 8 विकेट लिए।

11. पार्श्वी चोपड़ा

16 साल की पार्श्वी चोपड़ा उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की रहने वाली हैं। लेग स्पिनर ने टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा 11 विकेट लिए। इस दौरान उनकी इकोनॉमी भी महज 3.76 रही। वह सीनियर विमेंस-बी टीम से भी घरेलू क्रिकेट खेल चुकी हैं।

12. टिटास साधू

पश्चिम बंगाल के चिनसुरा में रहने वाली टिटास साधू 18 साल की हैं। दाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करने वाली साधू का पेस बेहतरीन है। फाइनल में इंग्लैंड का पहला विकेट उन्होंने ही लिया। इस टूर्नामेंट के 6 मैचों में उन्होंने 6 विकेट लिए।

13. शबनम शकील

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में रहने वालीं शबनम शकील 15 साल की हैं। तेज गेंदबाजी करने के लिए वह टीम इंडिया शामिल की गईं। इस टूर्नामेंट के 2 मैचों में उन्हें मौका मिला। इस दौरान उन्होंने एक विकेट भी लिया।

14. फलक नाज

उत्तर प्रदेश के प्रयाग राज की रहने वाली फलक नाज 18 साल की हैं। वह बॉलिंग ऑलराउंडर हैं, लेकिन इस वर्ल्ड कप के एक भी मैच में उन्हें प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिला।

15. सोप्पाधंडी यशश्री

हैदराबाद से घरेलू क्रिकेट खेलने वाली सोप्पाधंडी यशश्री 18 साल की हैं। टीम में बॉलिंग ऑलराउंडर के रूप में शामिल यशश्री को स्कॉटलैंड के खिलाफ टीम ने मौका दिया। उस मैच में उनकी बैटिंग नहीं आई, लेकिन बॉलिंग से 2 ओवरों में 22 रन दिए थे।

'पठान' बने डेविड वार्नर

- भारत आने से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई बैटर नए लुक में

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया अगले महीने भारतीय दौरे पर आने वाली है। इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को टीम इंडिया के साथ 4 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। दौरे से पहले ही ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर भारतीय रंग में दिखने लगे हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले वार्नर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शाहरुख खान की मूवी पठान का एक वीडियो पोस?ट किया है। इसमें वह एकदम शाहरुख की तरह लग रहे हैं।वार्नर का यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है और फैंस इस पर रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा ऑस्कर नॉमिनेशन के करीब है। वहीं किसी ने वार्नर को डेविड खान बताया तो किसी ने पठान ऑफ ऑस्ट्रेलिया।

एशियन गेम्स ओलंपिक 2024 के लिए हॉकी क्वालीफाइंग इवेंट होंगे

- एफआईएच अध्यक्ष ने दी जानकारी, सितम्बर में होगा टूर्नामेंट

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) के अध्यक्ष इकराम तैयब ने रविवार को बताया कि इस साल होने वाले एशियन गेम्स होंगे और वह 2024 पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाइंग इवेंट होंगे। एशियन चीन के हांगझोउ में होने थे, लेकिन कोरोना की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। अब इसी शहर में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक गेम्स आयोजित होने वाले हैं। तैयब, इस समय हांग्जो एशियन गेम्स की कॉर्डिनेशन कमिटी का हिस्सा है जिसके चीफ भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन के पूर्व सेक्रेटरी जनरल और एशिया के वर्तमान ओलिंपिक काउंसिल के चीफ रणधीर सिंह है।

इंडिया में पहली बार किसी टी-20 में कोई छक्का नहीं लगा

- भारत ने 6 विकेट से जीता दूसरा मुकाबला, सीरीज 1-1 की बराबरी पर

लखनऊ (एजेंसी)। टीम इंडिया ने टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। सीरीज का डिसाइडर मुकाबला 1 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।यह भारत के टी-20 इतिहास का पहला मैच है, जिसमें कोई छक्का नहीं आया है। मैच में 14 चौके लगे। इनमें से 6 कीवी और 8 भारतीय बल्लेबाजों ने जमाए।

रविवार को लखनऊ के भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी स्टेडियम में न्यूजीलैंड की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 99 रन ही बना सकी। कप्तान मिचेल सेंटनर ने नाबाद 19 रनों की पारी खेली। माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैंपमैन 14-14 और ओपनर फिन एलेन और ड्वेन कॉन्वे 11-11 रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने दो विकेट चटकाए। कप्तान हार्दिक पंड्या, दीपक हुड्?डा, युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर के हिस्से एक-एक विकेट आया। 100 रनों का लक्ष्य भारत ने एक गेंद रहते 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। सूर्यकुमार यादव ने सबसे ज्यादा नाबाद 26 रन बनाए। ईशान किशन ने 19 रन जोड़े। माइकल ब्रेसवेल और ईश सोढ़ी को एक-एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड का भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 99 रन ही बना सकी। यह कीवी टीम का इंडिया के खिलाफ टी-20 में सबसे कम स्कोर है। कप्तान मिचेल सेंटनर ने नाबाद 19 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैंपमैन 14-14 और ओपनर फिन एलेन और ड्वेन कॉन्वे 11-11 रन बनाकर आउट हुए ।भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने दो विकेट चटकाए। कप्तान हार्दिक पंड्या, दीपक हुड्?डा, युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर के हिस्से एक-एक विकेट आया।

वर्ल्ड कप जीतने के बाद किया सेलिब्रेट

काला चश्मा गाने पर थिरकी अंडर 19 विमेंस टीम

- राहुल द्रविड़ ने सीनियर मेंस टीम के साथ दी बधाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडिया अंडर 19 विमेंस टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहला आईसीसी विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप जीतकर ने इतिहास रच दिया। टीम ने गाना काला चश्मा पर डांस करते हुए जीत का जश्न मनाया। जीत पर टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने भी टीम इंडिया के साथ अंडर 19 टीम को बधाई दी।

आईसीसी ने इंस्टाग्राम पर डांस मूव्स का वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा, 'मैदान पर जीत और उसके बाहर भी।'

वीडियो में, भारतीय टीम की प्लेयर्स जर्सी और मेडल के साथ काला चश्मा गामे पर डांस करते दिखाई दे रही हैं। प्लेयर्स ने हुक स्टेप को भी शानदार तरीके से किया।

भारतीय सीनियर टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वर्ल्ड कप जीतने पर अंडर 19 विमेंस टीम को बधाई दी। द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, आज का दिन भारतीय महिला अंडर-19 टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन था। मई चाहता हूं कि अंडर 19 मेंस क्रिकेट के पूर्व कप्तान लड़कियों को संदेश दें।

इसके बाद, उन्होंने 2018 अंडर 19 वर्ल्ड कप विनर कप्तान पृथ्वी शॉ को माइक दिया। पृथ्वी ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। बधाई हो, शाबाश। इसके बाद पूरी टीम ने महिला टीम के लिए एक साथ तालियां बजाई।

इंडिया विमेंस टीम की पहली वर्ल्ड ट्रॉफी

इंडिया विमेंस टीम किसी भी लेवल पर पहली ही बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। जूनियर लेवल पर आईसीसी ने पहली बार वर्ल्ड कप आयोजित कराया।

भारत ने इससे पहले 2005 और 2017 का वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार गए। वहीं, 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भी टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।साउथ अफ्रीका के पोचेस्ट्रूम स्थित स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी और इंग्लैंड को 17.1 ओवर में 68 रन पर ऑल आउट कर दिया। 69 रन का टारगेट भारत ने 14 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया।साउथ अफ्रीका के पोचेस्ट्रूम स्थित स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी और इंग्लैंड को 17.1 ओवर में 68 रन पर ऑल आउट कर दिया। 69 रन का टारगेट भारत ने 14 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया।

बीसीसीआई देगा 5 करोड़ रुपए

टूर्नामेंट जीतने पर बीसीसीआई ने विमेंस क्रिकेट टीम और सपोर्ट स्टाफ को 5 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की। साथ ही बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कप्तान शेफाली वर्मा और टीम इंडिया को भारत और न्यूजीलैंड सीरीज के बीच अहमदाबाद बुलाया है।

भारत की लेडी शेन वॉर्न

- वीडियो से गुगली सीखी, बॉल गीली कर प्रैक्टिस की
- अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप में 11 विकेट झटके

लखनऊ (एजेंसी)। पार्शवी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न को आदर्श मानती हैं और उनसे प्रेरित होकर लेग स्पिनर बनीं।भारतीय अंडर-19 विमेंस टीम ने रविवार को पोचेस्ट्रूम में इतिहास रच दिया है। इस टीम ने आईसीसी द्वारा पहली बार आयोजित अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप की पहली चैंपियन बनने का रुतबा हासिल किया है। भारतीय टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया है।

भारत की इस जीत में कई खिलाड़ियों का योगदान अहम रहा है। उनमें से एक हैं दिल्ली की पार्शवी चोपड़ा। वे भारत की टॉप विकेट टेकर हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वे दूसरे नंबर पर हैं।

16 साल की लेग स्पिनर पार्शवी ने युवराज सिंह की अकादमी से गेंदबाजी की बारीकियां सीखी हैं। वे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न को आदर्श मानती हैं और उनसे प्रेरित होकर लेग स्पिनर बनीं। भारत के वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पार्शवी के कोच जेपी नौटियाल और पिता गौरव चोपड़ा ने मीडिया से बातचीत की और पार्शवी के लेग स्पिनर बनने की कहानी बताई।

कैसे की वर्ल्ड कप की तैयारी

कोच जेपी नौटियाल कहते हैं कि पार्शवी ने वर्ल्ड कप में जाने से पहले गेंदबाजी पर काफी मेहनत की। उसने साउथ अफ्रीका की सपाट पिचों को देखते हुए ग्रेटर नोएडा के विभिन्न एकेडमी में मौजूद सपाट पिचों पर गेंदबाजी का अभ्यास किया, ताकि साउथ अफ्रीका में गेंद को घुमाने में दिक्कत न हो। इसका फायदा उन्हें साउथ अफ्रीका में मिला। उनकी गेंद अन्य स्पिनर्स की तुलना में ज्यादा टर्न हुई। यही नहीं, रात के मैचों को देखते हुए पार्शवी ने देर रात में फ्लड लाइट में और सुबह में ओस से भीगी गेंद से प्रैक्टिस की, ताकि ग्रिप बनाने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। उनके पिता ने उनके लिए सिंकदराबाद स्थित स्कूल ग्राउंड में फ्लड लाइट और पिच बनवाई हैं। वर्ल्डकप में जाने से पहले मेरी निगरानी में वहीं पर अभ्यास किया।

पार्शवी लेग स्पिनर कैसे बनीं?

पार्शवी की लेग स्पिनर बनने की कहानी भी काफी दिलचस्प है। क्रिकेट करियर के शुरुआत में पार्शवी तेज गति से गेंद फेंकती थीं। बाद में कोच ने उसे स्पिन गेंदबाजी की सलाह दी।

कोच नौटियाल बताते हैं कि पार्शवी ने युवराज सिंह क्रिकेट एकेडमी में ट्रेनिंग लेती थीं। मैं वहां कोच था। पार्शवी अब भी जब नोएडा में आती हैं तो वह अपने सिंकदराबाद स्थित स्कूल ग्राउंड में जाकर ट्रेनिंग करती हैं। वह पहले मीडियम पेसर्स थीं। हमने उसे स्पिन गेंदबाजी की सलाह दी।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिकाः मिसौरी में महिला को अपने जुड़वा बच्चों की हत्या का दोषी ठहराया गया

अमेरिका के मिसौरी में एक महिला को अपने जुड़वा बच्चों की हत्या का दोषी ठहराया गया है। महिला ने पहले बताया था कि उसके बच्चे मृत पैदा हुए थे। माया कास्टोन (28) को शुक्रवार को गैर-इरादतन हत्या और बच्चों की जान खतरे में डालने के दो मामलों में दोषी ठहराया गया था। सेंट लुइस पोस्ट-डिस्पैच की खबर के अनुसार, जूरी ने उसे हत्या का दोषी (दूसरी डिग्री की) ठहराने के बजाय कम अपराधों में दोषी पाया। अभियोजकों ने दलील दी कि कास्टोन की ओर से बच्चों की देखभाल में की गई कोताही से पता चलता है कि वह उनकी मौत का कारण बनी। बच्चों के जन्म से पहले उसने गर्भपात और गर्भपात के तरीकों के लिए बारे में इंटरनेट पर काफी कुछ खोजा था, जिससे पता चलता है कि वह बच्चे नहीं चाहती थी। कास्टोन ने जूरी को बताया कि उसने बच्चों के जन्म के तीन दिन बाद उन्हें गोद देने की योजना बनाई थी, लेकिन उससे पहले ही बच्चों की मौत हो गई क्योंकि वे कुछ खा नहीं रहे थे। सहायक अभियोजन अटार्नी थॉमस डिटमेयर ने कहा, ह्यह्यहमें दो मृत बच्चे मिले हैं। वह उन्हें नहीं चाहती थी। उसे उनकी कोई फिक्र नहीं थी। उसने उनके नाम भी नहीं रखे थे। कास्टोन के वकीलों ने कहा कि वह कुछ सोच-समझ नहीं पा रही थी और उसे शिशुओं की जान को क्या खतरा हो सकता है इसका अंदाजा नहीं था। कास्टोन ने जूरी ने कहा, ह्यह्यमैं सदमे में थी। मुझे नहीं पता था कि क्या करना चाहिए।

मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह की अगली उम्मीदवारी पक्की

0मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह की अगली उम्मीदवारी पक्की हो गई है। वो सत्तारूढ़ मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनाव में रविवार को विजयी हुए हैं। मालदीव के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब मौजूदा राष्ट्रपति ने फिर से प्राथमिक चुनाव में जीत दर्ज की। सोलिह को चुनौती देने वाले संसद स्पीकर मोहम्मद नशीद थे। सोलिह ने 2018 में राष्ट्रपति पद संभाला था। आगामी राष्ट्रपति चुनाव इस साल सितंबर में होंगे।

पेशावर की मस्जिद में धमाका, 50 घायल

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर की एक मस्जिद में सोमवार अपराह्न विस्फोट होने से कम से कम 50 लोग घायल हो गये। समाचार पत्र डॉन ने बचाव अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह धमाका पेशावर के पुलिस लाइन्स क्षेत्र में स्थित मस्जिद में हुआ। लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता मोहम्मद आसिम के मुताबिक घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉन ने श्री आसिम के हवाले से कहा कि क्षेत्र को पूरी तरह सील कर दिया गया है और वहां सिर्फ एंबुलेंस प्रवेश कर सकती हैं। टीवी रिपोर्टों के अनुसार यह विस्फोट करीब एक बजकर 40 मिनट पर हुआ, जब जुहर की नमाज अदा की जा रही थी। गौरतलब है कि पेशावर में पिछले साल भी इसी तरह की घटना हुई थी जब कोचा रिसालदार क्षेत्र की शिया मस्जिद में आत्मघाती हमले में 56 लोगों की जान गयी थी।

इजराइली सेना ने एक फलस्तीनी व्यक्ति की हत्या कीः फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय

वेस्ट बैंक के एक अशांत शहर में सोमवार को इजराइली सैनिकों ने एक फलस्तीनी व्यक्ति को मार डाला। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। क्षेत्र में बढ़ती हिंसा के बीच यह नवीनतम खूनखराबा है और खासकर ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इलाके के दौरे पर हैं। वैसे तो इजराइली सेना ने कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हेब्रॉन शहर में फलस्तीनी की हत्या कर दी गयी जिसकी पहचान नस्सीम अबू फौदा (26) के तौर पर की गयी है। इस शहर में इजराइली सेना और फलस्तीनियों के बीच संघर्ष चलता रहता है। हाल के दिनों में इजराइल-फलस्तीन हिंसा बहुत बढ़ गयी है। पिछले हफ्ते इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक के जेनिन में हमला किया था, जिसमें 10 लोग मारे गये थे और उनमें से ज्यादातर आतंकवादी थे। उधर पूर्वी यरूशलम में फलस्तीनियों की गोलीबारी में सात इजराइलियों की जान चली गयी।

पाकिस्तान : आगामी उपचुनाव में सभी 33 संसदीय सीट पर पार्टी के इकलौते उम्मीदवार होंगे इमरान खान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान देश में 16 मार्च को नेशनल असेंबली की 33 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में अपनी पार्टी के इकलौते उम्मीदवार होंगे। उनकी पार्टी ने यह घोषणा की है, जिसका मकसद सत्तारूढ़ गठबंधन पर चुनाव कराने के लिए दबाव तेज करना है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने रविवार शाम यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में किया गया। कुरैशी ने कहा, ह्यह्यइमरान खान सभी 33 संसदीय सीट पर पीटीआई के एकलौते उम्मीदवार होंगे। यह फैसला खान की अध्यक्षता में रविवार को जमान पार्क लाहौर में हुई पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में किया गया। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि नेशनल असेंबली की 33 सीट पर उपचुनाव 16 मार्च को होंगे। पीटीआई के अनुसार, इन निर्वाचन क्षेत्रों से हटाए गए पार्टी के नेता खान के लिए ह्यकवरिंग उम्मीदवारोंह्न (वैकल्पिक उम्मीदवार) के रूप में अपना नामांकन पत्र जमा करेंगे। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष (स्पीकर) राजा परवेज अशरफ द्वारा पीटीआई सांसदों के इस्तीफे स्वीकार करने के बाद ये सीटें खाली हुई हैं। पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता से बेदखल किए गए खान की पार्टी के सांसदों ने पाकिस्तान की संसद के निचले सदन (नेशनल असेंबली) से त्यागपत्र दे दिया था। हालांकि, सदन के अध्यक्ष (स्पीकर) राजा परवेज अशरफ ने सांसदों के इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया और कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से सत्यापित करने की आवश्यकता है कि क्या सांसद अपनी मर्जी से इस्तीफा दे रहे हैं या दबाव में। पिछले महीने अध्यक्ष ने पीटीआई के 35 सांसदों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए थे, जिसके बाद ईसीपी ने उन्हें गैर-अधिसूचित कर दिया। इसके बाद, अध्यक्ष ने अन्य 35 के भी इस्तीफे स्वीकार कर लिए (और ईसीपी ने उन्हें गैर अधिसूचित किया) और शेष 43 पीटीआई सांसदों के इस्तीफे के बाद खान ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को विश्वास मत की परीक्षा में डालने के लिए नेशनल असेंबली में लौटने की घोषणा की। ईसीपी ने अब तक 43 पीटीआई सांसदों को गैर- अधिसूचित नहीं किया है। अगर ईसीपी शेष 43 पीटीआई सांसदों को गैर-अधिसूचित करता है तो खान की पार्टी का नेशनल असेंबली से लगभग सफाया हो जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब खान ने सत्तारूढ़ पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के खिलाफ कई सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया हैं पिछले साल अक्टूबर में हुए उपचुनाव में खान ने अध्यक्ष द्वारा 11 पीटीआई सांसदों के इस्तीफे स्वीकार करने के बाद आठ संसदीय सीट पर चुनाव लड़ा था जिनमें से छह पर जीत दर्ज की थी। नौ दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन पीडीएम ने कहा है कि वह संभवतः उपचुनावों में हिस्सा नहीं ले सकता है। अगर पीडीएम अपने फैसले पर अड़ा रहा तो पीटीआई बिना किसी दिक्कत के सभी सीटों पर कब्जा कर सकती है। इन 33 सीटों में से 12 सीटें पंजाब प्रांत में, आठ खैबर पख्तूनख्वा में, तीन इस्लामाबाद में, नौ सिंध में और एक बलूचिस्तान में हैं। कुरैशी ने कहा, ह्यह्यपीटीआई राजनीतिक जमीन पर बनी रहेगी और जनता की मदद मांगेगी। पिछले साल जुलाई में जब लोगों को मौका मिला, हमारे विरोधियों के सरकार में होने के बावजूद, उन्होंने हमारा जनादेश सुनिश्चित किया और इमरान खान को विजयी बनाया। ह्यजियो न्यूजह्न ने कुरैशी के हवाले से कहा, ह्यह्यदेश 16 मार्च को स्पष्ट संदेश देगा। देश को इमरान खान के नेतृत्व में पूरा भरोसा है। जिन समूह ने हम पर पाबंदी लगाई है जनता उन्हें नकार देगी।

ट्यूनीशिया में मतदाताओं ने बड़े पैमाने पर संसदीय चुनाव का बहिष्कार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्यूनीशिया में मतदाताओं ने बड़े पैमाने पर संसदीय चुनावों का बहिष्कार किया। इस चुनाव को उनके राष्ट्रपति तथा देश के संकटग्रस्त लोकतंत्र के लिए अहम परीक्षा माना जा रहा है। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, ट्यूनीशिया के 80 लाख मतदाताओं में से महज 11.3 प्रतिशत ने ही मतदान किया। ट्यूनीशिया के कई असंतुष्ट लोग मतदान से दूर रहे और प्रभावशाली इस्लामिक पार्टी एनादहा तथा अन्य विपक्षी दलों ने मतदान का बहिष्कार किया। इस चुनाव को सत्ता पर पकड़ मजबूत बनाने, इस्लामिक विरोधियों पर लगाम लगाने तथा अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए राष्ट्रपति कैस सईद के प्रयासों में एक निर्णायक कदम के तौर पर देखा गया है। लेकिन बेहद कम मतदान से भविष्य में संसद की वैधता पर संदेह पैदा हो गया है तथा इससे सईद की योजनाओं पर पानी फिर सकता है। चुनाव अधिकारियों के बुधवार को आधिकारिक संसदीय नतीजों की घोषणा करने की उम्मीद है। कई स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने मतदान के दौरान उल्लंघनों की कुछ घटनाएं भी दर्ज की।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में रेडियोधर्मी कैप्सूल खो जाने पर कंपनी ने मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में रेडियोधर्मी कैप्सूल गुम हो जाने के लिए खनन क्षेत्र की नामचीन कंपनी रियो टिंटो ने रविवार को माफी मांगी है। कंपनी का कहना है कि इसकी जांच शुरू कर दी गई है। लापता इस कैप्सूल की तलाश की जा रही है। रियो टिंटो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी साइमन ट्रॉट ने ट्वीट किया- हम इस घटना को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। हम मानते हैं कि यह बहुत चिंताजनक है और पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में इसके कारण उत्पन्न हुए डर और चिंता के लिए हमें खेद है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी की यह प्रतिक्रिया इस कैप्सूल के गायब होने से मचे हड़कंप के बीच आई है। कंपनी के मुताबिक यह कैप्सूल इस महीने 10-16 जनवरी के बीच ट्रक से खनन साइट पर ले जाते समय न्यूमैन शहर और पर्थ शहर (1400 किलोमीटर के दायरे में) के बीच कहीं गिर गया है। सुरक्षाबल और रिसर्च टीम इसे ढूंढ रही है। वहीं, सरकार को इस बात का डर है कि कहीं इसे कोई गलती से छू न ले, क्योंकि यह बेहद खतरनाक है। इसे छूने भर से गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग ने कहा है कि इस कैप्सूल (रेडियोएक्टिव पदार्थ) के संपर्क में आने भर से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एंड्रयू रॉबर्टसन ने कहा है कि अगर कैप्सूल को शरीर के करीब रखा जाए तो त्वचा बुरी तरह झुलस सकती है। साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली पर प्रभाव पड़ता है। इस कैप्सूल की लंबाई 8 एमएम और चौड़ाई 6 एमएम है। इसका साइज ऑस्ट्रेलियाई 10 सेंट के सिक्के से भी छोटा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एंड्रयू रॉबर्टसन ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें ऐसी कोई वस्तु दिखे है तो तुरंत 133337 पर कॉल करें और उससे कम से कम 5 मीटर दूर रहे।

अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व से अहम वार्ता करेंगे एनएसए डोभाल

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल इनीशिएटिव फॉर क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) पर पहली उच्च-स्तरीय बैठक के तहत अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन सहित शीर्ष अमेरिकी नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। अधिकारियों, शिक्षाविदों और उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के बाद यह वार्ता भारत-अमेरिका संबंधों में अगला, बड़ा मील का पत्थर साबित हो सकती है। डोभाल आईसीईटी के लिए सोमवार को वाशिंगटन पहुंचेंगे। महत्वाकांक्षी आईसीईटी बैठक के एजेंडे को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। इस बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी 31 जनवरी को व्हाइट हाउस में दोनों पक्षों के बीच बैठक की समाप्ति के बाद दिए जाने की संभावना है। भारत और अमेरिका को उम्मीद है कि यह बैठक दोनों देशों के कॉरपोरेट क्षेत्रों के बीच एक विश्वसनीय भागीदार पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की नींव रखेगी, ताकि स्टार्टअप की संस्कृति से फल-फूल रही सार्वजनिक-निजी साझेदारी पर जोर देने वाले दोनों देश वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तानाशाही हुकूमतों के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें। मई 2022 में तोक्यो में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय मुलाकात के बाद जारी एक संयुक्त बयान में पहली बार आईसीईटी का जिक्र किया गया था। डोभाल असामान्य रूप से बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका पहुंच रहे हैं, जिसमें सचिव स्तर के पांच अधिकारी और उन भारतीय कंपनियों का कॉरपोरेट नेतृत्व शामिल है, जो भारत में कुछ अत्याधुनिक अनुसंधान कर रहे हैं। एनएसए के साथ अमेरिका जाने वाले सचिव स्तर के पांच अधिकारियों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ, प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार जी सतीश रेड्डी, दूरसंचार विभाग के सचिव के राजाराम और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के महानिदेशक समीर वी कामत शामिल हैं। आईसीईटी के तहत दोनों देशों ने सहयोग के छह क्षेत्रों की पहचान की है। दोनों देशों के बीच सहयोग सह-विकास और सह-उत्पादन के सिद्धांत पर आधारित होगा, जिसे धीरे-धीरे क्वाड (अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान का रणनीतिक समूह), फिर नाटो (उत्तर एटलांटिक संधि संगठन) और फिर यूरोप और बाकी दुनिया में विस्तारित किया जाएगा। इसका मकसद बाकी दुनिया को ऐसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां प्रदान करना है, जो तुलनात्मक रूप से काफी सस्ती हों। भारत और अमेरिका ने आईसीईटी के तहत सहयोग के लिए जिन छह क्षेत्रों की पहचान की है, उनमें वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास, क्वांटम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमता), रक्षा नवाचार, अंतरिक्ष तथा 6जी और सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत संचार पद्धतियां शामिल हैं।

चीन को आधुनिक चिप हासिल करने से रोकने के लिए जापान और नीदरलैंड ने अमेरिका से किया करार

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान और नीदरलैंड ने आधुनिक कम्प्यूटर चिप बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री हासिल करने से चीन को रोकने के लिए अमेरिका के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते की जानकारी रखने वाले व्यक्ति ने यह सूचना दी लेकिन उसने अपनी पहचान उजागर करने से इनकार कर दिया क्योंकि इस समझौते की अभी तक औपचारिक घोषणा नहीं की गयी है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि तीनों पक्ष कब समझौते की घोषणा करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने आधुनिक चिप हासिल करने से चीन को रोकने के लिए अक्टूबर में निर्यात नियंत्रण लागू किया था। बाइडन प्रशासन का कहना है कि आधुनिक चिप का इस्तेमाल हथियार बनाने, मानवाधिकार उल्लंघन करने तथा उसके सैन्य साजो सामान की गति तथा सटीकता में सुधार करने के लिए किया जा सकता है। चीन ने इस पर आक्रामक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि व्यापार पाबंदियों से आपूर्ति श्रृंखला तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था की बहाली बाधित होगी।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने इस महीने की शुरूआत में कहा था, ह्यह्यहम उम्मीद करते हैं कि संबंधित देश सही कदम उठाएंगे और बहुपक्षीय व्यापार शासन बनाए रखने तथा वैश्विक औद्योगिक एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता की रक्षा के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे। इससे उनके दीर्घकालीन हितों की भी रक्षा होगी।

व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को कहा कि पुर्तगाल तथा जापान के अधिकारी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान की अगुवाई वाली वार्ता के लिए वाशिंगटन में थे। किर्बी ने कहा कि इस बैठक में ह्यह्यउभरती प्रौद्योगिकियों की सुरक्षा करने, यूक्रेन की मदद करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गयी।

उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या सेमीकंडक्टर तकनीक पर निर्यात नियंत्रण कड़ा करने पर कोई समझौता किया गया या नहीं। इस महीने बाइडन ने निर्यात नियंत्रण मजबूत करने के लिए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा तथा पुर्तगाल के प्रधानमंत्री मार्क रुत से अलग से मुलाकात की थी। नीदरलैंड की सेमीकंडक्टर उत्पादन उपकरण की प्रमुख निमार्ता कंपनी एएसएमएल ने रविवार को बताया कि उसे समझौते की कोई जानकारी नहीं है। एएसएमएल ऐसी मशीनों की दुनिया की इकलौती निमार्ता कंपनी है जो आधुनिक सेमीकंडक्टर चिप बनाने के लिए अत्यधिक पराबैंगनी लिथोग्राफी का इस्तेमाल करती है। पुर्तगाल सरकार ने 2019 के बाद से ही चीन को उपकरण का निर्यात करने से रोका हुआ है लेकिन कंपनी फिर भी चीन को कम गुणवत्ता के लिथोग्राफी उपकरण भेजती रही है।

कम आय वाली एशियाई आबादी के लिए घुटने की रिअलाइनमेंट सर्जरी एक बेहतर विकल्पः डॉ. गौरव संजय

घुटनों के रिप्लेसमेंट सर्जरी की तुलना में घुटनों की ओस्टियोटॉमी एक बेहतर विकल्पः डॉ. गौरव संजय

नई दिल्ली, एजेंसी

देहरादून! इंडिया और इन्टरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स होल्डर डॉ. गौरव संजय देहरादून उत्तराखण्ड के एक युवा ऑथोर्पीडिक सर्जन हैं, जिन्होंने तेल अवीव में आयोजित इजराइल ऑथोर्पीडिक एसोसिएशन के 45वें सम्मेलन में अपना एक क्लीनिकल अध्ययन प्रस्तुत किया है। इस अध्ययन में घुटने की ऑस्टियोआर्थराइटिस के 113 रोगियों को शामिल किया गया था। जिनकी उम्र 46 से 89 वर्ष के बीच की थी, जिन्हें अप्रैल 2005 से दिसंबर 2017 तक ओपन वेज हाई टिबियल ओस्टियोटॉमी के साथ इलाज किया गया था। सभी रोगियों को पैरों के टेड़ेपन एवं दर्द की शिकायत थी। 33 रोगियों में दोनों तरफ की ओस्टियोटॉमी की गई थी। हड्डी को काटकर और प्लेट से ठीक करके विकृति को ठीक किया गया था। रोगी ऑपरेशन के अगले दिन से ही चलने लगते हैं। डॉ. गौरव संजय के अनुसार, उम्र के साथ ऑस्टियोआर्थराइटिस बढ़ता रहता है और सभी जोड़ घिसते रहते हैं। एशियन लोगों में खासतौर से घुटनों के जोड़ों के घिसने की संभावना ज्यादा होती है क्योंकि अधिकांशतः एशियन लोगों के रोजमर्रे के काम एवं पूजा-पाठ उखड़ू बैठकर एवं पलौथी मारकर ही किए जाते हैं। मुख्यतः गठिया का दर्द सभी रोगियों में सर्जरी के बाद ठीक हो जाता है। 90 प्रतिशत लोगों का घुटनों का दर्द खत्म हो जाता है। इस ऑपरेशन के बाद लोग जमींन पर उखड़ू एवं पलौथी मारकर बैठ सकते हैं, खेत-खलिहानों में काम कर सकते हैं और यहां तक कि पहाड़ों पर भी आसानी से चल-फिर सकते हैं। रोगियों से पूछने पर पता चला कि अधिकांशतः रोगी इस ऑपरेशन से संतुष्ट थे। डॉ. संजय ने अपने शोध पत्र में निष्कर्ष निकाला कि मीडियल ओपन वेज हाई टिबियल ओस्टियोटॉमी तकनीकी रूप से एक सरल प्रक्रिया है और वित्तीय रूप से एक सस्ता और सामाजिक रूप से एक स्वीकार्य विकल्प है। खासकर एशियाई देशों में जहां उखड़ू बैठना तथा पाल्थी मारना रोजमर्रे के काम करने के लिए एक आम बात है इसलिए घुटनों के रिप्लेसमेंट सर्जरी की तुलना में घुटनों की ओस्टियोटॉमी एक बेहतर विकल्प है।

तुर्किये ने फिनलैंड के "नाटो" में प्रवेश के आवेदन को स्वीकार करने के संकेत दिए

नई दिल्ली, एजेंसी

तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने संकेत दिया है कि उनका देश स्वीडन पर कोई कार्रवाई करने से पहले उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता के लिए फिनलैंड के आवेदन को मंजूरी दे सकता है।

तुर्किये सरकार ने तुर्किये विरोधी प्रदर्शनों को इस्लामोफोबिया (इस्लाम के खिलाफ भय) बताते हुए यूरोपीय देशों के खिलाफ यात्रा संबंधी चेतावनी जारी की है। स्वीडन में तुर्किये के दूतावास के बाहर पिछले सप्ताहांत एक इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता ने कुरान की प्रति को आग के हवाले कर दिया था और कुर्द समर्थक समूहों ने तुर्किये के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इस घटना के बाद तुर्किये ने शनिवार को यात्रा संबंधी चेतावनी जारी की।

इन घटनाओं के बाद स्वीडन के नाटो में शामिल होने के आवेदन के खिलाफ तुर्किये का रुख और कड़ा हो गया है। स्वीडन और फिनलैंड ने संयुक्त रूप से सैन्य गठबंधन का सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन ने रविवार को एक कार्यक्रम में रिकॉर्डेड बयान में संकेत दिया कि तुर्किये फिनलैंड के आवेदन को मंजूरी दे सकता है। एर्दोआन ने बिलेसिक प्रांत में युवकों के एक समूह से कहा, ह्यह्यअगर जरूरत पड़ी तो हम फिनलैंड को लेकर अलग संदेश दे सकते हैं। स्वीडन स्तब्ध हो जाएगा, जब हम फिनलैंड के लिए अलग संदेश देंगे। तुर्किये ने स्टॉकहोम में सरकार पर कुर्द समूहों सहित उन समूहों के प्रति बहुत उदार होने का आरोप लगाया है, जिन्हें वह आतंकवादी संगठन या अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। ह्यनाटोह्न में किसी नए सदस्य को जोड़ने के लिए मौजूदा सदस्यों की सर्वसम्मत स्वीकृति की आवश्यकता है। एर्दोआन की सरकार ने कहा कि वह स्वीडन के आवेदन को तभी स्वीकार करने पर सहमत होगी, जब वह अपने वादे पूरा करता है।

नागरिकों के लिए अपनी यात्रा चेतावनी में तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने ह्यह्यआतंकवादी संगठनों से संबंध रखने वाले समूहों द्वारा तुर्किये के खिलाफ प्रदर्शन तेज किए जाने का हवाला दिया है। तुर्किये का इशारा कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पीकेके की तरफ था। उसके साथ-साथ यूरोपीय संघ और अमेरिका भी पीकेके को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुके हैं।

एर्दोआन ने कहा कि उन्होंने स्वीडन के प्रधानमंत्री से कहा, यदि आप वास्तव में नाटो का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो आप इन आतंकवादियों का खात्मा करेंगे। यदि आप इन आतंकवादियों का खात्मा नहीं करते हैं, तो हम कुछ नहीं कर सकते। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों से सावधानी बरतने और यूरोप में प्रदर्शन क्षेत्रों से दूर रहने का आग्रह किया है। तुर्किये के यात्रा चेतावनी जारी करने से पहले नॉर्डिक देशों ने अलग से तुर्किये के लिए अद्यतन यात्रा दिशा-निर्देश जारी किए थे। डेनमार्क, फिनलैंड, नॉर्वे और स्वीडन ने तुर्किये जाने वाले अपने नागरिकों से बड़ी सभाओं से बचने और सावधानी बरतने का आग्रह किया था। स्वीडन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तुर्किये की राजधानी अंकारा में स्वीडन का दूतावास बंद रहेगा और इस्तांबुल में देश के वाणिज्य दूतावास में आने वाले लोगों से सतर्कता बरतने का अनुरोध किया जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129